आज

आज ३.०० तीन रुपये मात्र

गौरवशाली परम्परा

१०७ वर्ष

वाराणसी, सोमवार १९ अक्तूबर, २०२६ सौर २, आश्विन शुक्ल ९, २०८३ वि.। वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, हल्द्वानी,पटना (कोलकाता संस्करण), रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित

* काशी संस्करण पृष्ठ १२, मूल्य ३.०० रुपये



मनोकामना पूर्तिके लिए चमत्कारिक है कुमारी पूजन

KP GROUP Quality Since 1965

नया दशन पैक

30% EXTRA

KP GROUP Quality Since 1965

CELEBRATING 60 YEARS

राजश्री ®

पान मसाला

NO TOBACCO, NO NICOTINE

No Tobacco, No Nicotine

Not recommended for minors

Chewing of pan masala is injurious to health



एकता क्लब भोजूबीर चौराहा। छाया : आज

रामनगर में विदके गजराज को नियंत्रित करने में वन विभाग के छूटे पसीने

हमले में महावत हुआ घायल, जमकर मचाया उत्पाद, बिजली के खंभे, घरों की दीवारें,वाहन आदि को किया क्षतिग्रस्त, आवागमन बंद होने से पंचवटी क्षेत्र के लोग घरों में दुबके

रामनगर। यहां की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में आया गजराज रविवार को प्रात: अचानक बिदक गया, जिसको नियंत्रित करने में वन विभाग की टीमों के पसीने छूट गये। हाथी ने महावत को उठाकर पटक दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसने दर्जनों घरों की दीवारें, पेड़ पौधों, बिजली के खम्भों, वाहनों आदि को क्षतिग्रस्त कर दिया, तो वही पंचवटी क्षेत्र के लोग हाथी के उत्पात से भयभीत होकर आवागमन बंद होने के कारण दिनभर घरों में दुबके रहे। यहां की विश्व प्रसिद्ध रामलीला अटकी रही। पता चला कि जब तक हाथी नियंत्रित नहीं हो जायेगी, तब तक रामलीला नहीं शुरू होगी। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार यहां की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में काशी राज परिवार के सदस्यों को बैठने के लिए किराये पर हथिया मंगाई जाती है, जो आजमगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से तीन हथियों समेत एक बिहार से कुल चार हथियाँ मंगाई थी, जिसमें बिहार की हाथी को वापस भेज दिया गया। वर्तमान में तीन हथिया है। इन हाथियों



को पंचवटी रामलीला मैदान क्षेत्र में पेड़ के नीचे बांधकर रखा जाता है। जहां वह अचानक महावत के चारा देते समय विदक गया, तो वही यह भी चर्चा रही कि हाथियों को चारा पानी समय से नहीं दिया जाता, जिसके बाद हाथी ने ऐसा तांडव मचाया कि लोग इधर-उधर भागने लगे। महावत ने उसे नियंत्रित करने का प्रयास किया, तो उसने उसको भी उठाकर पटक दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसराइल नामक ३५ वर्षीय महावत को बीएचयू ट्रामा सेंटर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है, तो वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचवटी तिराहे से लंका रामलीला मैदान की ओर जाने वाले रास्ते को बैरिकेडिंग करके उस पर आवागमन रोक दिया। जिसके बाद उसने इसकी सूचना वाराणसी वनप्रभाग एवं काशी वन्य जीव प्रभाग के अधिकारियों को दी गयी। जिस पर दोनों प्रभागों की टीम संयुक्त रूप से हाथी को नियंत्रित करने के लिए पहुंची लेकिन दिनभर की कड़ी मशक्कत के बावजूद हाथी सायंकाल सात बजे तक नियंत्रित नहीं हो सका था। वही जिस क्षेत्र में हाथी उत्पात मचा रहा था उसके आसपास के क्षेत्र में बसी नयी कॉलोनीयों के लोग अपने घरों में आवागमन बंद होने के कारण दिन भर दुबके रहे। हाथी मधुबन बगीचे के पास घूमता दिखाई दिया। वही वन विभाग के सूत्रों के हवाले से यह पता चला कि अगर हाथी नियंत्रित नहीं होता है, तो उसके लिए गोरखपुर से स्पेशल टीम बुलाई जायेगी। बरहाल समाचार दिए जाने तक हाथी पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका था। पुलिस जहां आवागमन को रोक कर लोगों को उधर से जाने के लिए रोक रही थी वहीं वन विभाग की टीम उसको नियंत्रित करने में जुटी हुई थी। वह तो गनीमत रही कि हाथी रामलीला के दौरान नहीं विदका नहीं तो भारी जान और माल की क्षति हो सकती थी।

टूटी परंपरा, बदले रास्ते से आरती में पहुंचे कुंवर अनंत नारायण सिंह

रामनगर। यहां की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में रविवार की रात्रि में अब तक चली आ रही परंपरा टूट गयी। जब हाथी बिदकने के कारण कुंवर अनंत नारायण सिंह को भगवान की आरती देखने के लिए बदले रास्ते से लंका रामलीला मैदान पहुंचना पड़ा। जहाँ सुवेल गिरी पर्वत पर भगवान की आरती हुई। जिसके लिए उनको साहित्यनाका डबल पानी टंकी क्षेत्र के आगे संत फ्रांसिस स्कूल के बगल वाली सड़क से होकर भीटी होते हुए लीला स्थल पर पहुंचना पड़ा। हालांकि हाथी रात्रि में शांत होकर एक जगह चुपचाप खड़ा हो गया था। लेकिन वह पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं था। वह पूरी तरह से शांत बताया जा रहा था फिर भी सावधानी बरतते हुए लंका रामलीला मैदान से पंचवटी की ओर जाने वाले मार्ग पर आवागमन बंद कर दिया गया था। किसी को उधर जाने नहीं दिया गया। जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई।

काशीकी रामलीला



१९ अक्तूबर, सोमवार

रामनगर :- रावण-युद्ध और रणभूमि अवलोकन। **औरंगाबाद** :- चारो फाटक की लड़ाई, लक्ष्मण शक्ति, कुम्भकर्ण-वध, रावण प्रथम युद्ध। **गायघाट** :- विभीषण शरणागति, रामेश्वर पूजन। **लाटभैरव** :- सुवेल गिरी की झांकी, अंगद विस्तार, चारों फाटक की लड़ाई, लक्ष्मण शक्ति तथा मोक्ष, कुम्भकर्ण-वध। **काशीपुरा** :- विभीषण शरणागति, रामेश्वरपूजन। **भदैनी** :- अंगद-रावण संवाद। **मौनीबाबा** :- विभीषण शरणागति, समुद्र तारन। **जयरामपुर** :- लक्ष्मण शक्ति, कुम्भकर्ण वध व मेघनाद वध। **चिरईगांव** :- लक्ष्मण शक्ति, कुम्भकर्ण वध व मेघनाद वध। **चोलापुर** :- लक्ष्मण शक्ति। **रोहनिया** :- कुम्भकर्ण, मेघनाद एवं अहिरावण का वध। **टेकुरी** :- रावण-अंगद संवाद। **काजीसराय** :- सेतु बंधन, अंगद-रावण संवाद। **लोहता** :- कुम्भकर्ण एवं मेघनाद वध। **कोरौता बाजार** :- लंका दहन, अंगद-रावण संवाद।

बिदका गजराज, नहीं हो सकी रामनगर की लीला

भगवान की आरती देख लीलाप्रेमी लौटे घर

रामनगर। लाख प्रयास के बावजूद बिदका हुआ गजराज न तो नियंत्रित हुआ और न ही यहां की रामलीला शुरू हो सकी जबकि रामलीला के निर्धारित समय पर लीला प्रेमी लंका रामलीला मैदान में प्रतिदिन की भांति पहुंचकर लीला शुरू होने की प्रतीक्षा करते रहे। साधुओं की भजन मंडली भजन कीर्तन के साथ लीला मैदान में डटी रही लेकिन किसी प्रकार का कोई सुगबुगाहट न होने के कारण लोग रात्रि तक बैठे रहे। अंत में उन्हें पता चला कि गजराज के विघ्न डालने के कारण आज लीला नहीं होगी। केवल भगवान की आरती होगी, जिसके बाद रात्रि में साढ़े नौ बजे हुई भगवान की आरती देखने के बाद लीला प्रेमी वापस अपने घरों को लौट। हालांकि आज की लीला अत्यंत छोटी थी मात्र आठ दोहों की लीला आज होनी थी लेकिन गजराज ने ऐसा व्यवधान डाला कि उसके भय के कारण प्रशासन और दुर्ग प्रशासन के लोगों ने जोखिम उठाना ठीक नहीं समझा। इसलिए रामलीला नहीं हो सकी। यदि सोमवार को गजराज को काबू में कर लिया गया, तो दोनों दिन की लीला एक ही दिन में संपन्न करा दी जायेगी।



डी लाईट क्लब अर्दली बाजार । छाया : आज



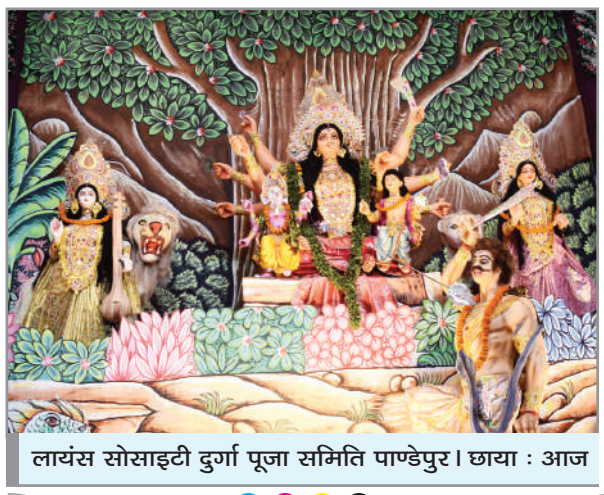
जय माता दी स्पोर्टिंग क्लब अर्दली बाजार।



राज दुर्गा पूजा समिति भिटारी। छाया : आज



दी हिम क्लब टैगोर कालोनी। छाया : आज



लायंस सोसाइटी दुर्गा पूजा समिति पाण्डेपुर। छाया : आज



मां दुर्गा पूजा समिति कुआर। छाया : आज



नवदुर्गा पूजा समिति दामोदरपुर सारनाथ । छाया : आज



युवा शक्ति क्लब गिलटबाजार । छाया : आज



दुर्गोत्सव समिति नयी बस्ती पंचक्रोशी। छाया : आज



एनआईपी ग्रैण्ड वूड सोसाइटी पहाड़ी। छाया : आज

शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर मां अन्नपूर्णा के दरबार में उमड़े श्रद्धालु, भक्तों ने टेका मत्था

आधी रात के बाद से ही दर्शन के लिए लगी कतारें, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुई मंगला आरती

शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर रविवार को मां अन्नपूर्णा (महागौरी) के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आधी रात के बाद से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होने लगे। भोर में मंदिर के पट खुलते ही भक्तों ने मां के दर्शन किये और परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं वंशवृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर मां के जयकारों से गूंजता रहा।

पंचामृत स्नान के बाद हुआ मां का भव्य शृंगार

महाअष्टमी पर मां के दर्शन-पूजन के लिए मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किये गये। शनिवार मध्यरात्रि के बाद मंदिर के महंत शंकर पुरी की देखरेख में मां के विग्रह को पंचामृत स्नान कराया गया। इसके बाद नवीन वस्त्रों और आभूषणों से मां का भव्य शृंगार किया गया। भोग अर्पित करने के



पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंगला आरती संपन्न हुई। अलसुबह मंदिर के पट खुलते ही पहले से कतार में खड़े श्रद्धालु दर्शन के लिए गर्भगृह के समीप पहुंचे। भक्तों ने मां के दर्शन कर विधि-विधान से पूजन किया। इस दौरान श्रद्धालु गर्भगृह परिसर की परिक्रमा करते भी नजर आए। महाअष्टमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर मां महागौरी की आराधना की।

सुरक्षा के बीच कतारबद्ध होकर भक्तों ने किये दर्शन

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये। बैरिकेडिंग के बीच भक्त कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। इस दौरान मां के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। महिलाओं ने विशेष रूप से परिवार में सुख-शांति, खुशहाली और संतान की उन्नति के लिए मां से आशीर्वाद मांगा।

छप्पन भोग की झांकी संग भजनों ने मोहा मन

मच्छोदरी में मां भगवती की आराधना रविवार को भक्ति, संगीत और सनातन परंपरा के भव्य संगम के रूप में साकार हुई। बाबा मच्छोदरा नाथ दुर्गोत्सव समिति के ३६वें दुर्गोत्सव में मां को अर्पित छप्पन भोग की मनोहारी झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। सायं पांच बजे से सजे विविध व्यंजनों के भोग में भक्तों की अगाध आस्था और समर्पण झलका। उत्सव की संगीतमय छटा देर रात तक छाई रही। प्रख्यात गायिका श्रद्धा पाण्डेय और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त गायक राजन तिवारी ने अपने भक्ति गीतों से ऐसा समां बांधा कि पूरा परिसर भक्तिरस में डूब गया। उनकी प्रस्तुतियों ने मां की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। छप्पन भोग की दिव्य झांकी, लोकगीतों की स्वरधारा और देर रात तक गूंजे भक्तिगीतों ने मच्छोदरी को शक्ति-साधना के अनुपम केंद्र में बदल दिया। आयोजन की व्यवस्था में समिति के अध्यक्ष राजेश केशरी, महामंत्री सचिन यादव, कोषाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, विजय चौधरी, पंकज चतुर्वेदी, घनश्याम यादव और दुर्गेश यादव सहित अन्य सदस्य जुटे रहे।

डांडिया बिट्स में दिखी सिन्धी संस्कृति की झलक

सिन्धु विकास समिति संस्था की ओर से रविवार को डांडिया बिट्स पर सिन्धी समाज के लोग जम कर झूमे। सर्व प्रथम माता जगदम्बा, साईं झूलेलाल की भव्य आरती उतारी गयी। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आये हुए अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष सत्येन्द्र मनशानी ने किया। इसके उपरांत सैकड़ों की संख्या में सिन्धी समाज की महिला, पुरुष और बच्चों परम्परा गत देवी माता के गीतों के साथ ही सिन्धी गीतों पर डांडिया उत्सव में शामिल हुए इस दौरान महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। चार अलग-अलग वर्गों में डांडिया बिट्स आयोजित - महिला, पुरुष व युगल के साथ ही बच्चों की अलग परफोर्मेंस हुई। इस दौरान सभी प्रतिभागी परम्परा गत ड्रेस में सजे हुए नजर आये। अंत में हर वर्ग में टॉप तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन में विशेष सहयोग सुविधा साड़ी एवं परिवार नमकीन का रहा धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष चन्दन रामरखयानी ने दिया। डांडिया कार्यक्रम के मुख्य सलाहकार श्याम खेमानी, चंदन रूपानी, अरुण लखमानी, भानु वाधवानी, दीपक केसवानी, विनय सचदेवा, त्रिलोचन रामानी, करन रुपानी आदि शामिल रहे।

मलदहिया चौराहे पर कल होगा विशालकाय रावण का दहन

विजयादशमी के अवसर पर समाज सेवा संघ की ओर से आयोजित होने वाला रावण का दहन २० अक्तूबर को सायंकाल छ: बजे अतिशबाजी के बीच होगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल तथा विशिष्ट अतिथि एमएलसी धर्मेन्द्र सिंह होंगे। समारोह के पूर्व सायंकाल साढ़े चार बजे कैण्ट स्थित कृष्णा धर्मशाला से श्रीराम दरबार की भव्य शोभायात्रा निकलेगी, जो सायं छ: बजे मलदहिया चौराहे पर पहंचेगी। जहां पर दस मुंह वाले रावण का दहन होगा।



आज

आज ३.०० तीन रुपये मात्र

गौरवशाली परम्परा

१०७ वर्ष

वाराणसी, सोमवार १९ अक्तूबर, २०२६ सौर २, आश्विन शुक्ल ९, २०८३ वि.। वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, हल्द्वानी,पटना (कोलकाता संस्करण), रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित | * काशी संस्करण पृष्ठ १२, मूल्य ३.०० रुपये



मनोकामना पूर्तिके लिए चमत्कारिक है कुमारी पूजन

ग्वालियरमें ट्रकने भीड़ को कुचला, १५ की मौत

शीतला माता मंदिर जा रहे थे श्रद्धालु २६ घायल, चालक-वाहन मालिक गिरफ्तार

ग्वालियर (आससे)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं पर शनिवार और रविवार की दरमियानी रात मौत बनकर एक तेज रफ्तार ट्रक टूट पड़ा। चीनौर रोड पर ढलान के पास अनियंत्रित हुए धान से भरे ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचल दिया। इसके बाद ट्रक मंदिर के प्रवेश द्वार और बाहरी दीवार से जा टकराया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गयी जबकि 26 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। घायलों में



दो पुलिसकर्मी भी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गयी। पुलिस और प्रशासन की टीमें राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह हादसा शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। बताया जा रहा है कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे थे। इसी दौरान धान से भरा एक ट्रक वहां पहुंचा और चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचलता हुआ मंदिर के प्रवेश द्वार तक पहुंच गया। ट्रक की टक्कर इतनी भीषण थी कि मंदिर की बाहरी दीवार भी ढह गयी। दीवार गिरने और ट्रक की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, करीब 40 से 50 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जतायी गयी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन की टीमों (शेष पृष्ठ नौ पर)

महाष्टमीपर विंध्यधाममें श्रद्धालुओंकी भीड़ अपार, आंकड़ा पांच लाख पार

विंध्याचल (ह.स.)। शारदीय नवरात्र की महाष्टमी पर्व पर मां विन्ध्यवासिनी दरबार में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी गई । प्रशासनिक अधिकारियों की माने तो भक्तों की संख्या पांच लाख के पार रहो । शनिवार की रात्रि से उमड़ी भीड़ रविवार की शाम तक स्थापित दिखी । दर्शनार्थियों की कतारे टूटने का नाम नहीं



ले रही थी । तीर्थपुरोहितों की माने तो यह सिलसिला सोमवार तक यूँही बना रहेगा । हवनकुंड में नवमी तिथि पर पूर्णाहुति के पश्चात ही श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव कम होगा । मंदिर दर्शन के लिए जाने वाले सभी प्रमुख मार्गो पुरानी विशिष्ठ मार्ग, न्यू विशिष्ठ मार्ग, कोतवाली मार्ग , पक्का घाट मार्ग तथा जयपुरिया गली में लंबी लंबी कतारें देखने को मिली। प्रत्येक मार्गो गलियों में स्थित दुकानदारों के चेहरे प्रसन्नता से खिले नजर आए। हर दुकानों में श्रद्धालु कुछ न कुछ खरीददारी करते नजर आए। भीड़ की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मेलाप्रभारी नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार सहित सभी जोनल तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों को आज खूब मेहनत करना पड़ा।



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

*आप सभी को शक्ति से सृजन के महापर्व शारदीय नवरात्र की महानवमी की हृदय से बधाई एवं विजयादशमी की अनंत शुभकामनाएं। मां दुर्गा का प्रबल पराक्रम और प्रभु श्रीराम का धर्मनिष्ठ जीवन हमें अन्याय के प्रतिकार, नारी-सम्मान तथा कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। **अन्यायी एवं अधर्मी चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। विजयादशमी इसी शाश्वत सत्य का प्रतीक है।***

*सनातन संस्कृति विजय के उल्लास में विनम्रता और ज्ञान के प्रति सम्मान का भाव भी सिखाती है। लंका विजय के पश्चात प्रभु श्रीराम ने अपने अनुज लक्ष्मण जी को मृत्यु शय्या पर पड़े रावण से ज्ञान प्राप्त करने के लिए भेजा। **प्रभु श्रीराम ने स्वर्णमयी लंका के वैभव के बजाय जन्मभूमि अयोध्या को वरीयता दी और लंका का राजपाट उसके उत्तराधिकारी को सौंपा। उनके श्रीमुख से निकले शब्द, "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी", मां और मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं।***

*विजयादशमी के व्यापक संदेश में आत्मसंयम, समता, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्य हमारी विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में अलग-अलग रूपों में अभिव्यक्त होते हैं। **प्रभु श्रीराम का जीवन समरसता और सामाजिक एकात्मता का प्रतीक है।** रामलीला का मंचन हो या इसे देखने के लिए आने वाले दर्शक, सब बिना किसी भेदभाव के उत्साह के साथ इन उत्सवों में हिस्सा लेते हैं। प्रभु श्रीराम कथा के आदर्श भारतवर्ष तक ही सीमित नहीं हैं, अपितु विश्व के अनेक देशों की सांस्कृतिक परंपराओं में घुलमिल गए हैं। इन आदर्शों की सार्थकता तभी है, जब वे हमारे आचरण और शासन-व्यवस्था में भी प्रतिबिंबित हों।*

***मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश में कानून के शासन और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। माफिया और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर भयमुक्त वातावरण बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए हैं।** माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाए गए हैं। मुझे संतोष है कि इसी क्रम में **प्रयागराज के कसारी-मसारी में माफिया के कब्जे से मुक्त भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनेंगे। यह क्षेत्र 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित होगा।** अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने कानून के प्रति विश्वास सुदृढ़ करने और निवेश, उद्योग एवं विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान दिया है।*

*सुरक्षित एवं समरस समाज के निर्माण के लिए शासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। **मेरा आपसे विशेष आग्रह है कि इस विजयादशमी पर अहंकार, अन्याय, भेदभाव और नकारात्मकता रूपी रावण के दहन के साथ नशे की लत, पारिवारिक कलह, जातीय भेदभाव और दहेज-प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संकल्प भी लें।** यदि हमारे आसपास कोई व्यक्ति किसी व्यसन से पीड़ित है, तो उसे तिरस्कार नहीं, सहयोग और संवेदना देते हुए स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से ही स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज और समृद्ध उत्तर प्रदेश का स्वप्न साकार होगा।*

आपका
योगी आदित्यनाथ



शक्ति से सृजन

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

कांग्रेस संविधान की रक्षक, वोट चोर बच नहीं सकते-राहुल

पणजी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज गोवा के दौरे पर हैं। इस दौरान वे पार्टी के जनसंपर्क अभियान 'गोंय राखण यात्रा' में शामिल हुए। कांग्रेस की 'गोंय राखण यात्रा' 22 सितम्बर को शुरू हुई थी।



इस यात्रा के तहत गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया। पार्टी ने इसे गोवा की जमीन, पहचान, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए चलाया गया जनसंपर्क अभियान बताया है। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से संपर्क किया। राहुल गांधी ने दक्षिण गोवा के मडगांव में कांग्रेस की गोंय राखण यात्रा में हिस्सा लिया और पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ 2 किलोमीटर तक पैदल चले। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मार्च के बाद राहुल गांधी मडगांव पहुंचे, जहां वे एक जनसभा को संबोधित कर रहे

मुख्य चुनाव आयुक्त देते हैं चोरीकी घटनाको अंजाम

हैं। इससे पहले मंच पर कांग्रेस नेताओं ने गुलदस्ता देकर राहुल गांधी का स्वागत किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश को पता है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार 'वोट चोरी' को अंजाम देते हैं और अमित शाह व पीएम मोदी उनका समर्थन करते हैं। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं आपको एक दिलचस्प बात बताता हूं, मेरे खिलाफ (शेष पृष्ठ नौ पर)

अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग, लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी

मुंबई (आससे)। मुंबई से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आयी है। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग हुई है। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना जूहू के पुष्पा पार्क में इलाके में हुई है। इस घटना में टाइगर श्रॉफ का ड्राइवर और एक स्थानीय ऑटो रिक्शा चालक के घायल होने की बात सामने आयी हैं।



पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। शुरुआती जानकारी में टाइगर श्रॉफ के भी घायल होने की बात सामने आयी थी। हालांकि मुंबई पुलिस ने बताया कि टाइगर श्रॉफ पूरी तरीके सुरक्षित है। हालांकि उनके करीबियों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

भदोही : सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत

महराजगंज (भदोही) (ह.स.)। महराजगंज क्षेत्र के इटवा ऊपरवार स्थित यूनियन बैंक के पास रविवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन जिगरी दोस्तों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक से एक वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और सड़क किनारे

डिवाइडरसे टकराकर खुले नाले में गिरी बाइक

स्थित खुले नाले में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। एक साथ तीन युवकों की मौत से मेदनीपुर गांव में मातम छा गया। हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। मृतकों की पहचान मेदनीपुर गांव की बिंद बस्ती निवासी विवेक (26), पुत्र चुन्नीलाल, सूरज (20), पुत्र पप्पू और पुनीत उर्फ उमेश (23), पुत्र राकेश के रूप में हुई है।



तीनों एक ही गांव के रहने वाले थे और आपस में गहरे दोस्त थे। रविवार को तीनों हीरो होंडा मोटरसाइकिल से महराजगंज बाजार गए थे। वहां से लौटते समय इटवा ऊपरवार के पास हादसा हो गया। बाइक विवेक चला रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं (शेष पृष्ठ नौ पर)

मां ने दो बच्चोंकी हत्या के बाद की खुदकुशी

अलवर (एजेंसी)। अलवर जिले के खेरली कस्बे के पास दांतिया गांव में रविवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो मासूम बच्चों पर कैंची से वार कर दिये। इसके बाद उसने खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया। घटना में महिला और उसके दोनों बच्चों की मौत हो गयी।

पंजाब : सड़कपर काम कर रहे मजदूरोंको कारने रौंदा, नौ की मौत

संगरूर (एजेंसी)। पंजाब के संगरूर स्थित लहरागागा-जाखल मार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में नौ मनरेगा मजदूरों की मौत हो गयी जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। यह दर्दनाक घटना लहरा के गांव अलीशेर और चोटियां के नजदीक हुई। जानकारी के मुताबिक, घटना के वक्त करीब 23 महिला और पुरुष मजदूर सड़क निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित और बेहद तेज रफ्तार कार ने वहां काम कर रहे मजदूरों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गयी।

कारके चोर दरवाजेसे २.६५ करोड़, बैगसे ३५ लाख बरामद

लखनऊ (आससे)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने पिलखुवा में छिजारसी टोल के पास एक कार से तीन करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है। कार शाहजहांपुर से दिल्ली जा रही थी। डीआरआई ने शनिवार को खुफिया सूचना के आधार पर कार को रोककर तलाशी ली। इस

डीआरआई को मिली बड़ी सफलता

दौरान एक बैग से 35 लाख रुपये मिले, जबकि कार के दरवाजों में बनाये गये गुप्त खानों से 2.65 करोड़ रुपये बरामद हुए। डीआरआई के मुताबिक, कार सवार लोग बरामद नकदी के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। वे नकदी के स्रोत के बारे में भी जानकारी नहीं दे पाये। इसके बाद पूरे मामले की जानकारी आयकर विभाग को दी गयी है, जो आगे की काररवाई करेगा। शाहजहांपुर से आ रही कार में इतनी बड़ी रकम मिलने को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आगामी चुनावों के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यहां भी पढ़ें
-:Website:-
www.ajhindidaily.com
-:For e-Paper:-
www.ajhindidaily.com/
आज तीस साल की सेवा का गौरवशाली वर्ष
निःशुल्क ई-पेपर सब्सक्राईब करें।

मौसम

सूर्योदय : ०५.५८
सूर्यास्त : ०५.२७

तापमान
अधि. : ३३.०
न्यून. : २३.०

न डरेंगे, न पीछे हटेंगे, हम लंबी लड़ाई के लिए तैयार-दिपके

नयी दिल्ली (आससे)। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रविवार को कहा कि सौरव दास और आशुतोष रांका के आने के बाद सभी लोग एक साथ बैठेंगे, आगे की रणनीति पर नये सिरे से विचार करेंगे और तय करेंगे कि अब आगे क्या करना है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में जो कुछ भी देखने को मिला है, उसमें गैरकानूनी गिरफ्तारियां और हिरासत में लिया जाना भी शामिल है। इन घटनाओं से साफ है कि उन्हें डराने और दबाव में लाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन वे न तो डरने वाले हैं और न ही पीछे हटने वाले हैं। यह लंबी लड़ाई है और वे इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें उम्मीद है कि सौरव और आशु दोनों को आज रिहा कर दिया जायेगा। अभिजीत दिपके ने यह भी बताया कि वह कुछ कानूनी मामलों पर चर्चा करने के लिए वृंदा करात से मिलने जा रहे हैं। अभिजीत दिपके ने पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं (शेष पृष्ठ नौ पर)



संपत्ति विवादमें युवकने की मां-छोटे भाई की हत्या

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में संपत्ति के बंटवारे को लेकर चल रहा विवाद इतना बढ़ गया कि एक व्यक्ति ने अपनी मां और छोटे भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। यह घटना रविवार सुबह करीब 7.30 बजे लिंबायत इलाके की सहजानंद सोसाइटी में हुई। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मृतकों की पहचान मल्लेश्वरी गोडुरू और उनके सबसे छोटे बेटे राजू के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह परिवार मूल रूप से तेलंगाना का रहने वाला है और सूरत में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, परिवार में पिछले दो साल से संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। मल्लेश्वरी के पास तीन दुकानें थीं, जिनसे हर महीने करीब 60 हजार रुपये किराया मिलता था।

वायुसेनाका नया संचार कवच जीसैट-7सी सैटेलाइट होगा लांच

नयी दिल्ली (आससे)। भारतीय वायुसेना की संचार क्षमता मजबूत करने के लिए देश में जीसैट-7सी सैन्य उपग्रह लॉन्च किया जायेगा। रक्षा मंत्रालय ने न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ 2,563 करोड़ रुपये का करार किया। इसके तहत उपग्रह का डिजाइन, विकास और निर्माण किया

रेडियो ठप होनेपर भी फाइटर जेटतक पहुंचेगा संदेश

जायेगा। इस उपग्रह की सबसे बड़ी खासियत दूर तक सुरक्षित संचार उपलब्ध कराने की क्षमता होगी। इससे लड़ाकू विमानों, निगरानी विमानों, मानवरहित विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य केंद्रों के बीच संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी। सामान्य रेडियो संचार की पहुंच से बाहर होने पर भी उपग्रह के जरिए सूचनाओं का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा। भारतीय वायुसेना का यह दूसरा समर्पित संचार उपग्रह (शेष पृष्ठ नौ पर)

पूजा पंडालके बाहर कारने श्रद्धालुओंको रौंदा, तीनकी मौत

लखनऊ (आससे)। यूपी के बलरामपुर जिले में शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने दुर्गा पूजा पंडाल के बाहर वीडियो देख रहे श्रद्धालुओं को रौंद दिया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, घायलों में दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए बहराइच रेफर किया गया है। एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना देहात थाना क्षेत्र के चिरगहिया बेल्हा गांव में हुई। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात कुछ श्रद्धालु सड़क किनारे स्थित दुर्गा पूजा पंडाल के बाहर वीडियो देख रहे थे, तभी सिद्धार्थनगर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी और रौंदते हुए निकल गई। सीएम योगी ने इस हादसे पर दुःख जताया है।

फ्रांसमें महंगाईके खिलाफ प्रदर्शन, हिंसा

१८ सौ गिरफ्तार, उपद्रवियोंने सरकारी संपत्तियोंको बनाया निशाना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में बढ़ती महंगाई और स्कूलों की खराब हालत के खिलाफ शनिवार को हुए प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गयी। राजधानी पेरिस में पुलिस ने 1800 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान हिंसक समूहों ने पुलिसकर्मियों से भिड़ंत की और दुकानों में लूटपाट की। प्रदर्शन में पेरिस क्षेत्र में करीब 1.10 लाख लोग शामिल हुए थे। देश के कई अन्य शहरों में भी तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आयीं। फ्रांस में शनिवार को हुए प्रदर्शनों में शामिल लोगों की संख्या को लेकर अधिकारियों और आयोजकों के आंकड़े अलग-अलग हैं। अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में करीब 5.50 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जबकि आयोजकों ने यह



संख्या लगभग आठ लाख बताई। प्रदर्शनकारियों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत और स्कूलों में खराब सुविधाओं के खिलाफ नाराजगी जताई। हालांकि, कई जगह प्रदर्शन के दौरान हिंसा होने से हालात बिगड़ गये। पेरिस के प्लास द ला रिपब्लिक इलाके में रविवार सुबह हिंसा के निशान दिखाई दिए। दुकानों के टूटे शीशे, सड़कों पर बिखरे कांच और उखड़े हुए पत्थर तोड़फोड़ की तस्वीर बयां कर रहे थे। शहर के मध्य हिस्से में कुछ अन्य पर्यटन और खरीदारी वाले इलाकों में भी दुकानों में लूटपाट और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। पुलिस के मुताबिक, शनिवार को मध्य पेरिस में कई सौ से लेकर एक हजार से अधिक लोगों के समूहों ने बिना अनुमति मार्च निकाले।

एनएसयूआई ने सीईसी के इस्तीफे की मांगको लेकर निकाला मार्च

नयी दिल्ली (आससे)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को जंतर-मंतर की ओर 'उंगली तो उठेगी-हल्लाबोल मार्च' निकाला। इस मार्च का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने किया। वह एक तख्ती पकड़े नजर आए, जिस पर लिखा था, 'ज्ञानेश, तेरा खेल खत्म भाई।' यह विरोध प्रदर्शन छात्र समूहों और अन्य संगठनों द्वारा कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किये जा रहे प्रदर्शनों की कड़ी में हुआ। एनएसयूआई ने कहा कि मार्च का उद्देश्य निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल उठाना और उसके प्रमुख की जवाबदेही तय करने की मांग करना था।



लंका में पेट्रोल पंप संचालक के घर से जेवरात और मैगजीन चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ सीसीटीवी फूटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश

लंका थाना क्षेत्र के डाफी स्थित बजरंग नगर अशोकपुरम कॉलोनी में शनिवार की रात्रि में चोरों ने मकान में घुसकर जेवरात और मैगजीन पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार डाफी स्थित बजरंग नगर अशोकपुरम कॉलोनी में चोरों ने पेट्रोल पंप संचालक के बंद मकान को निशाना बनाकर पुलिस के सामने चुनौती खड़ी कर दी। दीवार फांदकर घर में घुसे चोर मुख्य दरवाजे और कमरे का ताला तोड़ते हुए आलमारी तक पहुंच गये। वहां से करीब पांच लाख रुपये के जेवरात, पिस्टल की मैगजीन और चौबिस कारतूस लेकर फरार हो गये। हैरानी की बात यह है कि चोरी की पूरी गतिविधि घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गयी। पेट्रोल पंप संचालक कुमार गौरव पन्द्रह अक्तूबर को अपने माता-पिता के पास मुगलसराय चले गये थे। रविवार को जब वह घर की पेंटिंग कराने के लिए पहुंचे, तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गये। घर के ताले टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर लाखों के जेवरात और कारतूस गायब मिले। स्कूटी से पहुंचे तीन युवक, दो दीवार फांदकर घर में घुसे सीसीटीवी फुटेज में शुक्रवार दोपहर स्कूटी से तीन युवकों के पहुंचने की बात सामने आयी है। इनमें से दो युवक दीवार फांदकर घर के भीतर घुसे, जबकि तीसरा बाहर खड़ा रहा। इतना ही नहीं, रविवार सुबह एक युवक फिर स्कूटी से पहुंचा और दीवार फांदकर घर में घुस गया। वह बच्चों का एक खिलौना लेकर जाता भी दिखाई दिया। संदिग्धों की इन गतिविधियों ने चोरी की घटना को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम, जांच में जुटी पुलिस चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पिस्टल की मैगजीन और चोबिस कारतूस चोरी होने का मामला भी सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माना जा रहा है। घटना के बाद कॉलोनीवासियों में नाराजगी स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कॉलोनी में चोरी या अन्य वारदात होने के बाद ही पुलिसकर्मी दिखाई देते हैं। उनका कहना है कि नियमित पुलिस गश्त की कमी से चोरों और उचक्कों के हौसले बढ़ रहे हैं। कॉलोनीवासियों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

एक नजर इधर भी

लाज में छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

लंका थाना क्षेत्र के छित्तूपुर इलाके में रविवार की रात राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे २२ वर्षीय छात्र विनोद पटेल ने लाज में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी उस समय हुई, जब रूम पार्टनर अभिषेक के बार-बार फोन करने पर भी विनोद ने कॉल रिसीव नहीं किया। कमरे पर पहुंचने के बाद दरवाजा खटखटाने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद अभिषेक ने बगल के रोशनदान से झांककर देखा तो विनोद को फंदे से लटका पाया। सूचना मिलते ही बीएचयू पुलिस चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलने पर विनोद के पिता बुद्धिराम पटेल परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। मूल रूप से मिर्जापुर जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के दाती कोटवा गांव का रहने वाला विनोद पिछले कुछ महीनों से छित्तूपुर में किराये के कमरे में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। छात्र ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, फिलहाल इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और छात्र के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने की तैयारी में है।

चोरी की मोबाइल खरीदने वाले पांच लोग गिरफ्तार

सेवापुरी। कपसेठी पुलिस ने बरकी पेट्रोल पंप के पास बंद पड़े ढाबे पर खड़े एक डीसीएम वाहन की जांच के दौरान चोरी की मोबाइल खरीदने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से ३४५ एंड्रॉयड मोबाइल, २,२२५ कीपैड फोन और विभिन्न कंपनियों के ११३ सिम कार्ड बरामद किये। इसके अलावा आरोपियों की तलाशी में दो हजार एक सौ ४९ रुपये मिले। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में चोरी की घटनाओं की रोकथाम और संदिग्धों की तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बंगाल नंबर का एक डीसीएम संदिग्ध सामान लेकर बरकी पेट्रोल पंप के पास खड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन की तलाशी लेकर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बाबुर अली, मंटू खां, नारजूल शेख, लालबाबू शेख और मिलन शेख के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे फेरी लगाकर कबाड़ के नाम पर मोबाइल खरीदते थे और कुछ मोबाइल चोरी कर खराब कर देते थे। इन मोबाइलों को झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में बेचने की बात भी सामने आयी है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कारवाई शुरू कर दी है।

घर से नकदी और लाखों रुपये के जेवरात लेकर किशोरी गायब, युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर में १७ वर्षीय किशोरी के लापता होने के साथ ही घर से नकदी और लाखों रुपये के जेवरात गायब होने के मामले में परिजनों ने पड़ोस में किराये पर रहने वाले युवक पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते युवक के पिता, बहन और अन्य रिश्तेदारों पर भी साजिश में शामिल होने की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार, शनिवार की भोर साढ़े तीन बजे किशोरी अचानक घर से लापता हो गयी। उसकी तलाश के दौरान घर से करीब ५० हजार रुपये नकद और लगभग पांच लाख रुपये के सोने के जेवरात भी गायब मिले। इनमें अंगूठी और हार शामिल हैं। परिवार ने आरोप लगाया कि पड़ोस में किराये पर रहने वाला युवक किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। साथ ही युवक के परिजनों और अन्यरिश्तेदारों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। इस मामले में शिकायत के आधार पर कैंट पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जंसा में जुआ खेलते जुआड़ी गिरफ्तार

जंसा पुलिस ने क्षेत्र में देखभाल, संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग, वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश तथा रात्रि में गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर सिंहोरवां में हनुमान मंदिर के पास बगीचे में छापा मारकर जुआ खेल रहे तीन जुआड़ी को गिरफ्तार कर मौके से से १० हजार नौ सौ ४१ रुपये नकद और ५२ अदद ताश के पत्ते बरामद किया है। थाना प्रभारी सत्यजीत सिंह ने बताया कि पकड़े गये लोगों में कपरफोरवां जंसा निवासी मनीष कुमार पुत्र गुलाबचन्द्र, बृजेश कुमार पुत्र देवनाथ और सिंहोरवां रिंकू गौंड पुत्र तुलसी गौंड़ है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अंशू पाण्डेय, उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव आदि शामिल रहे।

स्थानीय लोगों को मिलेगी आधुनिक दवा सेवा

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज में ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी की नयी शाखा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर तेजेंद्र सिंह एवं श्रीमती साधना सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नयी शाखा की शुरुआत को क्षेत्र में सुविधाजनक और भरोसेमंद दवा सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया। फ्रेंचाइज़ी ओनर अमित कुमार सिंह ने कहा कि उनका प्रयास रॉबर्ट्सगंज और आसपास के लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना है, ताकि ग्राहकों को दवा खरीदने के लिए बेहतर विकल्प अपने ही क्षेत्र में मिल सके। समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में अजय सिंह, रवि सिंह, विजय शंकर चतुर्वेदी, दिव्य प्रकाश द्विवेदी एवं प्रतीक सिंह उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

रामेश्वर मंदिर में दर्शन के दौरान हुआ हादसा

जंसा थाना क्षेत्र के रामेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन पूजन करने गये अभिषेक पांडेय उर्फ विक्की ३७ वर्ष की करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी। इस हादसे से मृत युवक के परिजनों में कोहराम मच गया। जानकार के अनुसार बड़गांव बाजार निवासी अभिषेक पांडेय उर्फ विक्की रविवार को अपनी पत्नी अलका पांडेय के साथ रामेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन करने गये थे। मंदिर परिसर में हैंडपंप से पानी निकालते समय अभिषेक करंट की चपेट में आ गये। परिजन उन्हें तुरंत कई अस्पतालों में ले गये, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभिषेक ओमप्रकाश पांडेय उर्फ सुटूर पांडेय के इकलौते बेटे थे। उनकी मौत की खबर से परिवार में गहरा दुख छा गया है। पत्नी अलका पांडेय का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर जंसा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया ।

जंसा पुलिस ने गुमशुदा महिला को सकुशल किया बरामद

सेवापुरी। जंसा थाना क्षेत्र के सपेहटा गांव से लापता हुई महिला उर्मिला देवी पत्नी अखिलेश कुमार को पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उर्मिला देवी के बिना बताये घर से चले जाने पर परिजनों ने उनकी गुमशुदगी की सूचना थाना जंसा पुलिस को दी थी। परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला की तलाश शुरू की। महिला को जल्द से जल्द खोजने के लिए थाना जंसा पुलिस ने टीम गठित की थी। परिणामस्वरूप पुलिस ने गुमशुदा महिला को सकुशल बरामद कर लिया। महिला की बरामदगी के बाद पुलिस द्वारा नियमानुसार आगे की कारवाई की जा रही है।

वर्गीकृत आज विज्ञापन

सूचना

सूचना-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2016 अनुक्रमांक 3598114 का मूल प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है नाम **मुमताज बानों** पुत्री शहबान उल्लाह ग्राम बेगपुर, नरायनपुर जिला मिर्जापुर

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल परीक्षा सन् 2026 , अनुक्रमांक 1262133791 का अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **किशन राजभर** पुत्र श्रवण कुमार माता - मालती देवी ग्राम + पोस्ट - मौरा जनपद - गाजीपुर पिन कोड -233225

सूचना-सूचित किया जाता है कि मेरा विद्यालय से जारी कक्षा 10वीं परीक्षा सन् 2024-25 का टी.सी. प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **हरिओम मिश्रा** पुत्र श्री अरूणंजय कुमार मिश्रा निवासी वृन्दावन विहार कालोनी, चितईपुर, जिला-वाराणसी।

सूचना-सूचित किया जाता है कि मेरा छोटा पुत्र **मुकेश साहनी** उर्फ गोलू व उसकी पत्नी गुड़िया अलग रहते है, आये दिन गाली-गलौज, मारपीट करते है, उसके द्वारा कृत्य ,कार्य व लेन-देन की जिम्मेदारी मेरे व मेरी परिवार की नहीं होगी, मैं अपनी सभी चल-अचल सम्पत्ति उसे बेदखल करता हूँ । **सत्यदेव प्रसाद** पुत्र स्व. राजाराम निवासी म.नं. ए-1/5 पाटन दरवाजा, गायघाट, थाना-आदमपुर, जिला वाराणसी।

NOTICE

I, RINTA DEVI, W/o Late Abhay Mishra, resident of Paranapur, Kansapur, Maharajganj, Sant Ravidas Nagar, Uttar Pradesh – 221314, have changed my name from RINTA DEVI to RANITA MISHRA and shall hereafter be known as **RANITA MISHRA** for all purposes.

सूचना

सूचना-मेरा हाईस्कूल वर्ष 1997 अनुक्रमांक 1357586 इण्टरमीडीयेट वर्ष 2000 अनुक्रमांक 0657672 का अंकपत्र व मूल प्रमाण पत्र वास्तव मे खो गया है। **कुमारी निरोज** पुत्री श्री काशीनाथ सिंह यादव ग्राम पटना , पोस्ट औड़िहार ,जनपद गाजीपुर

सूचना-मैं, HANSHIKA GUPTA D/o Ritesh Kr. Gupta, XII (2024-25) सनबीम स्कूल भगवानपुर, वाराणसी की छात्रा थीं। मेरा बोर्ड अनुक्रमांक 23805907, एवं विद्यालय पंजियन संख्या 24063 63 हैं। मेरा TC/CC विद्यालय से घर जाते समय रास्ते में कहीं गिर गया, जिसे काफी खोजने के बाद भी नहीं मिला। **HANSHIKA GUPTA** D/o Ritesh Kr. Gupta, दीनदयाल नगर कालोनी, प्लाट नं. 46, दुर्गाकुंड, वाराणसी।

NOTICE

I, **POONAM YADAV**, wife of Shri Mahendra Yadav (Service No. GS 195329F), serving in GREF, resident of Village Panchayat Meuli Kanaspur, Post Ratsar Kalan, Police Station Pakari, Tehsil Sikandarpur, District Ballia, Uttar Pradesh, hereby declare that my name has been incorrectly recorded as "PUNAM YADAV" in my husband's service book due to a clerical error. My correct name is "POONAM YADAV" and my date of birth is 20/06/1988, as mentioned in my official documents.It is hereby requested that my name be corrected from "PUNAM YADAV" to **"POONAM YADAV"** in my husband's service book.

पाठकों से

'आज' में छपे किसी भी विज्ञापन के सम्बन्ध में पाठक स्वतः जांच करके कार्य करें। इसके सम्बन्ध में कोई भी दावा 'आज' प्रकाशन पर न होगा।

प्रबन्धक

सम्मन बजरंग एन फैसला मुकदमा आर्डर 5 कायदा 1व 5

बअदालत उपजिलाधिकारी पी.डी.डी.यू. नगर, चन्दौली
बमुकदमा नम्बर T2025141804.09773 सन् 2025 ई. धारा 38(2) उ.प्र. रा.सं. 2006
आत्मानन्द वगै. बनाम सरकार

मौजा-डहिया परगना -राल्हूपुर तह.-पी.डी.डी.यू.नगर, जनपद चन्दौली,
बनाम : 1. मुसे यादव पुत्र कल्लु यादव नि. ग्रा. डहियां पर. राल्हूपुर, तह. तह. -पी.डी.डी.यू.नगर जनपद-चन्दौली 2. नरेश यादव पुत्र कल्लु यादव नि. ग्रा. डहियां पर. राल्हूपुर, तह. तह.-पी.डी.डी.यू.नगर जनपद-चन्दौली 3. सोमारू यादव, पुत्र स्व. मंगरू यादव नि. ग्रा. डहियां पर. राल्हूपुर, तह. तह.-पी.डी.डी.यू.नगर जनपद-चन्दौली 4. कुमारी देवी पुत्री स्व० देवनाथ यादवनि. ग्रा. डहियां पर. राल्हूपुर, तह. तह.-पी.डी.डी.यू.नगर जनपद-चन्दौली । 5. मुनारी देवी पुत्री देवनाथ यादव नि. ग्रा. डहियां पर. राल्हूपुर, तह. तह.-पी.डी.डी.यू.नगर जनपद-चन्दौली 6 हरिनाम यादव पुत्र स्व. बैजू नि. ग्रा. डहियां पर. राल्हूपुर, तह. तह.-पी.डी.डी.यू.नगर जनपद-चन्दौली।

बावजह हो कि आपके नाम एकनालिश बाबत दाखिल हुआ है लिहाजा आपको लाजिम है कि खुद या बजरिये अधिवक्ता / वकिल हाजिर हो कर कुछ उज हो आज तारिख 28 माह 10 सन् 2026 ई. वक्त 10 बजे बमुकदमा अदालतन या बजरिये अधिवक्ता / वकिल अदालत हाजा में हाजिर होकर मुकदमे की पैरवी करें वरना आपके खिलाफ एक तरफा हुक्म सादिर कर दिया जायेगा। वसीका मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज दिनांक 14 माह 10 सन् 2026 ई. की जारी किया गया।

मुहर अदालत

वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री लक्ष्मी नारायण कुशवाहा द्वारा आराजी सं0-291, मौजा-कन्जाकपुरा, परगना-देहात अमानत, वार्ड-आदमपुर, तहसील-सदर, वाराणसी पर होटल का निर्माण कराया गया है, जिसे शमनित कराने हेतु प्राधिकरण में शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। वाराणसी महायोजना-2031 के अनुसार प्रश्नगत भूमि जिस पर यह होटल निर्मित है, का भू-उपयोग निर्मित है इस भू-उपयोग में वाराणसी महायोजना - 2031 एवं भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 के आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स के अनुसार आवासीय में उक्त प्रकृति का निर्माण सामान्यतः अनुमन्य उपयोग की श्रेणी के अन्तर्गत आता है। आदर्श मॉडल जोनिंग रेगुलेशन्स के प्रस्तर-15.1.3 के बिन्दु सं0- (IV) में यह प्रावधान है कि महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित ले-आउट में पारिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त की जायेगी।" आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग-3 सं- 122/2025-8-3099/406/2023 पार्ट-1, लखनऊ के अधिसूचना बिन्दु सं0-5.1 में यह प्राविधान है कि "सभी प्रकार के उपयोगों और क्रियाकलापों के लिये चाहे "सामान्यतया" या "सशर्त" या विशेष अनुमति से अनुमन्य है, प्राधिकरण आम जनता से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करते हुये विकास क्षेत्र में प्रसार वाले कम से कम दो समाचार पत्रों में एक नोटिस प्रकाशित करायेगा । आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत करने के लिये न्यूनतम अवधि नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से 15 दिनों तक होगी एंव इन आपत्तियों एवं सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी । "चूंकि प्रश्नगत प्रकरण में प्रमुख भू-उपयोग निर्मित है एवं होटल की क्रिया इस मूल उपयोग से इतर होने के कारण जनता से आपत्ति/सुझाव प्राप्त किया जाना आवश्यक है । अतः उक्त प्राविधान के दृष्टिगत यदि किसी हितबद्ध व्यक्ति/संस्था को प्रश्नगत होटल के शमन मानचित्र के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/सुझाव प्रस्तुत करना हो, तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति/सुझाव विन्यास अनुभाग वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी के कार्यालय कक्ष में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा ।

Digitally signed by Prabhat Kumar
Date-01.09.2026

नगर नियोजक/प्रभारी अधिकारी (मानचित्र)
वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी।

कार्यालय जिला पंचायत, जौनपुर

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

जिला पंचायतों के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों एवं राज्य सरकार के सिचाई विभाग व लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है जिला पंचायत, जौनपुर द्वारा पंचम राज्य आयोग योजनान्तर्गत कार्यो की ई-निविदा निम्नलिखित विवरण के अनुसार ई-टेण्डर पोर्टल http://etender.up.nic.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	सूचना का प्रकार	तिथि व समय
1.	ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा प्रकाशित करने की तिथि	दिनांक 22.10.2026 समय 14:00 बजे से
2.	वेबसाइट पर निविदा डाउनलोड/अपलोड प्रारम्भ करने की तिथि	दिनांक 22.10.2026 समय 14:00 बजे से
3.	वेबसाइट पर निविदा डाउनलोड/अपलोड करने की अन्तिम तिथि	दिनांक 27.10.2026 समय 14:00 बजे से
4.	ऑनलाइन निविदा खोले जाने की तिथि	दिनांक 27.10.2026 समय 15:00 बजे से

नोट:-

1. निविदा से सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए कार्यालय दिवस में कार्यालय जिला पंचायत, जौनपुर से सम्पर्क किया जा सकता है।
2. निविदादाता को निविदा के साथ वांछित पठनीय अभिलेख स्कैन कर आनलाईन पोर्टल http://etender.up.nic.in पर अपलोड करना अनिवार्य होगा, जिसके आधार पर निविदा का तकनीकी मूल्यांकन किया जायेगा।
3. टेक्निकल बिड में क्वालिफाईड ठेकेदार की ही फाइनेन्सियल बिड खाली जायेगी,
4. समस्त निविदादाताओं को निविदा शुल्क की यू0टी0आर0/ ट्रांजैक्शन नं0, चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, पंजीकरण प्रमाण पत्र व जमानत धनराशि की टी0डी0आर0/एफ0डी0 आर0, शपथ पत्र (T6 हाटमिक्स प्लान्ट एवं पेवर फिनीसर से कराये जाने के संबध में मशीनरी स्वामित्व अथवा ठेकेदार एवं मशीनरी स्वामी के मध्य निष्पादित वैधानिक समझौता पत्र की प्रति व अन्य वांछित अभिलेखों की मूल प्रति शासनादेश सं0-1791/33-22-2020-198जी/2018 दिनांक 07 सितम्बर, 2020 में वर्णित व्यवस्था के अनुसार निविदा खोले जाने के पश्चात् कार्यालय जिला पंचायत, जौनपुर में जमा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में निविदादाता के विरुद्ध नियमानुसर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

(लाल बहादुर सिंह)
अभियन्ता
जिला पंचायत,जौनपुर

(अखिलेश कुमार)
अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत,जौनपुर

(श्रीकला सिंह)
अध्यक्ष/प्रशासक
जिला पंचायत,जौनपुर

पत्रांक: 911/जि0पं0जौ0/नि0अनु0/ई-टेण्डर/2026-27/ दिनांक-17-10-2026

फार्मेट सी-1
(अभ्यर्थियों के लिए समाचार-पत्रों, टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता: **पंकज कुमार सिंह उर्फ डब्लू पता-पहाड़ीगेट, वैष्णो विहार कालोनी, भुल्लनपुर पी.ए.सी. वाराणसी- 221108**
राजनैतिक दल का नाम: **निर्दलीय**
(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां "निर्दलीय" लिखें)
निर्वाचन का नाम: **उत्तर प्रदेश विधान परिषद**
*निर्वाचन क्षेत्र का नाम: **वाराणसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र**

मैं **पंकज कुमार सिंह उर्फ डब्लू** (अभ्यर्थी का नाम) उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता / करती हूँ:

क्र. सं.	लंबित आपराधिक मामले			आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की की धारा (ए) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों)की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण
1	2	3	4	5	6
1	A/c 1 वाराणसी	थाना-मंडुवाडीह वाराणसी मु.अ. संख्या 29/2019	302, 34, 120 B,IPC हत्या करना	लागू नहीं	लागू नहीं
2	ADJ-4 1 वाराणसी	थाना-मंडुवाडीह मु.अ. सं. 137/18	307 IPC हत्या के प्रयास	लागू नहीं	लागू नहीं
3	ADJ-4 वाराणसी	थाना-मंडुआडीह वाराणसी मु.आ. संख्या 138/18	3/7/25 IPC आर्म्स एक्ट	लागू नहीं	लागू नहीं
4	JM-2 वाराणसी	थाना-मंडुआडीह वाराणसी मु.आ. सं. 2469/2003	147, 353, 504, 506 IPC , मारपीट व धामी	लागू नहीं	लागू नहीं
5	ADJ-13 स्पेशल जज वाराणसी	थाना-मंडुआडीह वाराणसी मु.आ. संख्या 53/ 2019	3(1) UP IPC गैंगस्टर एक्ट	लागू नहीं	लागू नहीं
6	JM-2 वाराणसी	थाना-मंडुआडीह वाराणसी मु.आ. संख्या 0161/17	386, 323, 504, 506 IPC धमकी देना	माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद	लागू नहीं

*राज्य सभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद् के निर्वाचन के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें। **विधान परिषद के निर्वाचन**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., चन्दौली

पत्रांक: -3952/4ए — दिनांक-17/10/2026

अति अल्पकालीन निविदा

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 सरकार की ओर से जनपद चन्दौली के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मुहर बन्द निविदायें दिनांक- 19.10.2026 को सायं 3.30 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, चन्दौली के कार्यालय में डाली जायेगी, जो उसी दिन सायं 4.00 बजे सम्बन्धित सहायक अभियन्ता के द्वारा प्रा.ख., लो.नि.वि. के कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारो के समस्त खोली जायेगी। केवल लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदार / फर्म ही निविदा लेने के पात्र होंगे। किसी निविदा अथवा समस्त निविदाओं को पूर्ण या आंशिक रूप से बिना कारण बतायें निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा। निविदा प्रपत्रों का विकय अधिशासी अभियन्ता, प्रा०ख०, लो०नि०वि०, चन्दौली के कार्यालय में दिनांक - 19.10.2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

2.

क्रमांक	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अर्ह ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	चन्दौली	जनपद वाराणसी/चन्दौली मे दिनांक-22,24 व 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "एयर शो-2026" के अन्तर्गत विभिन्न घाटों के मिट्टी भराई, समतलीकरण एवं अन्य विविध कार्य ।	6.25	0.63	75+500 104= 679.00	दिनांक 22.10.2026 प्रातः 9.00 बजे तक	A, B D
2	चन्दौली	जनपद वाराणसी/चन्दौली मे दिनांक-22, 24 व 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "एयर शो 2026' के अन्तर्गत विभिन्न घाटों के पहुँच मार्ग के मरम्मत एवं अन्य विविध कार्य ।	6.10	0.61	75+500 104= 679.00	दिनांक 22.10.2026 प्रातः 9.00 बजे तक	A, B C,D
3	चन्दौली	जनपद वाराणसी/चन्दौली मे दिनांक-22 ,24 व 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "एयर शो-2026" के अन्तर्गत भीड़ नियंत्रण एवं आवश्यक सूचना हेतु पी.ए. सिस्टम एवं अन्य विविध कार्य।	8.10	0.81	75+500 104= 679.00	दिनांक 22.10.2026 प्रातः 9.00 बजे तक	A, B C,D
4	चन्दौली	जनपद वाराणसी/चन्दौली मे दिनांक-22, 24 व 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "एयर शो-2026" के अन्तर्गत विभिन्न घाटों पर यातयात नियंत्रण हेतु चेकपोस्ट, बैरियर एवं अन्य विविध कार्य ।	2.57	0.26	75+500 104= 679.00	दिनांक 22.10.2026 प्रातः 9.00 बजे तक	A, B C,D
5	चन्दौली	जनपद वाराणसी/चन्दौली मे दिनांक-22 ,24 व 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "एयर शो-2026" के अन्तर्गत वाहन पार्किंग हेतु मिट्टी भराई, समतलीकरण एवं पहुँच मार्ग के सुधार का कार्य ।	2.35	0.24	75+500 104= 679.00	दिनांक 22.10.2026 प्रातः 9.00 बजे तक	A, B C,D
6	चन्दौली	जनपद वाराणसी/चन्दौली मे दिनांक-22, 24 व 25 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "एयर शो-2026" के अन्तर्गत वी.आई.पी. दीर्घा में कुर्सी, सोफा, मैटिंग एवं अन्य विविध कार्य ।	8.25	0.83	75+500 104= 679.00	दिनांक 22.10.2026 प्रातः 9.00 बजे तक	A, B C,D

3. प्रत्येक कार्य की पूर्ण करने की समयावधि वर्षाकाल को सम्मिलित करते हुए कालम-7 में वर्णित है।
4. निविदा की वैधता निविदा खुलने की तिथि से 30 दिवस होगी एक बार प्रस्तुत की गयी निविदा वापस नही ली जा सकती है।
5. निविदा के साथ धरोहर धनराशि जैसा की कालम - 5 मे दर्शाया गया है को संलग्न करना अनिवार्य है।
6. राष्ट्रीय बचत पत्र / एफ.डी.आर. किसान विकास के रूप में अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, चन्दौली के नाम बन्धक होना चहिए।
7. निविदादाता को प्रत्येक निविदा प्रपत्र के साथ सारी सूचनाये निर्धारित प्रारूप (T-4, T-5, T-6) जमा करना अनिवार्य होगा ।
8. इस कार्य हेतु टी0-1 में अंकित समस्त शर्तें लागू होगी।

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., चन्दौली

कृष्टि परिषद के दुर्गोत्सव में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का संगम

महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने की माँ दुर्गा की आरती और सुख-समृद्धि की कामना

बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) परिसर स्थित कम्युनिटी हाल में कृष्टि परिषद के तत्वावधान में आयोजित दुर्गा पूजा समारोह में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का मनोहारी संगम देखने को मिला। समारोह में बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने सहभागिता कर माँ दुर्गा की विधिवत आरती की। साथ ही बरेका परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली, निरंतर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। भव्य रूप से सुसज्जित पूजा स्थल पर माँ दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना एवं आरती के दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठा। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य सदस्यों ने भी भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना में सहभागिता की। इस दौरान पर महाप्रबंधक श्री पंत ने समारोह के अंतर्गत आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उत्सव की गरिमा और उल्लास को और बढ़ा दिया। दुर्गा पूजा के माध्यम से भारतीय संस्कृति, पारंपरिक आस्था और सामाजिक समरसता की सुंदर झलक प्रस्तुत हुई। कृष्टि परिषद द्वारा आयोजित यह समारोह बरेका की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक है। पूजा-अर्चना एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उपस्थित लोगों ने भक्ति, उल्लास और परस्पर सद्भाव से परिपूर्ण वातावरण का अनुभव किया। न प्रबंधक श्री अमित सिकदर, श्री उदयन चटर्जी एवं श्री सुदीप चक्रवर्ती सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



बरेका में विजयदशमी पर्व की तैयारी पूरी

दहन के लिए रावण, मेघनाद और कुम्भकर्ण के विशालकाय पुतलोंको बरेका ग्राउंड में खड़ा किया गया

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयदशमी पर्व मनाने के लिए बरेका ग्राउंड में तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। दशहरा उत्सव को लेकर मैदान में उत्साह का माहौल है। रावण दहन के लिए रावण, मेघनाद और कुंभकरण के विशाल पुतलों को खड़ा कर दिया गया है। इन पुतलों के तैयार होने के साथ ही आयोजन स्थल पर दशहरे की रौनक नजर आने लगी है। बरेका ग्राउंड में हर वर्ष होने वाले दशहरा आयोजन को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बार भी रावण दहन को भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गयी हैं। मैदान में तीनों पुतलों को स्थापित कर आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। विजयदशमी के अवसर पर होने वाले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आयोजन स्थल के पूरे ग्राउंड में बैरिकेडिंग की गयी है, ताकि भीड़ को व्यवस्थित रखा जा सके और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लोगों के आवागमन को नियंत्रित करने की व्यवस्था की गयी है। रावण दहन से पहले बरेका ग्राउंड में रामायण पर आधारित लगभग चार घंटे के नाट्य रूपांतरण का मंचन भी किया जाता है। रविवार को रूपक के कलाकारों ने मंचन स्थलपर फाइनल रिहशल किया। इस मंचन के जरिए भगवान श्रीराम की कथा और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश प्रस्तुत किया जायेगा। बरेका ग्राउंड में तैयारियां पूरी होने के बाद दशहरा समारोह को लेकर लोगों में खासा उत्साह है।

एक नजर इधर भी

महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मांगा अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद

माता लक्ष्मी दुर्गा पूजा नवयुवक समिति नवापुरा के पंडाल में रविवार को अष्टमी तिथि पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के उपरांत पारंपरिक सिंदूरदान कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर विधि-विधान से सिंदूरदान की रस्म निभाई। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। पूर्व पार्षद किशोर सेठ ने कहा कि सिंदूरदान की यह परंपरा नारी शक्ति, सुहाग, प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक मानी जाती है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष रविशंकर सिंह, अरूण सिंह, शुभम पटेल, पप्पू यादव, प्रकाश सेठ सहित अन्य सदस्यों ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा व्यवस्था में लगे रहे।

तीन जगद्गुरुओं संग संतों ने शंकराचार्य का दर्शन कर किया विमर्श

ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री १००८ स्वामी श्री योगेश्वराचार्य पीठाधीश्वर अतुलेश्वर धाम इंद्रप्रस्थ,जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री १००८ स्वामी श्री अवधेशानंद जी महाराज पीठाधीश्वर ओम शांति धाम नई दिल्ली, जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री १००८ स्वामी श्री सारंगधराचार्य पीठाधीश्वर सारंग मंदिर प्रयाग, परम श्री वैष्णव स्वामी चंद्रप्रकाशाचार्य वैष्णव आश्रम मुंबई, धर्माचार्य ओम प्रकाश पांडेय एवं अनिरुद्ध रामानुज दास पंडित दिनेश शर्मा आदि संतों ने दर्शन, भेंट कर शंकराचार्य जी से आध्यात्मिक विषयों पर विमर्श कर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। संतों ने



शंकराचार्यजी को अंगवस्त्रमभगवान श्री जगन्नाथ जी का महाप्रसाद तथा डॉक्टर अंकिता द्वारा रचित सनातन शाश्वत नामक पुस्तक भेंट कर उनको सम्मानित किया। साथ ही श्रीविद्यामठ में उपस्थित सैकड़ों बटुको, विद्वानों तथा संतों को अंगवस्त्रम एवं भगवान श्री जगन्नाथ जी का महाप्रसाद प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूज्य शंकराचार्यजी ने संतों, भक्तों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि हम पद की शोभा बढ़ाने हेतु नहीं बल्कि धर्म की रक्षा हेतु शंकराचार्य बने हैं। हमारे धर्म की मूल गौमाता की हत्या होती रहे, धर्म की हानि होती रहे और मैं चुप रहूं, तो हमारे रहने का तात्पर्य क्या रह जायेगा? गौमाता एवं धर्म की रक्षा हेतु मैं हर संभव प्रयास करूंगा और इसके निमित्त जो भी बलिदान देना पड़े मै तैयार हूं। हमारे जीवन में देवताओं एवं गुरुओं का बहुत महत्व है लेकिन फिर भी हमारे घर में पहली रोटी गौमाता हेतु निकाला जाता है इसी से हम गौमाता के महत्व को आसानीपूर्वक समझ सकते हैं। जगद्गुरू रामानुजाचार्य श्री श्री १००८ स्वामी योगेश्वराचार्य महाराज ने कहा यदि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित नहीं किया गया, तो यह निश्चित रूप से सरकार के पतन का कारण बनेगा।

माँ राधिका इंटर कॉलेज में इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम के लिए ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगी सुविधा

पिंडरा। क्षेत्र के ओदार स्थित माँ राधिका इंटर कॉलेज में प्रांगण में इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम के निर्माण के लिए अष्टमी तिथि रविवार को विद्यालय की संस्थापिका राधिका पाठक एवं डॉक्टर विपिन पाठक के द्वारा भूमि पूजन किया गया। इस दौरान भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष (एनजीओ प्रकोष्ठ) डॉक्टर विपिन पाठक ने कहाकि स्टेडियम का निर्माण ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं को खेलकूद की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कॉलेज का उद्देश्य शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। इस इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट, लान टेनिस, कबड्डी समेत अनेक खेलों के लिए सुबिधाये ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मिलेगा। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

युवक पर जानलेवा हमला, आईसीयू में भर्ती, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सारनाथ। पहड़िया अशोका तिराहे के पास रविवार की सुबह एक युवक पर जानलेवा हमलाकर गंभीर रूप घायल कर दिया। घायल को तरना बाईपास स्थित (इनोविया अस्पताल) में भर्ती कराया गया है। घायल युवक के छोटे भाई अभिषेक ने बताया कि सुबह उनके बड़े भाई अनीश गौतम उसको बाइक से लेकर किसी काम से निकले थे। उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनके भाई को चोट लग गयी है। जब अभिषेक अपनी कार से पहड़िया में मैक्स शो रूम के पास पहुंचे, तो देखा कि उनके भाई को पास की एक गली में बेरहमी से पीटा जा रहा है। हमले में अनीश के सिर, पैर, हाथ, उंगलियों और कमर की हड्डी में गंभीर चोटें आयी हैं। अभिषेक ने बताया कि जब वे मौके पर पहुंचे, तो वहां मौजूद आरोपियों ने उन्हें भी घेर लिया यहीं अशोका इंस्टीट्यूट के पास के रहने वाले तीन युवकों पर नाम लेकर आरोप लगाया कि पंकज यादव, संदीप यादव और शिखर यादव ने मेरे भाई पर हमला कर उसे घायल कर दिया। शिखर यादव ने अभिषेक को जबरन पल्सर बाइक पर बैठाया और अशोका इंस्टीट्यूट के बगल वाली गली में ले जाकर उनके साथ भी मारपीट की। इसके अलावा, आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन और कार की चाबी भी छीन ली। अभिषेक ने थाने में इस घटना की तहरीर दी। वही थाना प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर मिला है चार नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर लिया गया है।

दुकान की आड़ में पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वाला गिरफ्तार

१० किलोग्राम पटाखे और सुतली बम बरामद

लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के हुकुलगंज में सब्जी की दुकान की आड़ में पटाखों का भंडारण और बिक्री करने के आरोप में पुलिस ने कल्लू सोनकर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब १० किलोग्राम पटाखे और सुतली बम बरामद किये हैं। इस मामले में लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को उपनिरीक्षक दिनेश सिंह पुलिस टीम के साथ पांडेयपुर चौराहे पर मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हुकुलगंज निवासी कल्लू सोनकर अपनी सब्जी की दुकान की आड़ में अवैध पटाखे रखकर बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने दैत्रावीर बाबा मंदिर के पास गली में स्थित दुकान पर दबिश दी। पुलिस को देखकर दुकान के पिछले हिस्से की ओर भाग रहे व्यक्ति को घेरकर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान कल्लू सोनकर पुत्र शिवनाथ सोनकर, निवासी हुकुलगंज के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को धारा २८७ बीएनएस और धारा ९(ख) विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, १८८४ के तहत गिरफ्तार किया है।

घर में घुसकर मारपीट, दंपति समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र की रजा कालोनी में घर में घुसकर मारपीट करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पीड़ित मुहम्मद अरसद की तहरीर पर पुलिस ने मुहम्मद अकरम उनकी पत्नी तरन्नुम जहां, दामाद तौसिक कुरैशी समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित के अनुसार, छह और सात सितंबर की दरमियानी रात डेढ़ बजे आरोपित उनके घर में घुस आये और मारपीट करने लगे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने पूर्व में दर्ज कराये गये मुकदमे को वापस लेने का दबाव बनाया। मुकदमा वापस नहीं लेने पर पीड़ित और उनके परिवार को जान से मारकर खत्म करने की धमकी दी गयी।

हनुमत चरित्र का भावपूर्ण वर्णन, हजारों श्रद्धालु हुए भावविभोर

बीएलडब्ल्यू में श्रीराम कथा के आठवां दिन

श्रीराम कथा के इस आठवें दिवस का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। हनुमत चरित्र के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में सेवा, सद्भाव और संस्कारों को बढ़ावा देने की प्रेरणा मिली। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका परम पूज्या देवी ऋचा मिश्रा ने भगवान श्री हनुमान जी के पावन चरित्र का अत्यंत सुंदर, भावपूर्ण एवं भक्तिमय वर्णन किया। कथा के दौरान हनुमान जी की प्रभु श्रीराम के प्रति अनन्य भक्ति, समर्पण, सेवा, शक्ति और निष्ठा के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा स्थल जय श्रीराम और बजरंगबली के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। परम पूज्या देवी ऋचा मिश्रा ने हनुमत चरित्र के माध्यम से श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि जीवन में सच्ची भक्ति, विनम्रता, सेवाभाव और प्रभु के प्रति अटूट विश्वास ही मनुष्य को श्रेष्ठ मार्ग पर अग्रसर करते हैं। भगवान हनुमान का जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति का वास्तविक स्वरूप सेवा, समर्पण और परोपकार में निहित है। कथा में हजारों की संख्या में सनातन धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर श्रीराम कथा का रसपान किया। पूरे कथा परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु भक्ति एवं आध्यात्मिक भावनाओं में लीन नजर आये। इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्रीराम जन्म चौबे, अभय ग्रुप आफ एजुकेशन के निदेशक श्री हरिहर चौबे, बी एल डब्ल्यू रेलवे के प्रमुख मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर सुनील, पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक श्री ए.के. सिंह, डाक्टर शंकर सिंह, वॉलीबाल संघ के संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश सर्वेश पाण्डेय एवं महामंत्री अनूप सिंह वत्स, मुकेश सिंह, गुड्डू शुक्ला, राकेश पाण्डेय, गौरव सिंह, धीरेंद्र सिंह मिडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का हो शीघ्र समाधान

उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ शाखा वाराणसी की आवश्यक बैठक श्री बद्री प्रसाद अध्यक्ष की अध्यक्षता में कम्पोजिट विद्यालय, कबीरचौरा वाराणसी के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन विनोद त्रिपाठी जिलामंत्री ने की। बैठक में पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए मुन्नू लाल रावत प्रांतीय संरक्षक महासंघ उत्तर पदेश ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी समस्याओं के समाधान कराने हेतु कई बार महासंघ शाखा वाराणसी का प्रतिनिधि मण्डल भूपेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, वाराणसी से मिला। किन्तु आश्वासन के शिवाय आज तक एक भी समस्याओं का समाधान नही किया गया। बल्कि संगठन के पदाधिकारियों को भ्रमित करने का कार्य किया जा रहा है जिसके कारण दिन-प्रतिदिन कर्मचारियों में आक्रोश की भावना जागृत होती जा रही है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी द्वारा शासन के आदेशों की उपेक्षा बरतने के कारण जिलाधिकारी तथा शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों से मिलकर कर्मचारियों के विरूद्ध चल रहे तानाशाही को अवगत कराया जायेगा। बैठक में सर्वश्री रेशम लाल, कार्यवाहक अध्यक्ष, शहजाद अहमद, गंगाराम, मनोज कुमार, विनोद त्रिपाठी, घनश्याम गुप्ता, दीनदयाल यादव, शिवलखन पासवान, माया देवी, रितु राव, आशा देवी, रेखा देवी, सरोज गिरि, प्रदीप कुमार, राधिका रंजन तिवारी, नरेन्द्र प्रताप, पंकज दुबे, राहुल कुमार, उपेन्द्र राय, आलोक शास्त्री, अवधेश गुप्ता, निशा रावत, चंचल मौर्य तथा अजय कुमार मिथिलेश श्रीवास्तव आदि कर्मचारी नेताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

बीडीए कालोनी में भव्य देवी जागरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आदर्श सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को बड़ा लालपुर स्थित बीडीए कालोनी में भव्य देवी जागरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। भक्तिमय भजनों और देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूरा परिसर 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में डाक्टर पूनम शर्मा एवं उनकी टीम ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तिमय वातावरण बना दिया। डाक्टर पूनम शर्मा ने 'यह बता दो, पूजा में कोई कमी तो नहीं' और 'बिगड़ी मेरी बना दे, ओ शेरावाली मैया' जैसे भजनों से मां भगवती की महिमा का गुणगान किया। गायिका सपना पांडेय ने 'शेरावाली आयेंगे, मेहरावाली आयेंगे' तथा 'निमिया के डार मैया नवेली झुलनवा' जैसे देवी गीत प्रस्तुत किये। वहीं, गायिका श्रद्धा तिवारी ने 'जागरण के लिए सारी रात जागी बेटियां' और 'भाग्यवान होती हैं बेटियां' जैसी प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया।इस पावन अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डाक्टर महेंद्र नाथ पांडेय, विधायक सुशील सिंह, राम प्रकाश दुबे एवं ब्लाक प्रमुख अजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा समिति के धार्मिक एवं सामाजिक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों में रघुवीर सिंह, सजल सिंह, रितेश, जनार्दन सिंह, अजय सिंह, दिलीप श्रीवास्तव, जेपी सिंह, विवेक नारायण, भैया लाल, अजय सक्सेना, विनीत गौड़, सुशील गुप्ता एवं अशोक राय सहित अन्य सदस्यों और क्षेत्रीय नागरिकों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर मां भगवती की महाआरती की गयी तथा श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

रोटरी क्लब सेंट्रल की कार्यशाला में एआई तकनीक के व्यावहारिक उपयोग पर जोर

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की ओर से रविवार को मलदहिया स्थित होटल हिंदुस्तान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दैनिक जीवन और व्यवसाय में उपयोग पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गयी। क्लब अध्यक्ष डाक्टर रितु गर्ग ने कहा कि एआई की सहायता से दैनिक कार्यों को सरल बनाकर व्यापार को अधिक प्रभावी और गतिशील बनाया जा सकता है। मुख्य वक्ता एआई प्रशिक्षक अजय कुमार पांडे ने तकनीक के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम के संचालक ज्ञानेंद्र उपाध्याय ने सदस्यों का स्वागत किया। माडरेटर अनिल के. जाजोदिया ने शिक्षा, सामाजिक गतिविधियों और



व्यवसाय में एआई की बढ़ती उपयोगिता बतायी। क्लब सचिव ललित गुप्त ने आगामी कार्यक्रमों और सेवा कार्यों की जानकारी दी। क्लब प्रशिक्षक मनोज जाजोदिया के साथ राकेश गुप्त, जगदीश झुनझुनवाला, एसके बजाज, श्याम सुंदर प्रसाद, सुभाष यादव, अशोक अग्रवाल, अशोक गुप्त, प्रदीप अग्रवाल, सुधांशु सक्सेना और सीपी सिंह सहित अन्य सदस्य एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। मीनाक्षी उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

काशी विद्यापीठः गोद लिए गांव रमना में जागरुकता रैली आयोजित

काशी विद्यापीठ समाजशास्त्र विभाग एवं मद्य निषेध विभाग, वराणसी क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव रमना में जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर अमिता सिंह ने कहा कि नशा जीवन को अंधकार के ओर ले जाता है, यह न केवल हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि हमारे परिवार की खुशिया भी छीन लेता है। नशे की लत से दूर रहे और अपने जीवन को स्वस्थ एवं खुशहाल बनाये। मुख्य अतिथि अतुल कुमार मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, लखनऊ ने कहा कि युवा किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति है, यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, रोजगार, खेल और राष्ट्र निर्माण मे योगदान दे तो देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस अवसर पर काशी विद्यापीठ ब्लाक प्रमुख प्रवेश पटेल, प्रोफेसर भारती रस्तोगी, डाक्टर राहुल गुप्ता, डॉक्टर जय प्रकाश यादव, रमना गांव के प्रधान पति अमित सिंह पटेल, डाक्टर दिनेश सिंह कुशवाहा, डाक्टर पीयूष कुमार श्रीवास्तव, डाक्टर संजय सोनकर, डाक्टर चन्द्रशेखर आदि उपस्थित रहे।

एक नजर इधर भी

एमएलसी चुनावः २३ अक्तूबर के मतदान के बाद स्ट्रांग रूम में सीलबंद होंगी मतपेटियां

२७ अक्टूबर को सुबह आठ बजे शुरू होगी मतगणना

वाराणसी खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में २३ अक्टूबर को मतदान के बाद सीलबंद मतपेटियों और निर्वाचन संबंधी अभिलेखों को पहड़िया मंडी स्थित दुकानों में बनाये गये स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जायेगा। सभी सीलबंद मतपेटियां और अभिलेख जमा होने के बाद रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर और प्रेक्षक की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम को सील किया जायेगा। पहड़िया मंडी स्थित स्ट्रांग रूम २७ अक्टूबर को सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होने से पहले रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर और प्रेक्षक की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोला जायेगा। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाये रखने के लिये दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्याशी अपने-अपने स्ट्रांग रूम पर मौजूद रहकर पूरी कारवाई देख सकेंगे।

छात्राओं ने किया महिषासुर वध का मंचन, दिया नारी शक्ति का संदेश

हरहुआ। शारदीय नवरात्रि पर बैजलपट्टी स्थित राजेश्वरी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्राओं ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों और महिषासुर वध का जीवंत मंचन कर बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। देवी गीतों से सभागार भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंध निदेशक एवं साहित्यकार डाक्टर राघवेन्द्र नारायण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति को अपनी क्षमता और आत्मसम्मान पहचानकर अन्याय एवं अत्याचार के विरुद्ध खड़ा होना चाहिए। नारी सशक्तीकरण के लिए आपसी सहयोग, जागरूकता और महिलाओं के अधिकारों का सम्मान आवश्यक है। कार्यक्रम में डाक्टर डीके तिवारी, ज्योति गुप्ता, सरोजा देवी, शालू गिरि, इकबाल अहमद और सुनीता त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन सुनीता कन्नौजिया ने किया। संयोजन ज्योति सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन उपनिदेशक अंशुमान सिंह ने किया।

शिक्षा और योग से संवरेगा बच्चों का भविष्य, प्रशिक्षण शुरू, शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर

हरहुआ। शिक्षा के साथ बच्चों को स्वस्थ और निरोग बनाने के उद्देश्य से आशा यस ए-वन फाउंडेशन ने हरहुआ, काजीसराय-दासेपुर क्षेत्र में नि:शुल्क योग प्रशिक्षण की शुरुआत की। रविवार को प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। संस्था की ओर से पिछले कई महीनों से चलाये जा रहे नि:शुल्क शिक्षा महाअभियान में अब योग को भी शामिल किया गया है। फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने बताया कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के साथ बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। नियमित योगाभ्यास से बच्चों की एकाग्रता, शारीरिक क्षमता और मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है। शिक्षा के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाना भी जरूरी है। योग प्रशिक्षक नरेंद्र यादव ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से बच्चों के शारीरिक लचीलेपन, मांसपेशियों की मजबूती, धैर्य और आत्मविश्वास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। योग बच्चों में अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित करने में भी सहायक है। उन्होंने सभी से नियमित योग अपनाने की अपील करते हुए कहा, योग करें, निरोग रहें। इस अवसर पर शिक्षिका हरविंदर कौर, निशा देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सफाई के साथ विसर्जन स्थल पर हो प्रकाश की व्यवस्था-एसडीएम पिंडरा

पिंडरा तहसील क्षेत्र में १५० से अधिक पंडालों में स्थापित मूर्ति विसर्जन प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गयी है। जिसके लिए रविवार को एसडीएम पिंडरा सदलबल विसर्जन के लिए चिन्हित तालाबो एवं पहुंच मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस के बल के साथ पिंडरा, फूलपुर, जमापुर, बसनी, कुआर एवं कठिराव समेत मूर्ति विसर्जन के लिए चिन्हित स्थानों का निरीक्षण कर सम्बंधित अधिकारियों एवं ग्राम प्रधानों को साफ-सफाई करने के साथ मूर्ति विसर्जन स्थल तक पहुंचने के लिए रास्ते को ठीक करने एवं चुना छिड़काव के साथ ही पर्याप्त मात्रा में प्रकाश की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस बार बारिश के चलते तालाब लबालब भरे हुए हैं। जिससे सावधानी बरतनी होगी। इस बाबत एसडीएम पिंडरा कुन्दनराज कपूर ने बताया कि फूलपुर थाना क्षेत्र में ६३, सिंधोरा में २४ व बड़ागांव में ६८ मूर्ति अधिकृत रूप से स्थापित है। उन्हें शासन के गाइड लाइन के अनुसार चिन्हित तालाबों में विर्सजित कराना प्राथमिकता होगी।

अंतरराष्ट्रीय शोध उपलब्धि पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर बृजेश कुमार का हुआ भव्य सम्मान

एस०एस०पी०जी० मण्डलीय अस्पताल को वाटर कूलर समर्पित



शिव प्रसाद गुप्त (एस०एस०पी०जी०) मण्डलीय चिकित्सालय में शनिवार को जनसेवा और सामाजिक सरोकार की प्रेरणादायी पहल देखने को मिली। अस्पताल में उपचार के लिये आने वाले मरीजों, उनके परिजनों एवं तीमारदारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक्टर शिव सुंदर गांगुली, कृष्ण कुमार यादव एडवोकेट, प्रमोद यादव के संयुक्त सहयोग से वाटर कूलर स्थापित कर जनहित में समर्पित किया गया। वाटर कूलर के समर्पण अवसर पर डाक्टर एस०एस० गांगुली ने कहा कि समाज के सक्षम और जागरूक नागरिकों को समय-समय पर आगे आकर जनहित के कार्यो में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर मण्डलीय चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर बृजेश कुमार की अंतरराष्ट्रीय शोध उपलब्धि पर उनका सम्मान भी किया गया। उनके शोध पत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल डाक्टर बृजेश कुमार के लिए, बल्कि चिकित्सा जगत और वाराणसी के लिये भी गौरव का विषय है। उनके शोध कार्य से चिकित्सा क्षेत्र में नयी संभावनाओं को बल मिला है।

लक्ष्मण को शक्तिबाण लगते ही छलके राम के आंसू, संजीवनी लेकर पहुंचे हनुमान

चौबेपुर। श्री रामलीला समिति चौबेपुर के तत्वावधान में चल रही रामलीला में रविवार की रात लक्ष्मण शक्ति लीला का मार्मिक मंचन किया गया। लक्ष्मण के शक्तिबाण लगने और मूर्छित होकर रणभूमि में गिरने का दृश्य देखकर दर्शक भावुक हो उठे। भगवान राम का भाई के वियोग में विलाप और हनुमान जी का संजीवनी बूटी लेकर लौटना लीला का प्रमुख आकर्षण रहा। मंचन के दौरान भगवान राम ने सुग्रीव और जामवंत के साथ मंत्रणा कर वानर सेना को लंका पर चढ़ाई का आदेश दिया। वानर सेना के लंका पहुंचने की सूचना पर रावण ने पुत्र मेघनाद को सेना के साथ युद्ध के लिए भेजा। मेघनाद वानर सेना पर भारी पड़ने लगा। इसके बाद भगवान राम के आदेश पर लक्ष्मण युद्धभूमि में पहुंचे। लक्ष्मण और मेघनाद के बीच घमासान युद्ध हुआ। मेघनाद के अस्त्र-शस्त्र निष्फल होने पर उसने अमोघ शक्तिबाण का प्रयोग किया। शक्तिबाण लगते ही लक्ष्मण मूर्छित होकर रणभूमि में गिर पड़े। यह दृश्य देखकर राम व्याकुल हो उठे। हनुमान जी लक्ष्मण को उठाकर रामादल में लाये तो भाई की हालत देखकर भगवान राम का करुण विलाप देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गयीं। इस दौरान देव चतुर्वेदी, आदर्श चौबे, एडवोकेट कालिका प्रसाद जायसवाल, समिति अध्यक्ष श्याम मोहन गुप्ता 'बबलू', प्रदीप सेठ 'राजू सोनी', राहुल सेठ, भूपेंद्र गुप्ता, कटरू सेठ, बबलू सेठ, पिंटू सेठ, अजय जायसवाल, गणेशु सेठ समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

क्षय मुक्त काशी – निरोग काशी
क्षय रोग (TB) के लक्षण
समुचित आहार लेने पर भी शरीर का वजन कम होना। * भूख न लगना, अरुचि होना। * दो हफ्तों से अधिक समय तक खाँसी का ठीक न होना। * गहरी सांस लेने, खाँसने, छींक या हँसी आदि से छाती में चुभन सा दर्द। * थोड़ा श्रम करने से भी हाँफना। * हल्का बुखार जो बना रहे। * मुख से बलगम के साथ रक्त आना। * गले में गाँठ का तीन सप्ताह से अधिक समय तक बने रहना।
क्षय रोग उन्मूलन हेतु
सामाजिक संस्था संकल्प द्वारा 26 वर्षों से अनवरत चलने वाला शिविर/अभियान
क्षय मुक्त काश

अस्थायी राहत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पने बहुत ही सोच समझकर विदेश मंत्री मार्को रूबियोकी भारत यात्रासे ठीक पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशोंपर सौ प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगानेकी घोषणा को फिलहाल टाल दिया है। इससे भारतको अवश्य राहत मिली है लेकिन इसे अस्थायी राहत ही समझना ज्यादे उपयुक्त होगा। ट्रम्प की इस घोषणाको व्यापक सन्दर्भोंमें देखने और समझनेकी जरूरत है। इसमें सावधानी भी बरतनेकी आवश्यकता है। इस फैसलेका जितना आर्थिक महत्व है, उतना ही कूटनीतिक और रणनीतिक महत्व भी है। एक बात और महत्वपूर्ण है कि यह भारतको स्थायी रूपसे १०० प्रतिशत टैरिफ से मुक्त करने वाला फैसला नहीं है। ट्रम्पने सम्बन्धित कानूनके तहत शुल्क और प्रतिबंधोंको फिलहाल टाला है। अर्थात भविष्यमें परिस्थितियां बदलनेपर इन्हें पुन: लागू करनेका विकल्प अमेरिकी राष्ट्रपतिके पास बना हुआ है। इसे अस्थायी राहत माननेके पीछे कारण हैं। लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एण्ड ईरान ऐक्टके तहत रूस से बड़े पैमानेपर ऊर्जा खरीदने वाले देशोंपर १०० प्रतिशत तक टैरिफ लगानेका अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपतिको मिला है। भारत और चीन इसके प्रमुख निशाने पर थे। ट्रम्पने इस प्रावधानको लागू करनेसे फिलहाल रोक लगा दी है। इसलिए इस कदमको स्थगन कहना अधिक उचित होगा, न कि स्थायी समाप्ति। भारतके लिए इसका सीधा अर्थ है कि सौ प्रतिशत टैरिफका खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। रूबियोकी भारत यात्रासे पहले ट्रम्पका फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूबियो १७ से २२ अक्तूबर तक भारत यात्रामें मुम्बई और जामनगर उनके महत्वपूर्ण पड़ाव है तथा ऊर्जा सहयोग और भारत अमेरिकी सम्बन्धोंपर महत्वपूर्ण चर्चाएं भी होंगी। ऐसेमें टैरिफ खतरेको रोकनेसे बातचीतका वातावरण कुछ बेहतर बनेगा। भारत और अमेरिकाके बीच व्यापार समझौतेपर लम्बे समयसे बातचीत चल रही है। इसे गति देनेकी दिशामें ट्रम्पकी घोषणा काफी सहायक साबित हो सकती है। भारतको सौ प्रतिशत टैरिफ रोकनेसे लाभ अवश्य मिलेगा। फिलहाल बड़ा जोखिम टल गया है। ऊर्जा सुरक्षाके साथ ही रुपये और व्यापार दबावमें कमी भी आयेगी। भारतको पूरी तरह से निश्चिंत नहीं होना चाहिए क्योंकि टैरिफका खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। भारतको आगेके लिए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। इस दृष्टिसे भारतको राहत, अवसर और सावधानी तीनोंपर ध्यान देना होगा। भारतकी कूटनीतिकी अगली परीक्षा भविष्यमें होगी।

प्रशासनिक विफलता

यह अत्यन्त दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है कि शारदीय नौरात्रिकी अष्टमीकी पूर्व संध्यापर पश्चिम बंगालके एक सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडालमें मची भगदड़में १९ श्रद्धालुओंकी जान चली गयी। कोलकाताके चोरबागान दुर्गा पूजा पंडालमें शनिवारको भगदड़ मचने से १९ लोगोंकी मौत हो गयी और २५ लोग घायल हो गये। इनमें एक की हालत गम्भीर बतायी जा रही है। मृतकोंमें चार पुरुष, १३ महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। घायलोंको एसएसकेएम अस्पताल रेफर किया गया है। इस हादसेके सन्दर्भमें पुलिसने आयोजक समेत १४ लोगोंको हिरासतमें लिया है। यह हादसा व्यवस्थामें चूक और जिला प्रशासनकी विफलताका परिणाम है। हादसेके दौरान पंडालमें अंधेरा था, बाहर निकलनेके रास्ते सकरे थे और बारिशके कारण भीड़ और भी बढ़ गयी थी। सप्तमीपर मां के दर्शनके लिए पहले से ही बड़ी संख्यामें श्रद्धालु पहुंचे थे। बारिशसे बचनेके लिए लोग पंडालके अन्दर जमा होने लगे। भीड़का दबाव बढ़नेसे बाहर निकलनेके दरवाजेका एक हिस्सा टूट गया और सुरक्षाकर्मी ने लोगोंसे पंडालसे बाहर निकलनेका अनाउंस कर दिया जिससे भगदड़ मच गयी। लोग एक दूसरेपर गिरते-पड़ते निकलने लगे जिससे इतना बड़ा हादसा हुआ। खास बात यह है कि इस दर्दनाक हादसेके दो दिन पहले ही इस पंडालको पश्चिम बंगाल सरकारने 'देवी दुर्गा सम्मान २०२६' से सम्मानित किया था। इसे 'बेस्ट आफ बेस्ट' कैटेगरीमें चुना गया था। हादसेके बाद पूजा अनिश्चित कालके लिए रोक दी गयी। इस घटनापर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक संतप्त परिजनोंके प्रति गहन संवेदना व्यक्त की है। प्रधान मंत्री ने मृतकोंके स्वजनको दो-दो लाख रुपये और घायलोंको ५०-५० हजार रुपये देनेकी घोषणा की है। वहीं मुख्य मंत्री शुभेन्दु अधिकारीने बंगाल सरकार की ओर से जान गंवाने वाले प्रत्येक के स्वजन को २५-२५ लाख रुपये और परिवारके एक व्यक्तिको नौकरी देनेका ऐलान किया है। इस दौरान हादसेको लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जो उचित नहीं है। हर मामलेको राजनीतिके चश्मेसे नहीं देखा जा सकता है।

लोक संवाद

रातमें धरतीपर आयेगी सूर्यकी रोशनी

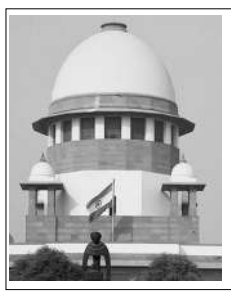
महोदय,-कल्पना कीजिए कि रातके घने अंधेरेमें भी धरतीके किसी खास हिस्सेपर सूरजकी रोशनी पहुंचायी जा सके। अमेरिकी स्टार्टअप कंपनी रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल इसी विचारको हकीकतमें बदलनेकी तैयारी कर रही है। कंपनी अंतरिक्षमें विशाल दर्पणोंसे लैस उपग्रह स्थापित कर मांगके अनुसार धरतीपर रोशनी पहुंचाना चाहती है। इसके लिए उसने भारतकी निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेसके साथ समझौता किया है। समझौतेके तहत कंपनीके दो उपग्रह स्काईरूटके प्रक्षेपण यानोंके जरिये अंतरिक्षमें भेजे जायंगे। पहला उपग्रह विक्रम-१ रॉकेटसे और दूसरा निर्माणाधीन विक्रम-१ यू प्रक्षेपण यानसे भेजनेकी योजना है। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल ऐसे उपग्रहोंका समूह तैयार कर रही है, जिनके दर्पण सूर्यकी रोशनीको परावर्तित करके धरतीके चुने हुए हिस्सोंतक पहुंचा सकेंगे। कंपनीका लक्ष्य एक समयमें लगभग पांच किलोमीटर क्षेत्रमें जरूरतके मुताबिक रोशनी उपलब्ध कराना है। कंपनीके अनुसार इस रोशनीकी तीव्रता घटायी-बढ़ायी जा सकेगी और आवश्यकता नहीं होनेपर इसे बंद भी किया जा सकेगा। इस तकनीकका इस्तेमाल आपदा प्रभावित क्षेत्रोंमें रातके समय खोज और बचाव अभियान चलाने, दूरदराजके औद्योगिक इलाकोंमें कामकाज जारी रखने तथा महत्वपूर्ण स्थलोंको रोशन करनेके लिए किया जा सकता है। कंपनीका दावा है कि इससे सौर ऊर्जा संयंत्रोंमें बिजली उत्पादनकी अवधि बढ़ानेकी संभावनाएं भी खुल सकती हैं। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेसके साथ हुए समझौतेके तहत दो अलग-अलग प्रक्षेपण यानोंका इस्तेमाल किया जायगा। विक्रम-१यू में पहले चरणके अतिरिक्त बूस्टर लगाये गये हैं और इसकी क्षमता पहलेसे बेहतर बतायी गयी है। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटलने अपने बयानमें कहा कि अमेरिकामें पहलेसे तय अन्य प्रक्षेपण अभियानोंके साथ ये दोनों प्रक्षेपण उसे निर्धारित समयसीमामें काम करने और अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध करानेमें मदद करेंगे। स्काईरूटके मुख्य कार्यकारी अधिकारीने एक्सपर इस साझेदारीको लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि कंपनी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकीके अनूठे इस्तेमालसे धरतीपर नयी संभावनाएं खोलनेके प्रयासमें रिफ्लेक्ट ऑर्बिटलका साथ देनेके लिए उत्साहित है। कंपनीको जुलाईमें अमेरिकी संघीय संचार आयोगसे एक प्रोटोटाइप उपग्रह बनाने, उसे अंतरिक्षमें भेजने और संचालित करनेकी मंजूरी मिली थी। कंपनीके सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेन नोवाकके अनुसार अंतरिक्ष यानके संचालनके लिए भी लाइसेंस मिल चुका है। अंतरिक्षसे धरतीपर सूर्यकी रोशनी पहुंचानेका विचार नया नहीं है। वर्ष १९९३ में रूसी वैज्ञानिकों और इंजीनियरोंने अंतरिक्षकी कक्षामें लगभग ६५ फुट चौड़ा दर्पण स्थापित कर धरतीपर सूर्यकी रोशनीकी एक किरण पहुंचायी थी। जनामया नामका यह प्रयोग सफल रहा था, लेकिन धनकी कमीके कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटलकी योजनाको लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। कई पर्यावरण संघटनोंने एफसीसीसे प्रोटोटाइप उपग्रहको दी गयी मंजूरी रद करनेकी मांग की है। पर्यावरणविदोंकी चिन्ता है कि रातके समय अंतरिक्षसे आने वाली कृत्रिम रोशनी वन्यजीवोंके प्राकृतिक व्यवहार और जीवनचक्रको प्रभावित कर सकती है। इससे खगोलीय अध्ययनोंमें बाधा आने और मनुष्योंकी प्राकृतिक जैविक घड़ीपर असर पड़नेकी आशंका भी जतायी गयी है। **-आर.पी. सिंह, वाया ईमेल।**

सुप्रीम कोर्टके निष्पक्ष फैसले

लोकतंत्रकी मजबूतीका वास्तविक प्रमाण केवल चुनावोंका नियमित आयोजन, संसदमें बहुमत अथवा राजनीतिक दलोंकी लोकप्रियता नहीं है, बल्कि संविधानके सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिककी स्थिति समान हो। जब आरक्षण और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न विमर्शके केन्द्रमें आते हैं, तब सुप्रीम कोर्टकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

❐ ललित गर्ग

न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ताके प्रभावसे मुक्त रहकर न्यायका मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षणकी पात्रता और धर्मान्तरणसे जुड़े विवादोंसे लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालयकी गरिमातक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षाकी कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नोंपर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्षके प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदायके प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधानकी भावना और न्यायके व्यापक उद्देश्यको केन्द्रमें रखें। अनुसूचित जातियोंके लिए आरक्षण भारतीय संविधानकी उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओंमें है, जिनका उद्देश्य सदियोंसे चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभावके दुष्परिणामोंको दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षामें कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध करानेकी व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्यायके विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादीको लम्बे समयतक समान अवसरोंसे वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मान्तरणके संबंधमें होने वाली बहसको भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपोंके बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओंके आधारपर समझना चाहिए।



आज देशको ऐसी न्यायिक सक्रियताकी आवश्यकता है, जो अन्यायके सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्रके प्रति सजग भी रहे, नागरिकोंके अधिकारोंकी रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहोंसे अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओंकी गरिमा बनाये रखे, लेकिन उनकी जवाबदेहीको भी सुनिश्चित करे। न्याय वह विश्वास है, जो नागरिकको यह भरोसा देता है कि उसकी आवाज सुनी जायगी, उसके अधिकारोंका निष्पक्ष परीक्षण होगा और शक्तिशाली व्यक्ति या संस्था भी कानूनसे ऊपर नहीं होगी। सुप्रीम कोर्टकी शक्ति तभी सिद्ध होगी, जब उसका प्रत्येक निर्णय राजनीतिक शोरसे ऊपर विवेक और विधिक निष्पक्षताका उदाहरण बने।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मान्तरण करनेपर उन्हें आरक्षणका लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालयमें चुनौती देना और अपने राज्यमें इस प्रकारकी सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनानेके बाद भी आरक्षणका लाभ मिलता रहे, वास्तवमें सनातन संस्कृतिके आरक्षित वर्गोंके हितोंको कमजोर करने वाला और धर्मान्तरणको परोक्ष रूपसे बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संघटन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभावका अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्गके लोगोंको अपने पंथमें आनेके बाद भी आरक्षणका लाभ मिलनेकी पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकारके दोहरे लाभ और प्रलोभनोंके कारण न केवल धर्मान्तरणकी प्रवृत्तिको बल मिलता है, बल्कि हिन्दू समाजको इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मान्तरित लोग आरक्षणके साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जेके लाभोंका भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपटसे होने वाले धर्मान्तरणके विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमनेका नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रताके नामपर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गम्भीर विषयपर केन्द्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठायें, ताकि इस दुरुपयोगको रोका जा सके।

इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्यमें सर्वोच्च न्यायालयका चुनावी प्रक्रियासे जुड़े विवादोंपर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। १२ अक्तूबर २०२६ को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओंने मतदाता सूचियोंके विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च न्यायालयकी ओर मार्च किया, इसपर सुप्रीम कोर्टका सख्त रवैया भी सराहनीय है। भले ही विपक्ष ने मतदाता सूचीमें कथित अनियमितताओं, मतदाताओंके नाम हटाये जाने और निर्वाचन प्रक्रियाकी पारदर्शितापर सवाल उठाये, इन आरोपोंकी सत्यताका निर्धारण न्यायिक परीक्षण और संबंधित अभिलेखोंके आधारपर होना चाहिए, लोकतंत्रमें चुनाव केवल सरकार चुननेका माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिकको अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करनेका संवैधानिक अवसर है। इसलिए मतदाता सूचीकी शुद्धता और विश्वसनीयता किसी एक दलका नहीं, पूरे लोकतंत्रका प्रश्न है, लेकिन सुप्रीम कोर्टतक मार्च करना एक गलत परम्पराका सूत्रपात है।

१५ अक्तूबरको सर्वोच्च न्यायालयने विपक्षी नेताओंकी याचिकापर निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशीसे जवाब मांगा। इससे स्पष्ट होता है कि निर्वाचन आयोग जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाके निर्णय भी न्यायिक समीक्षाके दायरेमें आ सकते हैं। आयोगकी स्वतंत्रताका अर्थ यह नहीं कि उसके प्रत्येक निर्णयको प्रश्नोंसे परे मान लिया जाय। इसी प्रकार किसी निर्णयसे असहमति अपने आपमें यह प्रमाणित नहीं करती कि आयोगने अनुचित कार्य किया है। न्यायिक समीक्षाका उद्देश्य आरोपों और तथ्योंके बीच अंतर स्पष्ट करना, निर्णय प्रक्रियाकी वैधानिकता जांचना तथा नागरिकोंके अधिकारोंकी रक्षा करना है। इसी घटनाक्रममें सर्वोच्च न्यायालयने १२ अक्तूबरके मार्चको लेकर राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य संबंधित नेताओंसे भी जवाब मांगा। न्यायालयकी चिन्ता यह थी कि राजनीतिक प्रदर्शनके माध्यमसे न्यायपालिकापर दबाव बनानेकी स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इस प्रसंगका मूल्यांकन करते समय यह समझना आवश्यक है कि शांतिपूर्ण विरोध, राजनीतिक असहमति और न्यायालयकी गरिमा-तीनों लोकतंत्रके महत्वपूर्ण पक्ष हैं। विपक्षको सरकार और निर्वाचन आयोगसे प्रश्न पूछनेका अधिकार है, लेकिन न्यायिक संस्थाओंकी स्वतंत्रताका सम्मान करना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। दूसरी ओर, न्यायालयकी गरिमाकी रक्षाके नामपर वैध आलोचना और शांतिपूर्ण असहमतिके अधिकारको सीमित नहीं किया जाना चाहिए। नोटिस जारी होना किसीको दोषी घोषित करना नहीं, बल्कि उसका पक्ष जाननेकी न्यायिक प्रक्रियाका हिस्सा है।

यही वह बिन्दु है जहां न्यायिक सक्रियता और न्यायिक संयमके बीच संतुलनका प्रश्न सामने आता है। यदि न्यायपालिका सामाजिक अन्याय, प्रशासनिक मनमानी अथवा संवैधानिक अधिकारोंके उल्लंघनपर मौन रहे तो आम नागरिकका न्याय व्यवस्थासे विश्वास कमजोर हो सकता है। लेकिन यदि न्यायपालिका प्रत्येक राजनीतिक विवादमें स्वयंको निर्णायक नीति-निर्माताकी भूमिकामें रखे तो शक्तियोंके पृथक्करणका सिद्धांत प्रभावित हो सकता है। लोकतंत्रकी संस्थाएं एक-दूसरेकी प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरेको संवैधानिक मर्यादाओंमें रखने वाली व्यवस्थाएं हैं। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका यह सुनिश्चित करती है कि कानून तथा उनका क्रियान्वयन संविधानकी सीमाओंके भीतर हों। इन तीनोंके बीच स्वस्थ संतुलन ही लोकतांत्रिक स्थिरताकी आधारशिला है। सर्वोच्च न्यायालयकी प्रतिष्ठा उसके आदेशोंकी कठोरतासे अधिक उसकी निष्पक्षता, स्वतंत्रता और तर्कपूर्ण निर्णयोंसे निर्मित होती है। आज देशको ऐसी न्यायिक सक्रियताकी आवश्यकता है, जो अन्यायके सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्रके प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकोंके अधिकारोंकी रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहोंसे अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओंकी गरिमा बनाये रखे, लेकिन उनकी जवाबदेहीको भी सुनिश्चित करे। न्याय वह विश्वास है, जो नागरिकको यह भरोसा देता है कि उसकी आवाज सुनी जायगी, उसके अधिकारोंका निष्पक्ष परीक्षण होगा और शक्तिशाली व्यक्ति या संस्था भी कानूनसे ऊपर नहीं होगी। सर्वोच्च न्यायालयकी वास्तविक शक्ति तभी सिद्ध होगी, जब उसका प्रत्येक निर्णय राजनीतिक शोरसे ऊपर उठकर संवैधानिक विवेक, सामाजिक संवेदनशीलता और विधिक निष्पक्षताका उदाहरण बने।

शक्ति प्रदान करतीं मां जगतजननी

शारदीय नवरात्रमें मां भगवतीकी उपासनाके साथ बेटियोंमें आत्मविश्वास, सजगता और संतुलित प्रगतिशील सोच विकसित करना जरूरी है। यह आदिशक्तिके प्रेरणादायी गुणोंसे जोड़नेका मौका भी है।

❐ डा. मोनिका शर्मा

शारदीय नवरात्रमें हर परिवार अपनी बेटीमें मानसिक मजबूती, वैचारिक चेतना, आत्मसम्मानका भाव और सही-गलतकी समझ पैदा करे। आधुनिकता और प्रगतिशीलताका अर्थ विवेकपूर्ण सोच तथा सामाजिक जिम्मेदारियोंके प्रति सजग रहना है। हमारे घरोंमें बेटियोंको शक्तिस्वरूपा मानकर पूजा जाता है। मां आदिशक्तिका ही रूप माना जाता है। देवीका मान दिया जाता है। ईश्वरीय आस्थाका यूं मानवीय धरातलपर जुड़ा होना सुखद है, परन्तु बेटियोंको मां शक्तिसे जुड़े प्रेरणादायी पहलुओंसे मिलवाना भी जरूरी है। मौजूदा दौरमें मातृशक्तिके पूजन-अर्चनकी सार्थकता यह भी है कि मांके पौराणिक चरित्रसे बेटियां प्रेरणा लें। छोटी उम्रसे घरकी लाड़लियोंमें मनको सशक्त और मस्तिष्कको सार्थक दिशा देनेकी समझ पोसना जरूरी है। यह कटु सच है कि बर्बर आपराधिक घटनाओंसे लेकर रिश्ते-नातोंके टूटनकी नकारात्मक योजनाओंतक बेटियोंकी भागीदारी भी दिखने लगी है। यह दिशाहीनता पूरे समाजको चकित करने वाली है। हर परिवारको चिंतित करती है। शिक्षित, ऊर्जावान युवतियां भी कहीं स्वयं दिशाहीन हो रही हैं तो कहीं दूसरोंके बहकावेमें आकर नकारात्मक मार्ग पकड़ रही हैं। मौसमी बदलावका यह समय बेटियोंकी अपनी चेतनाको जगाने का भी है। आस्था मनको साधनेका काम है तो क्यों न बेटियोंको समग्र संसारकी पालक मां भगवतीके गुणोंसे मिलवायें। शक्तिसम्पन्न होते हुए भी विनाश नहीं सृजनका मार्ग चुनने वाली माता आदिशक्तिसे जुड़ी हर बात मन, जीवन, परिवार या समग्र परिवेश आत्मशक्तिसे बलपर सब कुछ सहेजना ही सिखाती है।

आदिशक्तिके हर रूपकी गाथा और गुण भावनात्मक धरातलपर सशक्त बननेका पाठ पढ़ाते हैं। आस्थाके भाव संग अंतर्मनकी शक्ति साधनेके उत्सवीय दिन हर बहकावेसे बचनेका संदेश देते हैं। आये दिन होने वाले वाकये बताते हैं कि बेटियोंको हर तरहके भ्रमजालसे बचनेकी सीख देना आवश्यक है। ऐसेमें किसी भी तरहके शोषणके जालमें न फंसनेकी सजगताका पाठ पूरा परिवार पढ़ाये। मनकी चेतना जगाने वाले इन दिनोंमें आदिशक्तिकी उपासना करनेके साथ ही अपनी बेटियोंसे संवाद भी करें। सामयिक घटनाओंपर बात हो। देशकी बेटियोंकी उपलब्धियोंकी चर्चा की जाये। सार्थक संवादके माध्यमसे बेटियोंको मां दुर्गाके उस रूपसे मिलवायें जो भारतीय स्त्रीके चेतनामय स्वरूपका प्रतीक है। जो असहाय नहीं, बल्कि मातृशक्तिके रूपमें पोषककी भूमिकामें पूजनीय है। स्वजनोंको यह समझना होगा कि भावनात्मक रूपसे मजबूत बनकर ही घरकी लाड़लियां मानमर्दन और शोषणके खेलको समय रहते पहचान सकती हैं। बुराइयोंका प्रतिकार कर सकती हैं। अपने विरुद्ध होने वाले हर अत्याचारको लेकर आवाज बुलंद करनेका बल जुटा सकती हैं। बचपनसे ही अन्याय और अनीतिका प्रतिकार करनेकी सजग सोच पाती हैं। हर तरहकी दिशाहीनतासे बचकर अपने सम्मान और स्वाभिमानकी रक्षक बननेके लिए मनकी मजबूती सबसे अहम है।

मां दुर्गाका हर रूप भारतीय स्त्रीके दमकते चेहरेका प्रतीक है। मातृशक्तिके रूपमें पोषक और चेतनामयी रूपमें सजगता और जागरूकताका प्रतिबिम्ब। शक्ति-सम्पन्न होनेके बावजूद बिखरने-उजाड़नेका भाव दूर-दूरतक नहीं। समग्र सृष्टिका विनाश करनेकी शक्ति रखने वाली भगवतीका एक पालकके रूपमें ममतामय स्वरूप ही हमारे मनमें बसा है। दुष्टोंके संहारके लिए कालीका रूप धरने वाली देवी दुर्गाने परिस्थितिके अनुसार भी कई रूप धरे हैं। जरूरी है कि बेटियां मां भगवतीसे प्रेरणा लेकर अपनी ऊर्जाको सही दिशामें लगाना सीखें। मौजूदा दौरमें प्रगतिशील होनेके नामपर स्वयं अपनी ही हानि करने वाली गतिविधियोंमें शामिल होनेका भी चलन है। इसीलिए जागरूक और सजग रहना आवश्यक है। आधुनिक होना मानवीय अनुभूतियोंसे दूर होना नहीं होता। याद रहे कि ज्ञान और विवेककी अधिष्ठात्री मां सरस्वती भी आदिशक्तिका ही एक रूप हैं। चेतना-सम्पन्न हो अपने दमपर जीनेका भाव ही प्रगतिशील होना है। हर बदलावमें बेहतरी ढूंढ़नेकी सोच ही आधुनिक होना है। बेटियोंको समझना होगा कि सबल व्यक्तित्वके लिए समझकी पक्की बुनियाद आवश्यक है। परिवर्तनके सकारात्मक पक्षोंको अपनाना जीवनमें संतुलन बनाये रखता है। ऐसी सधी सोचसे निडर होकर चुनौतियोंका सामना करनेकी शक्ति मिलती है। पूरा परिवेश ही जीवंत एवं चेतनामयी आभासे दमकता सा। मां भगवतीकी उपासनाके इन दिनोंमें बेटियोंको समझायें कि जीवनमें मौसम बदलते रहते हैं। नयापन भी आता है। पारिवारिक रिश्ते हों या व्यक्तिगत जीवन, इस नयेपनको पुराना आधार ही थामता है। संतुलित समझका यह मेल प्रगतिशील होना है।

शारदीय नवरात्र, मां दुर्गाकी आराधना और मौसमके नयेपनके उल्लासका उत्सव है। नव संवत्सरकी शुरुआत और मौसमी बदलावके इस पड़ावपर धरतीका हर हिस्सा चेतनामयी लगता है। शक्तिको साधनेका यह उत्सव हर किसीके मन जीवनको नयी ऊर्जा, नया उत्साह देता है। मांकी आराधना करते हुए हर परिवार अपनी बेटियोंके लिए वैचारिक चेतनाकी आशीष मांगे। लाड़लियोंका सजग व्यक्तित्व गढ़नेकी सोचे। उनकी सोच और समझके दायरेको विस्तार दे। जहां भी मौका मिले उनमें सार्थक और सकारात्मक पहल करनेका भाव भरें। घर-दफ्तरकी जिम्मेदारियोंको पूरा करनेके साथ ही अपने सामाजिक दायित्वोंके प्रति भी सजग रहना सिखायें। यह वैचारिक सजगता बेटियोंके व्यक्तित्वको पूर्णता देते हुए जीवनसे हर भयको दूर करने वाली तो है ही, नयी शक्तिका संचार करने वाली भी है। वैचारिक चेतनाके अभावमें व्यावहारिक धरातलपर बेटियां सशक्त नहीं बन सकतीं। तकनीकसे घिरे आजके जीवनमें बहुत-सी घटनाएं बताती हैं कि मनकी सजगताके अभावमें बेटियां भी सही फैसले लेनेमें चूक रही हैं। सम्बन्धोंके निर्वहनमें पीछे रह जाती हैं। आधुनिक होनेके भ्रममें अनगिनत उलझनोंमें उलझती जाती हैं। शक्तिस्वरूपा मांके पूजन-वंदनका यह अवसर वैचारिक शक्तिके संतुलनको साधनेका पर्व भी है। बेटियोंको न तो खुदको किसीसे कम आंकना है और न अहंकारके भावसे भर जाना है। जिन्दगीके हर मोर्चेपर सशक्त भागीदारी निभानेके लिए बेटियोंको वैचारिक मोर्चेपर भी सजग रहना ही होगा।



जीवनका आधार

❐ जग्गी वासुदेव

जीवनके बहुतसे पहलूमें जन्म, बचपन,जवानी और बुढ़ापा है। प्रेम, कोमलता, मिठास और कड़वाहट भी है। सफलताकी खुशी है, कुछ पानेका संतोष है, दर्द भी है और आनन्द भी। यदि आपने अपने मनको बोधके एक ठीक स्तरपर रखा है तो ये सब बातें आपकी समझमें आ सकती हैं। परन्तु जीवनको समझाने वाला जो सबसे महत्वपूर्ण पहलू है मृत्यु, वह किसी भी मनकी पकड़के बाहर है चाहे आप अपने आपको कितना ही बुद्धिमान, होशियार या बड़ा बुद्धिजीवी मानते हों। क्योंकि हम मरणशील हैं, मरने वाले हैं, इसीलिए जीवन उस तरहसे चल रहा है जैसे वह चल रहा है। यदि हम मरने वाले नहीं होते तो न कोई बचपन होता, न जवानी और न बुढ़ापा। तब हम ये सवाल भी न उठा पाते कि जन्म क्या होता है। मृत्यु जीवनका आधार है। यदि आप मृत्युको नहीं समझते तो अभी जीवनको नहीं जान सकेंगे, न ही उसे संभाल पायंगे क्योंकि जीवन और मृत्यु सांस लेने और छोड़नेकी तरह हैं। वे बिना अलग हुए साथ-साथ रहते हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया तभी शुरू होती है जब आप मृत्युका सामना करते हैं या तो खुदकी या फिर किसी ऐसे व्यक्तिकी जो आपको प्रिय है और जिसके बिना जीनेकी बात आप नहीं सोच सकते। जब मृत्यु आ रही हो या हो गयी हो, तब ही अधिकतर लोगोंके मनमें ये सवाल आता है, ये सब क्या है और इसके बाद क्या होगा। जबतक केवल जीवन ही सत्य लगता है तबतक आपको यह विश्वास नहीं होता कि ये बस ऐसे ही खत्म होने वाला है। जब मृत्यु पास आ जाती है, तभी मन ये सोचना शुरू करता है कि कुछ और भी है, जो इससे ज्यादा है। परन्तु मन चाहे कितना भी सोच ले, ये वास्तवमें जानता कुछ नहीं है क्योंकि मन सिर्फ उसी डेटाके आधारपर काम करता है जो वो पहलेसे इकट्ठा कर चुका है। मनका मृत्युके साथ कोई वास्ता नहीं पड़ा है तो वह मृत्युके बारेमें नहीं जानता, क्योंकि इसके पास उसके बारेमें कोई आधारभूत जानकारी नहीं है, सिर्फ कुछ गप्पबाजी है। आपने ऐसी गप्पें सुनी होंगी कि कैसे जब आप मर जायंगे तो आप जाकर भगवानकी गोदमें बैठेंगे। यदि ऐसा है तो आज ही मर जाना चाहिए। आपने स्वर्ग और नरकके बारेमें सुना होंगा। परन्तु कोई पक्की जानकारी नहीं है। ये सोचनेमें समय बर्बाद मत कीजिए कि मृत्युके बाद क्या होता है, क्योंकि वह आपके मनकी सीमाके बाहर की बात है। जाननेका एक ही तरीका है और वह प्रज्ञाकी मददसे है, जैसा हम इसे भारतीय भाषाओंमें कहते हैं यानी कि जागरूकता।

बहुधर्मी भारतमें साझा संस्कृतिकी खूबसूरती

❐ विश्वनाथ सचदेव

पश्चिम बंगालकी राजधानी कोलकाताके मुस्लिमबहुल क्षेत्रका नाम है अलीमुद्दीन स्ट्रीट। मुस्लिमबहुल इलाकेमें सालोंसे दुर्गापूजा की तैयारियां इसी जोश-खरोशके साथ होती थीं। फिर मनमुटावकी कुछ घटनाएं हुईं और पूजाका यह क्रम टूट गया था। पांच साल पहले फिर शुरू हो गया और अब यह जोश साल-दर-साल बढ़ता ही दिख रहा है। विशेषता यह भी है कि तैयारियोंमें आगे बढ़कर हाथ बंटाने वालोंमें ज्यादातर युवा मुसलमान हैं। यहां पूजा पूरे विधि-विधानसे होती है और हिंदू-मुसलमान मिलकर करते हैं! साझा संस्कृतिका यह दृश्य कोलकाताके इसी मोहल्लेमें नहीं दिख रहा। आस-पासके इलाकोंमें न जाने कबसे यह परम्परा चली आ रही है। दुर्गापूजाके अवसरपर पूरे बंगालमें ऐसे दृश्य दिख जाते हैं। हल्दियामें मां दुर्गाकी प्रतिमा बनाने वालोंमें मुस्लिम कारीगर सबसे आगे हैं और यह काम पूरी श्रद्धाके साथ होता है। हिन्दू पड़ोसियोंके साथ मिल-जुलकर अल्पना सजाती मुस्लिम महिलाएं दिख जाना तो एक आम बात है। मुर्शिदाबादमें तो मां दुर्गाकी पूजाकी शुरुआत ही मुस्लिम परिवारके चढ

नयी इस्पात नीति से चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा



नयी दिल्ली। प्रस्तावित राष्ट्रीय इस्पात नीति से चक्रीय अर्थव्यवस्था और देश में मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। इस्पात उद्योग से जुड़े हितधारकों ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि इस नीति में भारतीय इस्पात उद्योग द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने पर भी जोर दिया गया है। आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पंकज मल्हन ने कहा कि मसौदा नीति में पुरानी रिफ्रैक्टरी सामग्री को दोबारा काम में लाने और कच्चे माल के तौर पर मैग्नेसाइट की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी गई है। यह कदम मजबूत और प्रतिस्पर्धी इस्पात उद्योग परिवेश विकसित करने के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है। बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक हर्ष बंसल ने कहा कि नीति में इस्पात उद्योग के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने कहा कि इसमें मूल्यवर्धित और इस्पात परत वाले उत्पादन पर जोर देने के साथ द्वितीयक इस्पात उत्पादकों को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान दिया गया है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार राजीव मैत्रा ने कहा कि नीति में चार चरणों के माध्यम से वर्ष 2047 तक इस्पात क्षेत्र की औसत कार्बन उत्सर्जन तीव्रता को 2.54 टन कार्बन डाइऑक्साइड प्रति टन कच्चे इस्पात से घटाकर लगभग 1.54 टन करने की परिकल्पना की गई है। कामधेनु समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सतीश कुमार अग्रवाल ने कहा कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण, विशेष इस्पात और कार्बन उत्सर्जन में कमी पर जोर देने से देश में एकीकृत इस्पात उत्पादकों तथा द्वितीयक इस्पात विनिर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे। सरकार ने कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता को वर्ष 2047 तक बढ़ाकर 60.4 करोड़ टन करने, उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और आयात से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से नई इस्पात नीति का मसौदा जारी किया है।

डीएलएफ का आवासीय बिक्री, बेहतर मार्जिन और किराये से आय वृद्धि पर जोर- त्यागी

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड लक्जरी आवासों की मजबूत अग्रिम बिक्री, बेहतर लाभ मार्जिन और वाणिज्यिक संपत्तियों से किराये की आय बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अशोक त्यागी ने शनिवार को यह बात कही। त्यागी ने बाजार विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा कि कोरोना महामारी के बाद शुरू की गई आवासीय परियोजनाओं के अगले कुछ वर्षों में पूरा होने पर कंपनी का राजस्व उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद कंपनी अपने खातों में उनसे होने वाली आय दर्ज कर सकेगी। उन्होंने कहा, हमारे कारोबार को आगे बढ़ाने वाले तीन प्रमुख कारक हैं- चुनिंदा आवासीय उत्पादों की मजबूत अग्रिम बिक्री, नकदी और लाभ मार्जिन में अच्छी वृद्धि तथा किराये से होने वाली आय के कारोबार में वृद्धि। त्यागी ने भरोसा जताया कि कंपनी इन तीनों प्रमुख कारकों के आधार पर वृद्धि हासिल करने में सफल रहेगी। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 4,457 करोड़ रुपए की संपत्तियों की बिक्री की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 20,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है। डीएलएफ के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) बादल बागड़ी ने कहा कि कंपनी ने सितंबर तिमाही में एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन कंपनी की संपत्तियों की गुणवत्ता, योजनाबद्ध तरीके से परियोजनाओं को पूरा करने, ब्रांड की मजबूती और विकास परियोजनाओं तथा नियमित आय देने वाले कारोबार में पूंजी के विवेकपूर्ण आवंटन को दर्शाता है।

नेस्ले इण्डिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर पर एफएसएसएआई का बड़ा एक्शन, भ्रामक दावों को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी

नयी दिल्ली। देश में खाद्य सुरक्षा पर नज़र रखने वाली संस्था स्नस्ड्ढ (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) ने कड़ा रुख अपनाते हुए दिग्गज कंपनियों नेस्ले इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई भ्रामक दावों और सरकारी नियमों की अनदेखी करने पर की गई है। इसके साथ ही, खाद्य सुरक्षा से जुड़े गंभीर नियमों को तोड़ने पर %सुखदर्शन फार्मा% और बालाजी फूड प्रोडक्ट्स के लाइसेंस तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में नियामक ने बताया कि हिंदुस्तान यूनिलीवर अपने प्रसिद्ध हेल्थ ड्रिंक्स- हॉर्लिक्स विमेंस प्लस (चॉकलेट) और %हॉर्लिक्स मदर्स प्लस (केसर) -के प्रचार में ऐसे दावे कर रही थी जो उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं। कंपनी ने इन प्रोडक्ट्स में हड्डियों को मजबूत बनाने, नवजात शिशु के सही वजन और नो एडेड शुगर जैसे बड़े-बड़े दावे किए थे। एफएसएसएआई की जांच में ये सभी दावे या तो भ्रामक पाए गए या फिर खाद्य सुरक्षा के तय पैमानों पर खरे नहीं उतरे। अथॉरिटी ने कंपनी से एक तय समय-सीमा के भीतर इस पर जवाब मांगा है। दूसरी ओर, नेस्ले इंडिया और दो अन्य डेयरी उत्पादक कंपनियों को नेस्कैफे रेडी-टू-ड्रिंक कॉफी की लेबलिंग और इंटरनेट पर दिए गए विवरण में गड़बड़ी के चलते नोटिस थमाया गया है। जांच में पाया गया कि प्रोडक्ट के डिब्बे पर लिखी जानकारी और सरकार के पास दर्ज उसकी कैटेगरी आपस में मेल नहीं खा रही थीं।इतना ही नहीं, नेस्ले के एक अन्य प्रोडक्ट रिसोर्स रीनल वैनिला फ्लेवर पाउडर को लेकर भी नोटिस जारी हुआ है।

दैनिक मंडी समीक्षा

नयी दिल्ली। फ्लोर मिलों की मांग कमजोर होने से गेहूं 10/15 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। जबकि मोटे अनाजों में मांग बढ़ने से मक्की-बाजरा व ज्वार के भाव 50/200 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। जबकि दाल मिलों की मांग कमजोर होने से मसूर के भाव 100/150 रुपये प्रति क्विंटल घट गए। आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से राजमा की कीमतों में 300 रुपये क्विंटल की तेजी रही। खाद्य तेलों में आपूर्ति कमजोर होने से राइसब्रान ऑयल, बिनौला तेल के भाव 20/50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। जबकि उठाव न होने से सरसों तेल में 50 रुपये की नरमी रही। ऊंचे भाव पर मांग कमजोर होने से चीनी 100 रुपये प्रति क्विंटल दब गई। जबकि आवक कमजोर होने से गुड़ व शक्कर की कीमतों में मजबूती का रुख रहा। किराना जिंसों में मांग बढ़ने से धनिया, जीरा, हल्दी के भाव 200/900 रुपये प्रति क्विंटल तेज हो गए। हाजिर में माल की कमी के कारण मगजतरबूज की कीमतों में 15 रुपये की सुर्खी रही। मेवों में घटे भाव पर ग्राहकी निकलने से बादाम गिरी कैलिफोर्निया के भाव 25 रुपये प्रति किलो बढ़ गए।

अनाज-दाल

फ्लोर मिलों की मांग कमजोर होने से गेहूं 10/15 रुपये मुलायम होकर मिल डिलीवरी 3060/3065 रुपये तथा चक्की पहुंच के भाव 3070/3075 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। ग्राहकी निकलने से ज्वार 100/200 रुपये तेज होकर पीली 3000/3100 रुपये तथा सफेद 3900/4100 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। मोटे अनाजों में बिकवाली कमजोर होने से मक्की 50 रुपये बढ़कर 2700/2825 रुपये तथा बाजरा 50/75 रुपये बढ़कर 2600/2625 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दाल मिलों की मांग कमजोर होने से मोटी मसूर 150 रुपये घटकर 6050/6075 रुपये तथा छोटी 8200/9400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। इसके विपरीत दाल मिलों की मांग बढ़ने से अरहर रंगून 50 रुपये बढ़कर 9950/9960 रुपये प्रति क्विंटल



हो गई। आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से राजमा के भाव 300 रुपये बढ़कर ब्राजील इंडियन 12800/13100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

तेल-तिलहन

रिफाइंड वालों की मांग बढ़ने तथा आपूर्ति कमजोर होने से बिनौला तेल 50 रुपये बढ़कर 15250 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। राइसब्रान ऑयल भी बिकवाली घटने से 20 रुपये बढ़कर 12870 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। जबकि ऊंचे भाव पर मांग कमजोर होने से सरसों तेल 50 रुपये घटकर 17900 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। विदेशों में सीपीओ के भाव 1245 डॉलर प्रति टन बोले जाने तथा आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से कांदला में क्रूड पॉम ऑयल के भाव 12000 रुपये प्रति क्विंटल पर सुस्त रहे। जबकि औद्योगिक मांग निकलने तथा बिकवाली कमजोर होने से अखाद्य तेलों की कीमतों में स्थिरता रही।

गुड़-चीनी

ऊंचे भाव पर ग्राहकी का समर्थन न मिलने तथा रीसेलरों की बिकवाली आने से चीनी 100 रुपये मुलायम होकर 6000/6200 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। महाराष्ट्र में भी नया सीजन शुरू होने के कारण बिकवाली बढ़ने से चीनी के भाव 100 रुपये घटकर एस-ग्रेड 5192/5292 तथा एम-ग्रेड के भाव 5342/5452 रुपये प्रति क्विंटल रह गये। उत्तर प्रदेश की मंडियों से नए मालों की आवक न बढ़ने तथा ग्राहकी निकलने से गुड़ पेड़ी के भाव 5900/6000 रुपये तथा ढैया के भाव 6100/6200 रुपये प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे।

किराना-मेवे

स्टाकिस्टों की लिवाली बढ़ने से हल्दी 800/900 रुपये बढ़कर ईरोड 22700/22800 रुपये तथा सेलम फली के भाव 23600/28600 रुपये प्रति क्विंटल के उच्च स्तर पर पहुंच गए। धनिया भी बिकवाली कमजोर होने से 200 रुपये बढ़कर बादामी 17800/18100 रुपये तथा ग्रीन माल के भाव 19100/21200 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। पूछपरख बढ़ने से सौंफ के भाव 200/300 रुपये बढ़कर 14900/28200 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। मगजतरबूज भी हाजिर में माल की कमी के कारण 15 रुपये बढ़कर 680/685 रुपये प्रति किलो हो गया। निचले स्तर पर आयातकों की बिकवाली घटने तथा मांग निकलने से बादाम गिरी कैलिफोर्निया 25 रुपये बढ़कर 1025/1125 रुपये प्रति किलो हो गई।

सर्राफा

विदेशों के मंदे समाचार आने तथा मांग कमजोर होने से सोने के भाव 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तथा चांदी के भाव 1500 रुपये प्रति किलो घट गए। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव 20 डॉलर घटकर 4165 डॉलर प्रति ओंस रह जाने तथा मांग कमजोर होने से सोना 800 रुपये गिरकर किलोबार 150000 रुपये तथा स्टैंडर्ड 150750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। विदेशों में चांदी के भाव भी 70 सेंट घटकर 5700 सेंट प्रति ओंस रह जाने से चांदी हाजिर 1500 रुपये गिरकर 216500 रुपये प्रति किलो रह गई। स्टोरिया लिवाली घटने से चांदी वायदे में मंदे का रुख रहा।

अदालत का फैसला, बजट भाषण आईडीबीआई बैंक विनिवेश में नीति के क्रमिक विकास को दर्शाते हैं- मंत्रालय

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम, 2003 का विधायी इतिहास, दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले और लगातार आम बजट भाषण से आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की दिशा में सरकार की नीति के क्रमिक विकास का पता चलता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस सप्ताह की शुरुआत में कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को लगभग 53,000 करोड़ रुपए में आईडीबीआई बैंक की 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दी थी। यह सौदा भारत के वित्तीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश और देश के बैंकिंग निजीकरण अभियान में एक बड़ा मील का पत्थर है। आईडीबीआई बैंक में सरकारी हिस्सेदारी घटाने से संबंधित विधायी घटनाक्रमों पर एक स्पष्टीकरण में मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर, 2018 को फैसला सुनाया था कि आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम, 2003 में आईडीबीआई बैंक लिमिटेड में सरकार की हिस्सेदारी कम करने पर कोई रोक नहीं है। उल्लेखनीय है कि आम बजट 2003 की चर्चाओं और आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम, 2003 पर संसदीय बहस के दौरान सरकार ने एक संशोधन पेश किया था, जिसमें सरकारी हिस्सेदारी में कमी को सीमित करने की बात कही गई थी। हालांकि, यह संशोधन खारिज हो गया था और लागू कानून का हिस्सा नहीं बन सका था। इसके बाद, दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया आईडीबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन बनाम भारत संघ तथा अन्य मामले में 17 दिसंबर, 2018 को फैसला सुनाया कि आईडीबीआई निरसन अधिनियम, 2003 की भाषा में कोई अस्पष्टता नहीं है और उक्त अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान जोड़ने की कोई गुंजाइश नहीं है जो सरकार को आईडीबीआई लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी कम करने या बेचने से रोकता हो। संसद में लगातार पेश किए गए बजट भाषणों में भी आईडीबीआई बैंक के कायाकल्प और रणनीतिक विनिवेश को लेकर सरकार की नीति को दोहराया गया था। वित्त वर्ष 2016-17 के आम बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि आईडीबीआई बैंक के कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

अमेरिकी पाबंदियों से छूट के बाद भारत जारी रखेगा रूसी तेल का आयात

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर एक नए कानून के तहत अनिवार्य प्रतिबंधों और शुल्कों से छूट दिए जाने के बाद विश्लेषकों का मानना है कि भारत मौजूदा स्तर के करीब ही रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ट्रंप ने %लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट% के तहत लगाए जाने वाले प्रतिबंधों, पाबंदियों और शुल्कों से छूट देते हुए शुक्रवार देर रात एक कार्यकारी आदेश जारी किया। यह कदम कानून लागू करने की 30 दिवसीय समयसीमा खत्म होने से ठीक एक दिन पहले उठाया गया। उन्होंने इस कानून पर 18 सितंबर को हस्ताक्षर किए थे। यह छूट केवल भारत के लिए नहीं है और इससे चीन को भी लाभ मिल सकता है। यह आदेश प्रशासन को बाद में इस पर पुनर्विचार करने का अधिकार भी देता है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाले आंकड़ों से पता चलता है कि भारत इस साल औसतन 18 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) के साथ समुद्री मार्ग से रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक रहा है, जो चीन (12 लाख बीपीडी) से अधिक है। इटली, तुर्किये और नीदरलैंड शीर्ष पांच देशों में शामिल हैं। ऊर्जा शोध संस्था केपलर को उम्मीद है कि अक्टूबर में आयात 18-19 लाख बीपीडी के आसपास बना रहेगा। हालांकि, यह मात्रा साल के मध्य के उच्चतम स्तरों से काफी कम है। भारतीय आयात जून में 26 लाख बीपीडी और जुलाई में 25.7 लाख बीपीडी के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। विश्लेषकों का कहना है कि इस छूट के साथ तेल रिफाइनरी कंपनियों द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखने की संभावना है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की मुख्य अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा कि इस विधेयक के तहत भारत को 100 प्रतिशत तक के संभावित शुल्कों का सामना करना पड़ रहा था, क्योंकि वह रूसी तेल के शीर्ष पांच वैश्विक खरीदारों में शामिल है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0, वाराणसी
(Email ID-secirclevaranasi@gmail.com)

पत्रांकः- 4919/183काम-वा0वृत्त/2026-27 दिनांकः12.10.2026

ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, वाराणसी वृत्त लो0नि0वि0, वाराणसी उ0प्र0, के अन्तर्गत प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, चन्दौली में निम्न सारणी के कॉलम-11 के अनुसार **मार्ग श्रेणी** के पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से प्रतिशत दरों में निम्नांकित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा मूल्य (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्यकारी अधि0 अभि0 कार्यालय का पता	अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय का पता	मुख्य अभियन्ता कार्यालय का पता	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
रवीकृति की प्रत्याशा में										
विधान-सभा पं0 दीन दयाल उपाध्याय नगर (मुगलसराय)										
1	चन्दौली	जनपद चन्दौली में स्थित चन्दाइल ग्राम से डीएम्आरएसएस इन्डस्ट्रीयल एरिया पार्क के पहुच मार्ग का चार लेन में निर्माण कार्य।	186.00	11.30	Rs. 2714.00 (Including GST)	10 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 चन्दौली	वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0 वाराणसी	वाराणसी क्षेत्र, लो0नि0वि0 वाराणसी	A, B
2	चन्दौली	विकास खण्ड रामर के ग्राम सभा खुरहूजा में बड़ुवी चन्दौली मार्ग से नए सरकार के त्रुटिया से छोते हुए जसवंत सिंह के खेत तक।	91.00	6.55	Rs. 2714.00 (Including GST)	06 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 चन्दौली	वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0 वाराणसी	वाराणसी क्षेत्र, लो0नि0वि0 वाराणसी	A, B

बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://tender.up.nic.in पर दिनांक 21.10.2026 अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 28.10.2026 अपरान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 28.10.2026 को समय 12:00 बजे अपरान्ह तक अपलोड किये जा सकते है, इसकी तकनीकी बिड दिनांक 28.10.2026 को समय 12:30 बजे, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0, वाराणसी में ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाएं प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विस्तृत विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
(प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगाई गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जाँच कर ली गयी है, जो सही है।)

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
चन्दौली

(प्रवीण कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0,
वाराणसी

उ.प्र.:-258639 दिनांक-17.10.2026 वेबसाईटः- **www.upgov.nic.in** पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0, वाराणसी
(Email ID-secirclevaranasi@gmail.com)

पत्रांकः- 4964/183काम-वा0वृत्त/2026-27 दिनांकः 13.10.2026

ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, वाराणसी वृत्त लो0नि0वि0, वाराणसी उ0प्र0, के अन्तर्गत प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, चन्दौली में निम्न सारणी के कॉलम-11 के अनुसार मार्ग श्रेणी के पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से प्रतिशत दरों में निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा मूल्य (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्यकारी अधि0 अभि0 कार्यालय का पता	अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय का पता	मुख्य अभियन्ता कार्यालय का पता	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
स्वीकृति की प्रत्याशा में										
विधानसभा चन्दौली										
1	चन्दौली	उकनी यादव बस्ती से दूदौली राजभर बस्ती सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	69.50	5.48	Rs. 2714.00 (Including GST)	06 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 चन्दौली	वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0 वाराणसी	वाराणसी क्षेत्र, लो0नि0वि0 वाराणसी	A, B,C

बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://tender.up.nic.in पर दिनांक 21.10.2026 अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 28.10.2026 अपरान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 28.10.2026 को समय 12:00 बजे अपरान्ह तक अपलोड किये जा सकते है, इसकी तकनीकी बिड दिनांक 28.10.2026 को समय 12:30 बजे, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0, वाराणसी में ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाएं प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विस्तृत विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
(प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगाई गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जाँच कर ली गयी है, जो सही है।)

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
चन्दौली

(प्रवीण कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
वाराणसी वृत्त, लो0नि0वि0,
वाराणसी

उ.प्र.:-258638 दिनांक-17.10.2026 वेबसाईटः- **www.upgov.nic.in** पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-जौनपुर
E-mail:- eeredjaunpur@gmail.com

निविदा पत्र सं.:- 1633/ग्रा.अ.वि./निविदा/2026-27 दिनांकः- 26.09.2026

मैनुअल निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखड-जौनपुर में निम्न कार्यों हेतु विभाग में पंजीकृत पात्र ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी, एक अथवा समस्त कार्यों हेतु निविदा डाल सकते हैं। निविदा पात्रता हेतु एस0बी0सी0डी0 ठेकेदारों को आई0टी0बी0 के प्रस्तर 4 में अंकित पात्रता मानक को ध्यान में रखने की सलाह दी जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी सहित)	कार्य पूर्ण करने की तिथि	अधिशाषी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विधान सभा शाहगंज वि0नि0 योजना के 05 कार्य (2026-27)									
01	जौनपुर	विकासखण्ड सुइथाकला अन्तर्गत ग्राम पंचायत बिरेली में शशि तिवारी के घर से यज्ञ नारायण तिवारी के घर तक इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण कार्य 160 मी०	8.898	0.44490	225+500+ 131= 856	03 माह	विकास भवन जौनपुर	परिमडण्ल कार्यालय वाराणसी	कलेक्ट्रेट जौनपुर
02	जौनपुर	विकासखण्ड सुइथाकला अन्तर्गत ग्राम पंचायत लालापुर में दयाराम यादव की गौशाला से पारस यादव के घर तक सी०सी०रोड का निर्माण कार्य 90 मी०	6.618	0.33090	225+500+ 131= 856	03 माह	विकास भवन जौनपुर	परिमडण्ल कार्यालय वाराणसी	कलेक्ट्रेट जौनपुर
03	जौनपुर	विकासखण्ड सुइथाकला अन्तर्गत ग्राम पंचायत ईशापुर में अहियाई सम्पर्क मार्ग से ब्रहमचारी दूबे के घर होते हुए डावर ताक इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण कार्य 150 मी०	7.016	0.35080	225+500+ 131= 856	03 माह	विकास भवन जौनपुर	परिमडण्ल कार्यालय वाराणसी	कलेक्ट्रेट जौनपुर
04	जौनपुर	विकासखण्ड खुटहन अन्तर्गत ग्राम पंचायत रसूलपुर पाल बस्ती में रामधारी पाल के घर से बलिरामअनिल गौतम के घर तक इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण कार्य 180 मी०	8.310	0.41550	225+500+ 131= 856	03 माह	विकास भवन जौनपुर	परिमडण्ल कार्यालय वाराणसी	कलेक्ट्रेट जौनपुर
05	जौनपुर	विकासखण्ड खुटहन अन्तर्गत ग्राम पंचायत शाहबुद्दीनपुर उमरीली में मेन रोड से लालमणि के घर तक इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण कार्य 100 मी०	5.900	0.29500	225+500+ 131= 856	03 माह	विकास भवन जौनपुर	परिमडण्ल कार्यालय वाराणसी	कलेक्ट्रेट जौनपुर

06 प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने की समयावधि वर्षा ऋतु को शांमिल करते हुए कालम सं0 5 में वर्णित है।
07 निविदा की वैधता निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि से 90 दिवस होगी। एक बार प्रस्तुत की गयी निविदा वापस नहीं ली जा सकती।
08 कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र (Bidding documents) सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, के कार्यालय के कार्यालय से जैसा कि कालम 8 में पता अंकित है, से किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 22.10.2026 से 06.11.2026 तक पूर्वान्ह 11:00 बजे से गध्यान्ह 4:00 बजे के गध्य (अवकाश दिवस को छोड़कर) कालम संख्या 5 में अंकित धनराशि के अनुसार नकद या किसी भी शिड्यूल कामर्शियल बैंक का बैंक ड्राफ्ट, जो अधिशासी अभियन्ता, ग्रामी अभियन्त्रा विभाग, प्रखड-जौनपुर के पक्ष में जौनपुर में, भुगतान हेतु देकर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र बेबसाइट से डाउनलोड की अवस्था में ड्राइंग सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता कार्यालय से जैसा कि कालम सं0 8 में दर्शाया गया है, से सम्बन्धित कार्य हेतु प्राप्त की जा सकती है।
09 निविदायें अधिशासी अभियन्ता, ग्रामी अभियन्त्रा विभाग प्रखड-जौनपुर के कार्यालय, जौनपुर के कार्यालय जिनका पता कालम सं0 8 में अंकित है, को दिनांक 07.11.2026 को 10:00 बजे पूर्वान्ह से दोपहर 12:00 बजे तक डाली जाएगी। निविदायें उसी कार्यदिवस अर्थात दिनांक 07.11.2026 को विकास भवन जौनपुर पंचम तल स्थित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में समय दोपहर 02:00 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी । निविदा प्राप्ति अथवा खोलने की तिथि पर यदि कार्यालय बन्द रहता है तो निविदायें अगले कार्यकारी दिवस में निर्धारित समय व स्थान पर प्राप्त व खोली जायेगी तथा निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जाएगी। शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी, जो टी-1 के साथ संलग्न रहेगा।
10 अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कारण बताये एक/किसी/समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

Email: eeredjaunpur@gmail.com
Mob 9801208240

उ.प्र.:- 258469
दिनांकः- 16.10.2026

(नीरज कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-जौनपुर
(महामहिम राज्यपाल उ.प्र. की तरफ से)
वेबसाईटः- **www.upgov.nic.in** पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., चन्दौली
(pwdchandauli.cd@gmail.com)

पत्रांकः- 2300/4ए./26-27 दिनांकः- 13.10.2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में 'ए' श्रेणी में रोड साइनेज श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करनें नियमों से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0)	धरोहर धनराशि लाख रू0	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह)	अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय का पता
1	2	3	4	5	6	7	8
	जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना (विधान सभा चकिया)-						
1	चन्दौली	अहरौरा चकिया इलिया मार्ग। (सैदूपुर, चकिया, शिकारगंज, अमरा, अहरौरा, इलिया) पर रोड सेफ्टी का कार्य।	19.89	1.99	944.00 (Including GST)	03 माह	निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, चन्दौली
2	चन्दौली	लेवा-इलिया मार्ग। (लेवा, उतरौत, तियरा, शहाबगंज, कलानी, इलिया बाजार) पर रोड सेफ्टी का कार्य।	10.51	1.05	856.00 (Including GST)	03 माह	निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, चन्दौली

- बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गई दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।
- शासनादेश सं0-879(1)/23-7-2020, दिनांक-25.08.2020 में निहित प्राविधानानुसार प्रहरी एप्लीकेशन पर वांछित प्रपत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा।
- निविदा की

ओबीसी समाज के नेतृत्व की जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा-इंद्रभूषण कुशवाहा

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने ओबीसी मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील



कज्जाकपुरा भदऊं स्थित कुशवाहा लान में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबीसी मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद और संघटन के विश्वास से उन्हें पिछड़ा वर्ग का नेतृत्व करने की जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं और ओबीसी समाज के लोगों के साथ सदैव खड़े हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इंद्रभूषण कुशवाहा ने कहा कि वर्तमान में स्नातक एमएलसी एवं शिक्षक एमएलसी के चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में ओबीसी समाज के मतदाताओं से अपील है कि वे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को प्रथम वरीयता का मत देकर विजयी बनायें। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यकताओं के लिए जब भी उनकी जरूरत होगी, वह हर संभव सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनके घर के दरवाजे समाज के सभी लोगों के लिए सदैव खुले हैं और वह स्वयं भी हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहेंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम में पहुंचे क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। रामजनम कुशवाहा, शोभनाथ मौर्य, हरिश्चंद्र मौर्य, मुकेश कुशवाहा, केवल कुशवाहा और रमाशंकर सिंह ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया। वहीं अनिल मौर्य, संदीप मौर्य और सुशील कुशवाहा ने अंगवस्त्र भेंट किया। पार्षद विवेक कुशवाहा एवं दिलीप कुशवाहा ने स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद शिव प्रकाश मौर्य ने किया। इस अवसर पर सर्वश्री अंकित मौर्य, सुनील कुशवाहा, पुरुसोत्तम मौर्य, प्यारेलाल मौर्य, सिद्धार्थ साहनी, विजय मौर्य, महेंद्र कुशवाहा, मनोज मौर्य, आनंद कुशवाहा, संजय कुशवाहा, अनिल मौर्य, राजकुमार कुशवाहा, दीपक कुशवाहा, अविनाश मौर्य सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सनातन धर्म में नारी का स्थान सर्वोच्च-डाक्टर नीलकंठ तिवारी

शहर दक्षिणी विधायक व पूर्व मंत्री डाक्टर नीलकंठ तिवारी ने विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्र के पावन पर्व की अष्टमी तिथि पर पिपलानी कटरा स्थित सरोजा पैलेस में मातृशक्ति अभिनंदन व फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मातृशक्ति अभिनन्दन कार्यक्रम में विधायक डाक्टर नीलकंठ तिवारी ने उपस्थित मातृशक्ति का अभिनंदन पुष्पवर्षा से किया, तत्पश्चात २ हजार से अधिक मातृशक्ति को चुनरी ओढ़ाकर उपहार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने नवरात्रि के उपलक्ष्य में फलाहार ग्रहण किया। इस अवसर डाक्टर नीलकंठ तिवारी ने कहा कि नारी का सनातन धर्म में सर्वोच्च स्थान है। नारी सृजन की देवी है। सनातन धर्म में सीता-राम, राधा-कृष्ण, लक्ष्मी-नारायण, उमा-शंकर आदि नामों में भी पहले स्त्री को ही महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिस राष्ट्र की महिला शक्ति सशक्त है। उस राष्ट्र को कोई गुलाम नहीं बना सकता। इतिहास की अनेकों वीरांगनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि नारी अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए जान दे सकती है, तो जान लेने का साहस भी रखती हैं। डाक्टर नीलकंठ तिवारी ने आगे कहा कि पौराणिक व धार्मिक दृष्टि से दक्षिणी विधानसभा का विशेष महत्व है कि इस विधानसभा क्षेत्र में ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ, मां अन्नपूर्णा सहित काशी के कोतवाल सहित नवदुर्गा, नवगौरी के मंदिर स्थापित है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश सह प्रभारी जगदीश पटेल ने कहा कि भारत में नारी सदैव पूजनीय रही है। कहा कि नारी शक्ति का सम्मान शास्त्रो की परम्परा में उल्लिखित है।

महिलाओं को चुनरी ओढ़ाकर व उपहार भेंट कर किया सम्मानित

कार्यक्रम का संचालन महानगर मंत्री नेहा कक्कड ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश सह प्रभारी जगदीश पटेल, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया, आलोक श्रीवास्तव, आत्मा विश्वेश्वर,संदीप चौरसिया, सुनील यादव, गोपाल जी गुप्ता, तारकेश्वर जायसवाल, राजीव सिंह डब्बू, सुनीता राजेश सिंह, साधना वेदांति, रचना अग्रवाल, कनकलता मिश्र, पार्षद व क्षेत्र सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर, संजय केशरी, श्रवण गुप्ता, अभिजीत भारद्वाज, अनंतराज गुप्ता, अशोक यादव, मनोज यादव, नीरज जायवाल, शुभम जायसवाल आदि प्रमुख रुप से उपस्थित रहें।

वाराणसी समाचार

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा है कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, चिकित्सकीय निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने और सेवाओं की आपूर्ति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, विशेषकर उन समुदायों के लिए जिनकी स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच है। यह कहना था इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव एस. कृष्णन का। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया और आईआईटी बीएचयू में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर टेक कॉन्क्लेव का आयोजन किया। उन्होंने विभिन्न विषयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शिक्षा को शामिल करने तथा व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी, चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान के समन्वय का लाभ उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। अरविंद कुमार, महानिदेशक, एसटीपीआई ने पिछले तीन दशकों में भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में आये बदलावों पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर अमित पात्रा, निदेशक, आईआईटी बीएचयू ने सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईआईई) की स्थापना के माध्यम से संस्थान के स्टार्टअप और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रोफेसर मनोज कुमार मेस्राम, सुमित महाजन, डॉक्टर मल्लिका तिवारी, डॉक्टर संजय कुमार सिंह, प्रोफेसर अवनीश सिंह परमार, डाक्टर शिरू शर्मा, डाक्टर रुचि चावला, शहबाज अहमद, अमित कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

आंचलिक समाचार

करेण्ट से युवक की मौत

उतराव, गाजीपुर। बरेसर थाना क्षेत्र के सागरपाली दयाल गांव निवासी आशीष सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र विजय बहादुर सिंह की हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस सव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशीष गांव पर अपने हार्वेस्टर का मरम्मत करने हेतु उसके ऊपरी सिरे पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान उनका सर ऊपर से गुजर रहे 11000 वोल्ट के तार से छू गया। जिसकी चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गए। करंट के तार से उनके सर की चमड़ी जगह-जगह फटकार निकल गया। गंभीर हालत में झूलसे आशीष को परिजनों द्वारा आनन फानन में इलाज हेतु स्थानीय चिकित्सक के यहां ले गए जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। मौत की सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

एयर शो: डीआईजी ने परखी सुरक्षा, यातायात व्यवस्था

मुगलसराय। आगामी एयर शो-2026 के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र वैभव कृष्ण ने पुलिस अधीक्षक आकाश पटेल की उपस्थिति में पचफेड़वा स्थित एसआरवीएस कॉलेज में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और पुलिस बल की तैनाती को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। 22, 24 और 25 अक्टूबर को आयोजित होने वाले एयर शो के दौरान दर्शकों की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। डीआईजी ने निर्धारित पार्किंग स्थलों का प्रभावी उपयोग कराने, ड्यूटी प्वाइंट पर पुलिसकर्मियों की सतर्कता बनाए रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारीपूर्वक ड्यूटी निभाने को कहा। बैठक के बाद डीआईजी ने पचफेड़वा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त चकिया तिराहा, पड़ाव और पड़ाव चौराहे के आसपास के प्रमुख मार्गों एवं घाट क्षेत्र का जायजा लिया।

जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों में मारपीट

पूर (बलिया)। पकड़ी थाना क्षेत्र पकडी गांव में जमीन विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित रमेश सिंह ने अपने सगे भाई बृजेश सिंह पर गाली-गलौज करने और हथौड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। रमेश सिंह के अनुसार, 15 अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे जमीन विवाद को लेकर उनके भाई बृजेश सिंह ने उन्हें गालियां दीं। विरोध करने पर लात-घूंसों और हथौड़े से मारपीट की, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में पकड़ी थाना प्रभारी रंजीत विश्वकर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुजुर्ग महिला को दबंगों ने पीट-पीट कर किया घायल

मुंगराबादशाहपुर। थाना क्षेत्र के हेमापुर तरहठी गांव में मकान बनवाने के लिए अपनी आराजी की सफाई कर रही एक बुजुर्ग महिला पर पडोस के ही आरोपित पांच लोगों द्वारा हल्ला बोलते हुए लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिसमें वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गयी। जिसे मुंगराबादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस सम्बन्ध में पीड़िता की बहू अनिता मिश्रा पत्नी मंगेश मिश्रा द्वारा मुंगराबादशाहपुर थाने में दी गई तहरीर में बताया है कि 17 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे उसकी सास माला मिश्रा पत्नी लालचंद मिश्रा अपनी निजी जमीन पर मकान निर्माण के लिए साफ-सफाई कर रही थीं। इसी दौरान गांव के ही बृजेश मिश्रा, राकेश मिश्रा, मुकेश मिश्रा, संतोष मिश्रा और राज मिश्रा वहां पहुंचते ही विरोध करने लगे। आरोप है कि आरोपितों ने एकजुट होकर माला मिश्रा के सिर पर ईंट-पत्थरों और डंडों से कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता की तहरीर पर मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस ने आरोपित बृजेश मिश्रा पुत्र हरिबरन मिश्रा, राकेश पुत्र चन्द्र भूषण, मुकेश मिश्रा पुत्र बृजेश मिश्र, संतोष मिश्रा पुत्र हरिबरन,राज मिश्र पुत्र बृजेश मिश्रा के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 191(2) 109(1),115(2) 352 व 351(3) के तहत् मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दिया।

पुरानी रंजिश में मारपीट

मनियर (बलिया)। थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में ले जाकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रानीपुर निवासी रम्भा देवी पत्नी राजकुमार राजभर ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि 17 अक्टूबर को पुरानी रंजिश को लेकर गोलू राजभर पुत्र योगेंद्र राजभर के घर में ले जाकर अभिषेक राजभर पुत्र दिलीप राजभर ने गाली-गलौज करते हुए रम्भा देवी की पुत्री रमिता राजभर के साथ मारपीट की। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि गोलू राजभर ने मारपीट में सहयोग किया।

पिता-पुत्र की पिटाई कर बदमाशों ने छीनी बाइक

भीमपुरा (बलिया)। थाना क्षेत्र के नगरा- भीमपुरा मार्ग पर टिकुलिया गांव के सामने मुख्य मार्ग शनिवार की देर शाम करीब आधा दर्जन की संख्या में बाइक सवार बदमाशों ने पिता-पुत्र की पिटाई कर नई बाइक छीन कर भागने में सफल हो गए। घटना के बाद डरे - सहमे पिता - पुत्र पुलिस को सूचना दिए। चंदन चौहान निवासी निवासी किड़िहरापुर अपने पुत्र निखिल चौहान के साथ बाइक से नगरा से अपने घर जा रहे थे। टिकुलिया गांव के समीप मुख्य मार्ग पर तीन बाइक सवार आठ बदमाशों ने पीछे से ओवरटेक करके रोक लिया और मारने - पीटने लगे और बाइक छीन कर धमकाते हुए नगरा की तरफ भाग गए।

निर्माणाधीन विद्यालय का गिरा बारजा

चंदौली। सदर ब्लॉक के पड़या गांव में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत करीब 1.30 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे कंपोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विद्यालय का बारजा उद्घाटन से पहले ही गिरने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खुलती नजर आ रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि बारजा गिरने के दौरान कोई मौजूद नहीं था जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए बालू, सीमेंट, गिट्टी और सरिया की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

साड़ी में सांप लिपटते देख महिला की बिगड़ी तबियत

हलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के बसुहरा गांव में शनिवार की रात साड़ी में सांप लिपटने की घटना से 26 वर्षीय महिला नीलम पांडेय घबरा गईं। परिजन उन्हें रात करीब नौ बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद करीब दो घंटे तक निगरानी में रखा। हालत सामान्य होने पर उन्हें घर भेज दिया गया।प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि शनिवार की रात नीलम पांडेय को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था।

मीरजापुर : दो साल में ६० प्रतिशत बढ़े श्रद्धालु

मीरजापुर। विंध्याचल में धार्मिक पर्यटन तेजी से विस्तार कर रहा है। मां विंध्यवासिनी, मां काली खोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से विंध्य त्रिकोण धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2023 में तीनों मंदिरों में करीब 1.15 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 1.84 करोड़ हो गया। इस तरह दो वर्षों में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मां विंध्यवासिनी धाम में वर्ष 2023 में करीब 73 लाख, 2024 में 78.15 लाख और 2025 में लगभग 1.20 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। जनवरी से अगस्त 2026 तक करीब 90 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद से नया रिकॉर्ड बनने की संभावना है। सरकार की इस पहल से होटल, परिवहन, खानपान, फूल-माला और प्रसाद कारोबार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था के लिए भी नए अवसर पैदा कर सकती है। मां काली खोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में वर्ष 2023 में करीब 42.36 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। 2025 में यह संख्या बढ़कर लगभग 64 लाख हो गई। पारंपरिक विंध्य त्रिकोण परिक्रमा मां विंध्यवासिनी मंदिर से शुरू होकर काली खोह होते हुए अष्टभुजा मंदिर तक पूरी होती है। विंध्याचल में श्रद्धालुओं की सुविधाओं और मंदिरों के विकास पर करीब 208.09 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसमें संपर्क मार्ग, परिक्रमा पथ, मंदिर परिसर और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार शामिल है। वहीं, मां काली खोह क्षेत्र के विकास के लिए 35.50 करोड़ रुपये की परियोजना अक्टूबर में निविदा प्रक्रिया तक पहुंची। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार, मुख्यमंत्री



योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विंध्याचल को विस्तारित शक्तिपीठ सर्किट का प्रमुख केंद्र बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने वाराणसी-विंध्याचल और लखनऊ-वाराणसी-विंध्याचल-प्रयागराज को जोड़ने वाले विशेष टूर पैकेज भी शुरू किए हैं।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश के पैतृक आवास में चोरी

छानबे। जिगना थाना क्षेत्र के खैरा गांव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जय कृष्ण उपाध्याय के पैतृक आवास में चोरी की घटना सामने आई है। वारदात की जांच के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं। वहीं, सुरक्षा के मद्देनजर आवास पर पुलिस बल तैनात किया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, स्थानीय पुलिस, फोरेंसिक टीम, एसओजी और सर्विलांस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्रीकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि खैरा स्थित पैतृक आवास पर उनके बड़े भाई माताम्बर उपाध्याय रहते हैं। एक अन्य बड़े भाई सेवानिवृत्त जिला जज हैं, जबकि छोटे भाई प्रयागराज हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। श्रीकृष्ण उपाध्याय स्वयं मिर्जापुर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि बड़े भाई माताम्बर उपाध्याय 20 सितंबर को इलाज कराने के लिए अपने बेटे के पास गाजियाबाद गए थे। सोमवार को घर पर पोते का मुंडन संस्कार और पूजा-पाठ का कार्यक्रम पहले से निर्धारित था। शनिवार शाम जब वह घर लौटे तो चोरी की घटना देखकर हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दी। श्रीकृष्ण उपाध्याय के मुताबिक, चोरों ने घर के मुख्य गेट सहित 10 कमरों और छह अलमारियों के ताले तोड़ दिए। घर में रखे दो बड़े टेलीविजन और फ्रिज को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके अलावा पीतल, फूल, तांबा और कस्कुट के बर्तन भी चोरी कर लिए गए। इनमें शादी-विवाह के दौरान मिले बर्तन भी शामिल थे। परिवार के अन्य सदस्यों के पहुंचने और सामान का मिलान करने के बाद ही चोरी गई संपत्ति की वास्तविक कीमत का पता चल सकेगा। जिगना थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि माताम्बर उपाध्याय की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। उन्होंने जल्द ही घटना का खुलासा करने की बात कही है।



पोखरे में डूबने से बालक की गयी जान

जमानियां,गाजीपुर। कोतवाली क्षेत्र के चक मेदनी नंबर दो गांव में रविवार को पोखरे में डूबने से 13 वर्षीय कक्षा सात के छात्र सुधांशु शर्मा की मौत हो गई। घर से करीब 500 मीटर दूर हुए इस दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मां चांदनी सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और माहौल गमगीन हो गया।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक पूछताछ के बाद पोस्टमार्टम के लिए गाजीपुर भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।मृतक के नाना महातिम शर्मा ने बताया कि उनके कोई पुत्र नहीं है। उन्हें केवल बेटी चांदनी है, जिसकी शादी करीब 15 वर्ष पहले बिहार प्रांत के बनारपुर निवासी दीप लोक शर्मा से हुई थी। शादी के बाद से ही चांदनी अपने मायके में रह रही है। सुधांशु दो भाइयों में बड़ा था, जबकि उसका छोटा भाई हिमांशु है। मृतक के पिता पंजाब में निजी नौकरी करते हैं और वहीं रहकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बरेसर, गाज़ीपुर। बरेसर थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद गाँव के समीप शनिवार दोपहर लगभग 2 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से नाराज ग्रामीणों ने बरेसर थाने के सामने जहूराबाद-बरेसर मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुस्तफाबाद निवासी रोहित राजभर (पुत्र राधेश्याम राजभर), शिवम राजभर और विकास राजभर शनिवार दोपहर लगभग 2 बजे एक ही साइकिल पर सवार होकर बरेसर बाजार जा रहे थे। रास्ते में सामने से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों साइकिल से सड़क पर गिर पड़े, तभी बगल से गुजर रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से रोहित राजभर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं शिवम राजभर और विकास राजभर गंभीर रूप से घायल हो गए। बरेसर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की मां चंदा देवी की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

ट्रक की टक्कर से डिवाइडर पर पलटा पानी का टैंकर, चालक घायल

बिरनो, गाजीपुर। गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन हाईवे पर भड़सर स्थित राजापुर पेट्रोल पंप के सामने शनिवार रात करीब 11 बजे ट्रक की टक्कर से पानी का टैंकर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पलट गया। हादसे में टैंकर चालक जोगिंदर यादव को हल्की चोटें आईं। उन्हें साथियों ने उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। बाद में बिरनो सीएचसी में भी उनका इलाज कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है।जानकारी के अनुसार चक मेहंदी, सराय लखांसी निवासी जोगिंदर यादव मऊ से वाराणसी की ओर पानी का टैंकर लेकर जा रहे थे। राजापुर पेट्रोल पंप के सामने पहुंचते ही पीछे से आ रहे ट्रक ने टैंकर में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर बेकाबू होकर डिवाइडर पर पलट गया। हादसे में ट्रक का इंजन सड़क किनारे पहुंच गया, जबकि ट्रैक्टर का पिछला पहिया भी टूट गया। बिरनो थानाध्यक्ष पन्ने लाल यादव ने बताया कि दुर्घटना में घायल चालक का उपचार कराया गया है और उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

आटो-इनोवा की टक्कर में महिला की मौत, दो घायल

इलिया । चकिया-इलिया मार्ग पर बरहुआ गांव के समीप रविवार को ऑटो और इनोवा कार की आमने-सामने टक्कर में मुन्नी देवी (65) की मौत हो गई, जबकि जामवंत (70) और गौरव (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अहरौरा थाना क्षेत्र के मूजडीह गांव निवासी दामोदर परिवार के साथ बिहार के चैनपुर स्थित हरसू ब्रह्म के दर्शन के लिए जा रहे थे। बरहुआ गांव के समीप पहुंचने पर विपरीत दिशा से आ रही इनोवा कार से उनके ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मुन्नी देवी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। इलाज के दौरान मुन्नी देवी की मौत हो गई, जबकि जामवंत और गौरव का उपचार जारी है। सैदूपुर चौकी प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि दुर्घटना में शामिल ऑटो और इनोवा कार को कब्जे में ले लिया गया है।

सड़क हादसे में किसान की मौत

जमानियां,गाजीपुर। कोतवाली क्षेत्र के महेवा गांव में रविवार को एक बेहद दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय किसान की जान चली गई। खेत में सब्जियों की सिंचाई के दौरान बिजली के प्लग में करंट आने से किसान राहुल कुशवाहा बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।मृतक के पिता दीनबंधु कुशवाहा जो समाज कल्याण विभाग में एडीओ पद से सेवानिवृत्त हैं, उन्होंने बताया कि राहुल रोज की तरह रविवार सुबह अपनी भैंस को नहलाने के बाद खेत में बोई गई सब्जियों की सिंचाई करने गया था। खेत में मोटर चालू करने के लिए जैसे ही उसने बिजली का प्लग लगाया, अचानक तेज करंट की चपेट में आ गया।

कार बिजली के पोल से टकरायी, चार घायल



बरसठी। परिवार में हुई मौत के बाद दाह संस्कार और अस्थि विसर्जन कराकर लौट रहे परिजनों की कार रविवार तड़के हादसे का शिकार हो गई,सरसरा गांव में सुबह करीब 4:30 बजे चालक को झपकी आने से कार अनियंत्रित होकर संजय विश्वकर्मा के घर के सामने लगे बिजली के खंभे से टकरा गई टक्कर से खंभा टूटकर कार पर गिर पड़ा और बिजली की लाइन गाड़ी पर गिरने से उसमें आग लग गई, आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया और हादसे में घायल लोगों को बाहर निकाला गया जिसमें राकेश पांडेय उर्फ पप्पू एडवोकेट और, प्रीतम पांडेय के सिर में गंभीर चोटे आई, भरत शर्मा को हल्की चोटे और एक रिश्तेदार मुंह में गंभीर घायल हो गए। घायलों को मड़ियाहूं स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब सभी की हालत ठीक है कार में छह लोग सवार थे। जयप्रकाश पांडेय और कन्हैयालाल पांडेय को चोटें नहीं आईं,बताया गया कि परिवार के एक सदस्य की शनिवार सुबह ट्रेन हादसे में मौत हो गई थी। रामघाट, जौनपुर में दाह संस्कार के बाद वाराणसी से अस्थि विसर्जन कराकर परिजन घर लौट रहे थे। परिवार पर दु:खों का बोझ पहले ही था, इस हादसे ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी।

अष्टमी पर देर रात तक दुर्गा पंडालों में हुआ दर्शन

गाजीपुर। शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर दुर्गा पंडाल में दर्शन पूजन हेतु श्रद्धालुओं के भीड़ उमड़ी। नगर के कई स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गयी हैं। यार लोगों ने देर रात तक दर्शन पूजन किये। इसके पूर्व सप्तमी तिथि पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद भक्तों के दर्शन के लिए माता का पट खोल दिया गया है। सुबह से ही पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। भक्त पहुंचकर देवी की आराधना और पूजा कर रहे हैं। पूजा समितियों द्वारा एक-दूसरे से बेहतर सजावट की प्रतिस्पर्धा के साथ ही पूरे बाजार और सड़क को रंग-बिरंगी झालर लाइटों से सजाया गया है, जो राहगीरों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। जखनियां प्रतिनिधि के अनुसार- विश्व हिंदू परिषद जिला सिद्धपुरी (सैदपुर), प्रखंड जखनियाँ के तत्वावधान में शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी के अवसर पर नई सडक दुर्गा पाडाल मे विधि-विधान के साथ माँ भगवती का पूजन एवं शस्त्र पूजन



किया गया।...कार्यकर्ताओं ने माँ दुर्गा की आराधना कर धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्प लिया। शस्त्र पूजन के दौरान सनातन परंपरा में शस्त्रों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष राकेश सिह ने कहा कि शस्त्र पूजन केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, आत्मरक्षा तथा धर्म और समाज की सुरक्षा का प्रतीक है।कार्यकर्ताओं ने माँ दुर्गा से समाज में शांति, सद्भाव, समृद्धि एवं शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। सेवराई प्रतिनिधि के अनुसार- तहसील मुख्यालय सेवराई के स्थानीय बाजार में इस बार दुर्गा पूजा की भव्यता देखते ही बन रही है। राज क्लब दुर्गा पूजा समिति और आरएस क्लब ट्रस्ट दुर्गा पूजा समिति सहित कुल तीन स्थानों पर भव्य पंडाल और प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सप्तमी तिथि पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद भक्तों के दर्शन के लिए माता का पट खोल दिया गया है। सुबह से ही पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। भक्त पहुंचकर देवी की आराधना और पूजा कर रहे हैं। पूजा समितियों द्वारा एक-दूसरे से बेहतर सजावट की प्रतिस्पर्धा के साथ ही पूरे बाजार और सड़क को रंग-बिरंगी झालर लाइटों से सजाया गया है, जो राहगीरों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है।

बिहार समाचार

अपहृत साक्षी बरामद, दो नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। रोहतास जिले के इंद्रपुरी थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने थाना कांड संख्या 191/26 में अपहृत साक्षी कुमारी को बरामद कर लिया है। बरामद युवती को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 183 के तहत बयान दर्ज कराने के लिए माननीय न्यायालय भेजा गया है। वहीं, इस मामले में पुलिस ने नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सुजानपुर गांव निवासी अभिषेक कुमार उर्फ सुखाड़ी और धीरेन्द्र दुबे, दोनों पिता राम अवध दुबे, थाना इंद्रपुरी, जिला रोहतास के रूप में हुई थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद उचित सुरक्षा व्यवस्था के साथ मार्गरक्षी दल के माध्यम से न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज है।

भोजपुरी साहित्य समिति ने मनाया अपना 46वां स्थापना दिवस

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। जिले के दिनारा प्रखंड के भलूनीधाम में श्री यक्षिणी भोजपुरी साहित्य समिति ने मनाया अपना 46वाँ स्थापना दिवस। स्थापना दिवस में आये बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह,दिनारा के विधायक आलोक कुमार सिंह,विधान पार्षद अशोक कुमार पाण्डेय तथा काराकाट के पूर्व विधायक राजेश्वर राज से समिति ने भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की उठायी मांग। इन नेताओं ने भोजपुरी भाषा को सम्मान देने का दिया आश्वासन। राजेश्वर राज तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसपी जैन कॉलेज,सासाराम के पूर्व प्रधानाचार्य डॉक्टर गुरुचरण सिंह ने कहा कि देश की लगभग 25 करोड़ जनता भोजपुरी-भाषी है। यह भाषा अष्टम अनुसूची में शामिल होने का पूरा-पूरा अधिकार रखती है। आलोक सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि भलूनीधाम के विकास के लिए मेरा हरसंभव प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि मेरे प्रयास से अब हर वर्ष सरकारी स्तर पर 14 नवंबर को भलूनीधाम महोत्सव का आयोजन होगा। इस अवसर पर एक भोजपुरी कवि-सम्मेलन का भी आयोजन हुआ,जिसमें सरोज कुमार पंकज, पाण्डेय अकेला,रामकुमार मिश्र, ओमप्रकाश मिश्र,अनुराधाकृष्ण रस्तोगी,प्रो0 राजबहादुर राय,प्रो0 सुरेंद्र सिंह सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक निजू कुमार राम तथा दयाशंकर मिश्र सहित अनेक कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को झूमने पर मज़बूर कर दिया। कार्यक्रम में समाजसेवी रामपुकार पाण्डेय उर्फ मान बाबा की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सर्वदेव ओझा ने की तथा संचालन किया युवा कवि अमर पाण्डेय ने।

डीएम-एसपी ने दुर्गापूजा अष्टमी के दिन सासाराम शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का किया निरीक्षण

डेहरी ऑन सोन (आससे.)।दुर्गापूजा तथा दशहरा को शांतिपूर्ण,सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। आज दुर्गापूजा अष्टमी के दिन जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्र और पुलिस अधीक्षक, राज द्वारा सासाराम शहर के विभिन्न स्थलों एवं पंडालों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न मुहल्लों एवं चौकों के अनेक प्रमुख पूजा स्थलों का भ्रमण कर द्वय अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की संभावित भीड़, आवागमन,सुरक्षा-व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं हेतु अधीनस्थ पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि दुर्गापूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पूजा समितियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि पूजा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो तथा पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो। उन्होंने पूजा आयोजकों को निर्देश दिया कि पंडालों में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। भीड़ प्रबंधन,प्रवेश तथा निकास की समुचित व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा,सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता तथा अन्य आवश्यक इंतजामों पर विशेष ध्यान दें। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क एवं तैयार रहें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। पुलिस अधीक्षक ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी बनाये रखने का निर्देश दिया,ताकि श्रद्धालु निर्भय होकर पूजा-अर्चना कर सकें और पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। इस अवसर पर अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी,अनुमंडल पदाधिकारी सासाराम,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1,भूमि उप समाहर्ता सासाराम तथा विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे आपसी भाईचारे,शांति एवं सौहार्द के साथ दुर्गापूजा मनायें तथा पर्व को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें।

संक्षिप्त

गठबंधन में पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ेगी आजाद अधिकार सेना

लखनऊ (आससे)। आजाद अधिकार सेना पंजाब स्थित देश प्रेमी पार्टी के साथ मिलकर आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ेगी। यह निर्णय आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर तथा देश प्रेमी पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष हीरक जोशी के बीच हुई बातचीत के क्रम में आपसी सहमति के आधार पर लिया गया है। यह गठबंधन पंजाब विधानसभा की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। आपसी सहमति से हीरक जोशी को चुनाव हेतु गठबंधन का संयोजक बनाया गया है तथा पंजाब विधानसभा का पूरा चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा जाएगा। गठबंधन के मूल सिद्धांत अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार का कड़ा विरोध, आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा, कानून के समक्ष समानता तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन की स्थापना होंगे। गठबंधन का उद्देश्य आम जनता की आवाज को मजबूत करना, नागरिकों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना तथा राजनीति में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। गठबंधन ऐसी राजनीतिक व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें सत्ता और स्वार्थ के बजाय आम नागरिक के हित, न्याय और सुशासन को केंद्र में रखा जाए।

ज्ञानमण्डल प्राइवेट लिमिटेड के लिए ज्ञानमण्डल यंत्रालय, संत कबीर मार्ग, **वाराणसी** से- **ओम प्रकाश शर्मा** द्वारा मुद्रित और प्रकाशित। **सम्पादक- शार्दूल विक्रम गुप्त,** स्थानीय कार्यकारी **सम्पादक- शिवशंकर व्यास। गोरखपुर:** बैंक रोड, **प्रयागराज:** 3,लीडर रोड, **कानपुर:** बांसमण्डी, **झांसी:** झोंकन बाग, **लखनऊ:** 1,जापलिंग रोड, **आगरा:** महात्मा गांधी रोड, **बरेली:** रोड नं. 3 परसाखेड़ा, **पटना:** फ्रेजर रोड, **रांची:** नामकुम इण्डस्ट्रियल एरिया, **जमशेदपुर:** न्यू काली माटी रोड-साकची।

वर्ष-107 पू.सं. 899678131022454
आर. एन. आई. रजिस्ट्रेशन नं. 2026/ 57
फोन:- 2393981 से 2393987 तक
E-Mail:ajvaranasi.1920@gmail.com
W ebsite : www.ajhindidaily.com
पी.आर.बी. अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए ओम प्रकाश शर्मा जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद वाराणसी न्यायालय के अधीन होंगे।

उत्तराखंडमें निवेशके नाम पर फर्जीवाड़ेका राहुलने लगाया आरोप

नयी दिल्ली (आससे)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार पर निवेश के नाम पर कथित फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे भाजपा के 'डबल इंजन' मॉडल का एक और नमूना बताया। राहुल गांधी जमीन पर उतरने की बात कही। राहुल गांधी ने मीडिया की एक रिपोर्ट के आधार पर इन दावों पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी के मुताबिक,

निवेशकोंकी मांगी सूची, धामी सरकारको घेरा



के मुताबिक, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 1,779 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के जरिये 3.56 लाख करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया गया था। इसके लिए आयोजित रोड शो पर जनता के करीब 100 करोड़ रुपये खर्च हुए। बाद में सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये के निवेश को निवेशकों की सूची में आटा चक्कियों, खाद-बीज की दुकानों और छोटे क्लीनिकों को भी शामिल किया गया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से कुछ लोगों को यह तक पता नहीं था कि उन्हें निवेशक के रूप में गिना गया है। राहुल गांधी ने इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार के निवेश संबंधी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। हालांकि, ये आरोप राहुल गांधी की ओर से पेश किए गए हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि निवेश के आंकड़ों में 35,279 करोड़ रुपये सरकारी बिजली कंपनियों के हैं। यह कथित तौर पर जमीन पर उतरे निवेश के एक लाख करोड़ रुपये के दावे का करीब 35 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) और दान से चलने वाले एक स्कूल को 24.49 करोड़ रुपये का निवेशक बताया गया। राहुल गांधी ने इन उदाहरणों के जरिये सरकार के निवेश संबंधी दावों पर सवाल उठाए। राहुल गांधी के मुताबिक, 1,200 करोड़ रुपये के निवेशक के रूप में दर्ज एक कंपनी की चार साल से कोई कमाई नहीं हुई है। उनके दावे के अनुसार, रिकॉर्ड में इस कंपनी का एक भी कर्मचारी नहीं है। उन्होंने दुबई और लंदन में आयोजित रोडशो से 27,975 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किए जाने पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि जमीन पर उतरे निवेशकों की सूची में इन दोनों शहरों की एक भी कंपनी शामिल नहीं है।

कोलकाता : भगदड़ के मामले में गिरफ्तार सात लोग अदालत में पेश

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के एक दुर्गा पूजा पंडाल में मची भगदड़ में हुई 19 लोगों की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किये गये सात लोगों को पुलिस ने रविवार को स्थानीय अदालत में पेश किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। शनिवार शाम बारिश के बीच उत्तरी कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भीड़ अचानक बढ़ जाने से मची भगदड़ में 25 लोग घायल भी हुए थे। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये लोगों को बैंकशाल अदालत ले जाया गया। हम उनकी हिरासत की मांग करेंगे। गिरफ्तार किये गये लोगों में पूजा समिति के सचिव, उपाध्यक्ष और एक निजी सुरक्षा एजेंसी के दो कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस ने इस संबंध में स्वत: संज्ञान लेते हुए 'गैर-इरादतन हत्या' का एक मामला भी दर्ज किया है।

जामिया में छात्र संघ चुनाव पर घमासान

नयी दिल्ली (आससे)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव की बहाली की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे हटाया गया। इस कारवाई के बाद कैंपस के बाहर दिनभर हंगामा हुआ। छात्रों ने सुरक्षाकर्मियों पर मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है, जबकि प्रशासन ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है। इस घटनाक्रम के बाद कैंपस में तनाव बढ़ गया और पुलिस तथा अर्द्धसैनिक बल तैनात किए गए। विवि प्रशासन ने दो छात्रों को निष्कासित कर दिया है। पांच छात्र सोमवार शाम से गुलिस्तां गालिब लॉन के गेट नंबर सात के पास भूख हड़ताल पर बैठे थे। इनमें मोहम्मद जासिम और एबिन की तबीयत अधिक खराब हो गई थी। छात्रों का आरोप है कि शनिवार सुबह करीब 100 सुरक्षाकर्मी, जिनमें कुछ बिना वर्दी और मास्क लगाए थे, मस्जिद वाले गेट से दाखिल हुए। उन्होंने भूख हड़ताल स्थल की लाइट बंद कर दी और छात्रों को घसीटकर गेट नंबर सात तक बाहर निकाला। छात्रों को पुलिस के साथ एंबुलेंस में अस्पताल भेजा गया।

फर्जी वोट बनाने की साजिश कर रही भारतीय जनता पार्टी-अखिलेश

लखनऊ (आससे)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथों पर सतर्क रहने की नसीहत देते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) फर्जी वोट बनवाने की साजिश कर रही है। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, अखिलेश यादव ने कहा भाजपा फर्जी वोट बनवाने की साजिश कर रही है। सत्तारूढ़ दल फर्जी वोट और बेईमानी को अपनी ताकत समझती है। यादव ने सपा प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा दस तरह की चुनावी चाल चलती है, मतदाता सूची में अपने नकली वोट जुड़वाती है और विरोधी दलों के असली वोट कटवाती है। यादव ने आम लोगों को भी सतर्क रहने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा कानून और संविधान को नहीं मानती तथा चुनाव जीतने के लिए बेईमानी करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी करती है। वोट चोरी और चंदा चोरी से जनता को सावधान रहना है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा समाजवादी पार्टी के नेतृत्व पर झूठे आरोप लगाने को अपनी सफलता समझती है, लेकिन जनता उसकी बेईमानी और झूठ को समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बदनाम हो चुकी है और अब किसी तरह की मिलीभगत से चुनाव नहीं जीत सकती। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता भाजपा का सफाया करने के लिए चुनाव की तारीखों का इंतजार कर रही है। यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बजट की लूट, अन्याय और अत्याचार से त्रस्त है। उन्होंने भाजपा को भूमाफिया पार्टी करार दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग सत्ता के संरक्षण में गरीबों, असहायों और सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्याय की गुहार लगाने वालों को उल्टा फंसा दिया जाता है और इस अन्याय में पुलिस भी भाजपा के सामंतियों के साथ खड़ी दिखाई देती है।

अभाविप ने लखनऊ में निकाली छात्र हुंकार रैली

लखनऊ (आससे)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने 'अराजकता छोड़ो, लोकतंत्र अपनाओ' के आह्वान के साथ रविवार को यहां छात्र हुंकार रैली निकाली। लखनऊ विश्वविद्यालय से हजरतगंज स्थित गांधी चौक तक निकाली गई इस रैली में विद्यार्थियों और अभाविप कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। अभाविप की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, संगठन के राष्ट्रीय मंत्री अभय प्रताप सिंह ने कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन का अधिकार केवल जनता के पास है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी तरह की अराजकता या दबाव की राजनीति स्वीकार्य नहीं है। सिंह ने कहा भारत का लोकतंत्र जनता के विश्वास, मताधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक असहमति का स्वागत है, लेकिन भीड़ के दबाव, अराजकता और संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर सत्ता परिवर्तन का प्रयास स्वीकार्य नहीं है।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का आह्वान

सिंह ने कहा कि बांग्लादेश और नेपाल के घटनाक्रमों से प्रेरित होकर भारत में भी अराजकता के माध्यम से सत्ता परिवर्तन की कल्पना करने वालों को समझना चाहिए कि देश का लोकतंत्र मजबूत है और यहां सरकारों का भविष्य जनता तय करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय और उत्तराखंड, केरलम व ओडिशा में छात्रसंघ चुनावों में अभाविप को मिली सफलता इस बात का प्रमाण है कि विद्यार्थी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखते हैं तथा 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा के साथ खड़े हैं।

कोलकाता : पूजा पंडाल भगदड़ मामला : टीएमसी के ममता गुटने शुभेंदु अधिकारी पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ से 19 लोगों की मौत के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और कोलकाता पुलिस पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने चोरबागान सार्वजनिन दुर्गोत्सव समिति के मुख्य संरक्षक के तौर पर सूचीबद्ध मुख्यमंत्री के भतीजे देबदीप अधिकारी का नाम भी उठाया है। विपक्षी पार्टी ने घटना से निपटने के लिए प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं। उसका आरोप है कि शनिवार शाम लोकप्रिय चोरबागान पूजा पंडाल में पर्याप्त भीड़ प्रबंधन, पुलिस की मौजूदगी और आपातकालीन इंतजामों की कमी ने इस त्रासदी में योगदान दिया। ममता की पार्टी ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट के जरिये आरोप लगाया कि जब पंडाल में हालात बेकाबू हुए, तब वहां पर्याप्त पुलिसकर्मी, नागरिक स्वयंसेवक और एंबुलेंस मौजूद नहीं थीं। पार्टी ने इन कथित कमियों को हादसे से जोड़ते हुए प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाये हैं। उत्तरी कोलकाता के एक सामुदायिक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गयी। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि अचानक हुई बारिश, एक भ्रामक घोषणा और पंडाल परिसर में मौजूद सुरक्षा एवं प्रबंधन संबंधी गंभीर खामियों के कारण स्थिति बेकाबू हो गयी, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अचानक हुई बारिश से इंतजार कर रहे लोग भींगने से बचने के लिए जल्दी से पंडाल के अंदर जाने की कोशिश करने लगे। पंडाल के अंदर पहले से मौजूद लोग बारिश की वजह बाहर नहीं आ रहे थे लेकिन इसे पूजा आयोजकों की ओर से कोई बहाना नहीं माना जा सकता। पूजा आयोजकों की ओर से भारी चूक हुई थी, जिसके कारण अफरा-तफरी मच गयी। जब बारिश की वजह से अफरा-तफरी शुरू हुई, तो एक भ्रामक घोषणा की गई जिसमें लोगों से कहा गया कि पंडाल का ढांचा गिरने के डर से वे तुरंत बाहर निकल जायें।

कोलकाता के बहु बाजार इलाके में अगले तीन दिन के लिए धारा 163 लागू

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने 18 से 20 अक्टूबर 2026 तक शहर के बहु बाजार थाना क्षेत्र में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा होने, लाठी या खतरनाक हथियार रखने और सार्वजनिक शांति या सद्भाव को बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी गई है। आदेश के मुताबिक, इस इलाके में 5 या अधिक लोगों के जुटने, रैली, धरना, प्रदर्शन, लाठी-हथियार लेकर चलने और शांति भंग करने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक रहेगी। प्रशासन को आशंका है कि कुछ संगठनों द्वारा हिंसक प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। यह इलाका कॉलेज स्ट्रीट, सीआर एवेन्यू, कॉलूटोला स्ट्रीट और ईडन हॉस्पिटल रोड से घिरा है।

कोलकाता पुलिस के अनुसार, ये पाबंदियां बोबजार पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले उस इलाके में लागू होंगी, जो कॉलेज स्ट्रीट, सीआर एवेन्यू, कोलोटोला स्ट्रीट और ईडन हॉस्पिटल रोड से घिरा हुआ है। इस आदेश के तहत, उक्त इलाके में पांच या उससे अधिक लोगों के गैर-कानूनी रूप से इकट्ठा होने, लाठी या कोई घातक/खतरनाक हथियार ले जाने और शांति भंग करने या सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने वाली किसी भी तरह की गतिविधि पर रोक लगाई गई है। पुलिस का यह आदेश कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ मचने के बाद आया है। शनिवार को हुए इस हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हुई। पुलिस ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज किया है। पुलिस ने घटना की जांच के सिलसिले में शनिवार रात 14 लोगों को हिरासत में लिया। इस मामले में पूजा आयोजकों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम बारिश के बीच अचानक भीड़ बढ़ने से भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य लोग घायल हो गए।

शेष

ग्वालियर...

के साथ मिलकर राहत-बचाव अभियान चलाया। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। ग्वालियर के एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि यह बेहद दुखद हादसा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शीतला माता मंदिर जा रहे थे। छिनोर की तरफ से आने वाली सड़क पर ढलान काफी तेज है और इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक है। एसएसपी के मुताबिक, रात करीब डेढ़ बजे धान से भरा ट्रक वहां रोका गया था। रास्ते पर पुलिस की ओर से बैरिकेड लगाए गए थे, लेकिन ट्रक बैरिकेड तोड़कर आगे निकल गया। इसके बाद चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक ढलान से नीचे आया और मंदिर की बाहरी दीवार तथा प्रवेश द्वार से टकरा गया। इस दौरान सड़क पर मौजूद श्रद्धालु ट्रक के नीचे कुचल गये। एसएसपी ने बताया कि हादसे के समय मौके पर ड्यूटी कर रहे दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दोनों का इलाज चल रहा है। उनके अनुसार, हादसे में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआती जानकारी में 39 लोगों को अस्पताल ले जाने की बात सामने आयी थी। एसएसपी के बयान के समय 12 लोगों की मौत की जानकारी दी गयी थी, जबकि अब इस हादसे में मृतकों की संख्या 14 बतायी जा रही है। पांच से छह मरीजों की हालत गंभीर होने और कुछ घायलों को फ्रैक्चर आने की भी जानकारी दी गयी थी। अन्य घायलों को भी इलाज मुहैया कराया जा रहा है। हादसे के एक चश्मदीद ने बताया कि घटना रात करीब एक बजे हुई। उसने मौके पर कुछ लोगों को दम तोड़ते देखा। चश्मदीद के मुताबिक, ट्रक में जरूरत से ज्यादा सामान भरा हुआ था। ट्रक अचानक वहां पहुंचा और कई दुकानों तथा लोगों को कुचलता चला गया। चश्मदीद ने बताया कि उसका भाई भी इस हादसे में घायल हुआ है। घटना के बाद से घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ था। लोग घायलों की मदद करने और मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुटे थे। हादसे की भयावहता के कारण मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गयी। ग्वालियर की कलेक्टर रुचिका चौहान ने बताया कि नवरात्रि के दौरान इस सड़क पर स्टॉपर और पुलिस चेक-पॉइंट लगाया गया था। इसके बावजूद ट्रक वहां तक कैसे पहुंचा और बैरिकेड तोड़कर आगे कैसे निकल गया, इसकी जांच की जा रही है।

कांग्रेस संविधान...

मानहानि के 45 से ज्यादा मामले दर्ज हैं, जिनमें अमित शाह, मोदी जी और अन्य लोगों से जुड़े मामले शामिल हैं। कुल मिलाकर ये 45 मामले हैं। फिर भी, मैं हर मंच से कहता हूं कि नरेंद्र मोदी वोट चुराते हैं, और ऐसा कहने के लिए मेरे खिलाफ कभी कोई मामला दर्ज नहीं किया जाता। क्या आप जानते हैं क्यों? क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे खास तौर पर वोट चोरी को लेकर कोई मामला दर्ज करते हैं, तो यह एक बड़ी कानूनी लड़ाई बन जायेगी, और वे उसी में फंसकर रह जायेंगे। कांग्रेस ने इस अभियान के दौरान गोवा में जमीन के इस्तेमाल और भूमि परिवर्तन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सार्वजनिक सुरक्षा और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने जैसे मुद्दे उठाये हैं। पार्टी का कहना है कि गोवा की जमीन, पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति की रक्षा जरूरी है। यात्रा के जरिए कांग्रेस ने इन विषयों पर लोगों के बीच अपनी बात रखी और विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने की कोशिश की। गोंय राखण यात्रा कांग्रेस का गोवा में चलाया गया जनसंपर्क अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य की जमीन, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान से जुड़े मुद्दों को उठाना है। 22 सितम्बर से शुरू हुई यह यात्रा राज्य की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने के लिए आयोजित की गयी है और आज मडगांव में राहुल गांधी की जनसभा के साथ इसका समापन होना है।

भदोही : सड़क...

पहना था। हादसे में जान गंवाने वाले सूरज अपने माता-पिता की इकलौती संतान और चार बहनों के इकलौते भाई थे। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां भी उन्हीं के कंधों पर थीं। उनकी बहन रोशनी की शादी नवंबर में तय है। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं और परिवार खुशियों के दिन का इंतजार कर रहा था। इसी बीच सूरज की मौत की खबर ने परिवार को झकझोर दिया। जिस घर में जल्द ही शहनाइयां गूंजने वाली थीं, वहां चीख-पुकार मच गई। भाई की मौत से बहनों और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाल विजय प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद तीनों शवों को औराई थाने पहुंचाया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की गई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. नवनीत दुबे के अनुसार, तीनों युवकों की मौत ब्रेन हेमरेज के कारण हुई। प्रारंभिक जानकारी में हादसे के समय तीनों के हेलमेट नहीं पहनने की बात सामने आई है। तेज रफ्तार, ओवरटेक करने का प्रयास और हेलमेट का अभाव हादसे से जुड़े महत्वपूर्ण पहलू हैं। हालांकि, दुर्घटना के पूरे घटनाक्रम और कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा के प्रति लापरवाही के गंभीर परिणामों को सामने ला दिया है। तीन परिवारों ने अपने जवान बेटों को खो दिया, एक बहन की शादी की खुशियां मातम में बदल गईं और दो मासूम बेटियां पिता के स्नेह से वंचित हो गईं। मेदनीपुर गांव में हर आंख नम है और हर जुबां पर तीनों दोस्तों की असमय मौत की चर्चा है।

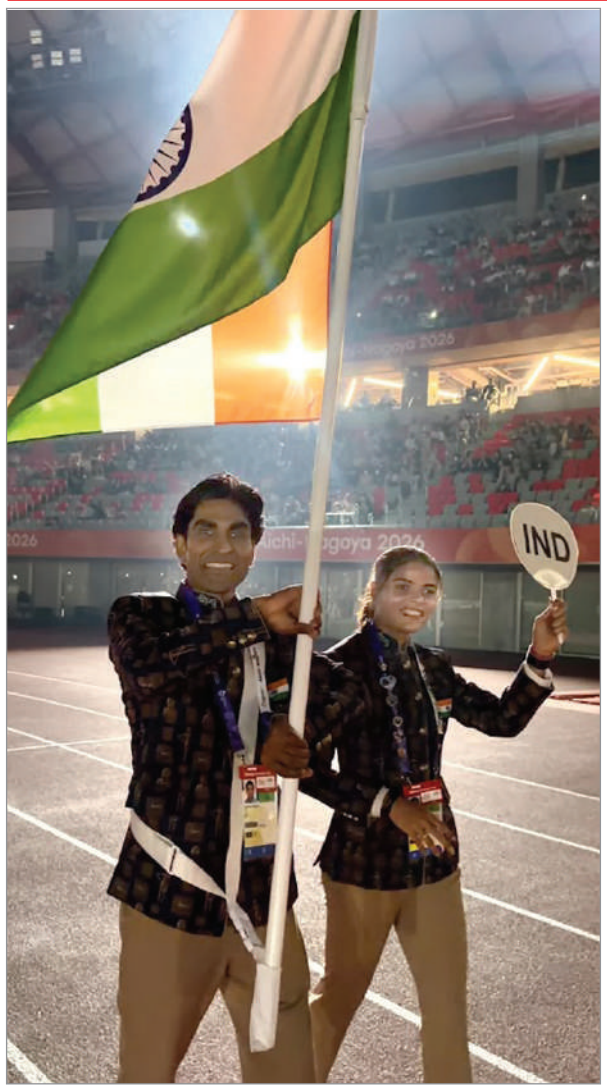
न डरेंगे, न पीछे हटेंगे...

का जिक्र करते हुए साफ कहा कि गिरफ्तारियों और हिरासत में लिए जाने जैसी कार्रवाइयों के बावजूद उनका हौसला कम नहीं हुआ है। उनका मानना है कि इन घटनाओं के जरिए उन पर दबाव बनाने और उन्हें डराने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसी कोशिशों से उनका इरादा नहीं बदलेगा और वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। अभिजीत दिपके ने उम्मीद जतायी कि सौरव दास और आशुतोष रांका को आज रिहा कर दिया जायेगा। उनके आने के बाद सभी लोग एक साथ बैठकर अब तक के घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे। इसके बाद आगे की रणनीति तय की जायेगी ताकि आने वाले दिनों में किस तरह कदम बढ़ाने हैं, इस पर सबकी सहमति से फैसला लिया जा सके। अभिजीत दिपके ने बताया कि वह वृंदा मैम से मिलने जा रहे हैं। इस मुलाकात में कुछ कानूनी मामलों पर चर्चा की जायेगी। मौजूदा घटनाक्रम के बीच इस बैठक को आगे की कानूनी रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अभिजीत दिपके के बयान से साफ है कि वह मौजूदा हालात को लंबी लड़ाई के तौर पर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं और किसी भी दबाव में आकर पीछे हटने वाले नहीं हैं। फिलहाल, सभी की नजरें सौरव दास और आशुतोष रांका की संभावित रिहाई और इसके बाद होने वाली बैठक पर टिकी हैं।

वायुसेनाका नया...

होगा। पहला उपग्रह जीसैट-7ए दिसम्बर 2018 में प्रक्षेपित किया गया था। उसकी निर्धारित कार्य अवधि आठ साल थी और उसकी क्षमता का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा सेना को भी आवंटित किया गया था। जीसैट-7सी अंतरिक्ष में संचार केंद्र की तरह काम करेगा। यह विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य इकाइयों के बीच संपर्क बनाने में मदद करेगा। जब विमान सामान्य रेडियो की सीधी पहुंच से दूर होंगे, तब उपग्रह के जरिए संदेश एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाये जा सकेंगे। इससे लड़ाकू विमान, हवाई निगरानी और नियंत्रण विमान, मानवरहित विमान और जमीन पर मौजूद कंट्रोल सेंटर सूचनाएं साझा कर सकेंगे। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने सैन्य अंतरिक्ष क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया है। सरकार ने 26,968 करोड़ रुपये के अंतरिक्ष आधारित निगरानी कार्यक्रम (एसबीएस-3) को तेजी दी है। इसके तहत 52 सैन्य उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित करने की योजना है। इनके लान्च की तैयारी जारी है। सेना के लिए जीसैट-7बी बनाने का 3,000 करोड़ रुपये का करार मार्च 2023 में हुआ था। नौसेना का जीसैट-7आर नवम्बर 2025 में प्रक्षेपित किया गया था। ये परियोजनाएं तीनों सेनाओं की अलग-अलग संचार जरूरतों के लिए अंतरिक्ष आधारित क्षमता बढ़ाने की योजना का हिस्सा हैं।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भ



दिखी सिंधु घाटी सभ्यता की झलक

पैरा एशियन खेल का जापान के राजा नारुहितो ने किया उद्घाटन, भारतीय दल ने प्रस्तुत की ५००० साल की विरासत

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय दल ने रविवार को पैरा एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में देश की समृद्ध विरासत की झलक पेश की। खिलाड़ियों ने ५००० साल पुरानी सिंधु घाटी की सभ्यता से प्रेरित आकृतियों वाले ब्लेजर पहनकर समारोह में हिस्सा लिया। पैरालंपिक पदक विजेता ध्वजवाहक धाविका सिमरन शर्मा और शीर्ष बैडमिंण्टन खिलाड़ी प्रमोद भगत के नेतृत्व में १०० से अधिक भारतीय खिलाड़ियों ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुवाई की और इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज शान से लहराता रहा। भारतीय दल के ध्वजवाहकों के नाम में उद्घाटन समारोह से पहले बदलाव किया गया। शुरुआत में प्रमोद भगत के साथ पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। हालांकि बाद में उनकी जगह सिमरन शर्मा को ध्वजवाहक बनाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक भाविना पटेल को १९ अक्तूबर को अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलना है।इससे पहले जापान के राजा नारुहितो ने पांचवें पैरा एशियन गेम्स २०२६ का आधिकारिक उद्घाटन किया। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा लेने पहुंचे खिलाड़ियों और अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों के साहस, दृढ़ संकल्प और चुनौतियों का सामना करने की भावना की सराहना की। ताकाइची ने कहा कि खिलाड़ियों का अपनी सीमाओं को चुनौती देना, एक-दूसरे का सम्मान करना और अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना समाज को पैरा खेलों की ताकत और संभावनाओं से परिचित कराएगा। उन्होंने खिलाड़ियों के परिवारों और उनके सहयोगियों के योगदान की भी सराहना की। उद्घाटन समारोह में भारतीय खिलाड़ियों का प्रवेश खास आकर्षण रहा। खिलाड़ियों ने गहरे नीले रंग के ब्लेजर पहने जिन पर सुनहरे रंग के डिजाइन बनाये गये थे। इन डिजाइनों में सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित आकृतियों को शामिल किया गया था। ब्लेजर पर प्रसिद्ध प्रिस्ट-किंग मूर्ति, डांसिंग गर्ल की आकृति और प्राचीन मुहरों से प्रेरित प्रतीक नजर आये। इसके अलावा ब्लेजर की जेब पर भारतीय तिरंगे को जगह दी गयी जबकि कालर पर सप्त सिंधु यानी सात नदियों की भूमि की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया। इस पोशाक के जरिए भारतीय दल ने देश की सांस्कृतिक विरासत और खेल महत्वाकांक्षाओं को एक साथ प्रस्तुत किया। भारत इन खेलों में २८१ सदस्यीय दल उतार रहा है जिसमें १६८ खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें ११२ पुरुष और ५६ महिलाएं हैं जो ११ खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इन खेलों का समापन २४ अक्तूबर को होगा। प्रतियोगिता में ४५ देशों के लगभग ३००० खिलाड़ी 'इमैजिन वन हार्ट' के ध्येय वाक्य के तहत हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने २०२३ में हांगझोउ में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। भारतीय दल पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा था और उसने रेकार्ड १११ पदक जीते थे जिनमें २९ स्वर्ण, ३१ रजत तथा ५१ कांस्य पदक थे। आधिकारिक उद्घाटन रविवार को हुआ, लेकिन कुछ खेलों के मुकाबले इससे पहले ही शुरू हो गये थे।



प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पैरा एशियन गेम्स २०२६ में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। जापान के आइची-नागोया में आयोजित खेलों का आगाज भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर भारतीय दल को शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों के जज्बे, समर्पण और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने लिखा पैरा एशियन गेम्स २०२६ की शुरुआत के साथ मैं भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को अपने पैरा-अथलीटों पर गर्व है। उनका साहस, समर्पण और कभी हार न मानने वाला जज्बा १४० करोड़ भारतीयों को प्रेरित करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा ने थामा तिरंगा

५३ गेंद में ही शृंखला फतह

शेफाली का अर्द्धशतक, भारत ने दूसरे महिला टी-२० में जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराया

रायपुर (आससे)। निक्की प्रसाद (२-७) की अगुवाई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा (५५) के विस्फोटक अर्द्धशतक और उनकी कप्तान स्मृति मंधाना (अजेय ४७) के साथ पहले विकटे के लिए ४७ गेंद में की गयी ९६ रन की साझेदारी के दम पर भारत ने रविवार को ६७ गेंद शेष रहते जिम्बाब्वे को दूसरे टी-२० मुकाबले में नौ विकेट से पराजित कर तीन मैचों की शृंखला में २-० की अजेय बढ़त ले ली। जिम्बाब्वे को २० ओवर में आठ विकेट पर १०२ रन के मामूली स्कोर पर रोकने के बाद भारत ने ८.५ ओवर में ही केवल एक विकेट खोकर १०४ रन बना लिए। भारत को १०३ रन का छोटा सा लक्ष्य मिला था जिसके सामने शेफाली वर्मा और कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम को तूफानी शुरुआत दी। दोनों ने २२ गज की पट्टी पर कदम रखते ही जिम्बाब्वे की गेंदबाजों को अपनी जद में ले लिया और बड़े-बड़े शाट लगाने लगी जिसका नतीजा रहा कि मेंहमान गेंदबाज दबाव में आ गयी और स्कोर बोर्ड पर भारत के खाते में तेजी से जुड़ने लगे। जिम्बाब्वे की कप्तान ने इस जोड़ी को तोड़ने के लिए बदल-बदल कर गेंदबाजों को मोरचे पर लगाया लेकिन उनकी रणनीति दोनों पर कारगर नहीं रही। आतिशी बल्लेबाजी का नतीजा रहा कि भारत ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए ७६ रन बना लिए। शेफाली और मंधाना जिस अंदाज से खेल रही थी लग रहा था कि यह जोड़ी ही बिना जुदा हुए शृंखला फतह करा देगी लेकिन भारत जब जीत से सात रन दूर था जोड़ी टूट गयी। इसे तोड़ा बेलोवेद विजा ने शेफाली वर्मा को पवेलियन लौटा कर। शेफाली ने २५ गेंद में छह चौके, चार छक्के की मदद से ५५ रन बनाये और मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए ४७ गेंद में ९६ रन की साझेदारी की। इसके बाद मंधाना ने अनुष्का शर्मा (एक) के साथ आठ रन जोड़ कर भारत का स्कोर ८.५ ओवर में एक विकेट पर १०४ रन कर दिया। मंधाना ने २५ गेंद में छह चौके, दो छक्के की मदद से ४७ रन बनाये। इससे पहले टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली जम्बाब्वे की टीम पूरे समय अपनी पारी को गति देने के लिए संघर्ष करती रही। तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु को ११ गेंद में बिना खाता खोले बोल्ड कर दिया जिससे जिम्बाब्वे टीम की शुरुआत बिगड़ गयी। शुरुआती झटके से जिम्बाब्वे की बल्लेबाज सहम गयी और रन बनाने के लिए संघर्ष करने लगी नतीजा रहा कि पावरप्ले में टीम एक विकेट गंवाकर केवल २० रन ही बना सकी। इस दौरान टीम ने सिर्फ एक चौका लगाया जो पावरप्ले की आखिरी गेंद पर आया। फिर बिलव्ड बिजा (सात) भी आउट हो गयी। इसके बाद कप्तान जोसफिने और चिपो टिरिपानो ने चौथे विकेट के लिए ४५ रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की। इस दौरान चिपो टिरिपानो को २० और २२ रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला। उन्होंने भारत की प्रमुख बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी के खिलाफ लगातार दो रिवर्स स्वीप चौके भी लगाए। इस साझेदारी के दौरान जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने सात चौके लगाए और सातवें से १५वें ओवर के बीच ५६ रन जोड़े। हालांकि आफ स्पिनर निकी ने चिपो टिरिपानो को ऋचा घोष के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ दिया। टिरिपानो ने ३४ रन के लिए ३२ गेंद खेली जिसमें पांच चौके शामिल रहे। निकी ने नयाशा ग्वानजुरा (शून्य) को पगबाधा आउट किया। वह हैटट्रिक की कोशिश में थीं लेकिन यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सकीं। हालांकि तब तक भारत मैच पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर चुका था। लगातार विकटों के गिरने के सिलसिले के बीच कप्तान जोसेफिन नकोमो ने ३५ गेंद में दो चौके की मदद से अजेय २७ रन बनाये जिससे जिम्बाब्वे की टीम २० ओवर में आठ विकेट पर १०२ रन बनाने में सफल हो सकी। निक्की प्रसाद ने सात रन देकर दो, क्रांति गौड़, नंदिनी शर्मा, दीप्ति शर्मा और श्रीचरणी ने एक-एक विकेट लिया।

जसकरण, चंदरमोहन कांस्य पदकके करीब

लास वेगास (एजेन्सियां)। जसकरण सिंह और चंदरमोहन ने लास वेगास में चल रही अंडर-२३ विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में अपने-अपने भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबलों में जगह बनायी जबकि रोहित और शिवम रेपेचेज के जरिए पदक की दौड़ में बने हुए हैं। जसकरण ने ६५ किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर लगातार दो जीत दर्ज कीं। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के पहलवान बोवेन विलियम बैसेट को ६-३ से हराया। हालांकि सेमीफाइनल में जसकरण को जापान के कैजी ओगिनो के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। अब वह कांस्य पदकके लिए मुकाबला करेंगे। चंदरमोहन ने भी ७९ किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल तक शानदार प्रदर्शन करने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई। उन्होंने शुरुआती मुकाबले में जॉर्जियाके जार्जी गोग्रिचियानी को १४-४ से हराया जबकि अगले मुकाबलेमें ब्राजील के काइडिन लुक कोरिया लीमा को १४-० से शिकस्त दी। इसके बाद उन्होंने अमेरिकाके जोसेफ ली सीली को ११-० से हराकर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर एक और जीत दर्ज की।

रिंकू का फिर शतक, संभला यूपी

रणजी ट्राफी गिल ने किया निराश



कानपुर/ मुल्लापुर (एजेन्सियां)। रिंकू सिंह (अजेय ११८) ने एक और शतकीय पारी खेल कर उत्तर प्रदेश को मुश्किल स्थिति से उबारा तो लेकिन रविवार को रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप के मुकाबले में उसकी पहली पारी २०२ रन पर सिमट गयी जिसके जबाव में गोवा ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक बिना कोई विकेट खोए ४३ रन बना लिए।संटंप के समय विकेटकीपर बल्लेबाज शिवेंद्र भुजबल ३९ गेंद में ३१ रन जबकि सुयश प्रभुदेसाई १२ रन बनाकर खेल रहे थे। उत्तर प्रदेश की शुरुआत खराब रही। अभिषेक गोस्वामी (पांच), आर्यन जुयाल (१४) और कप्तान करण शर्मा (शून्य) सस्ते में आउट हो गये जिससे टीम का स्कोर तीन विकेट पर ३३ रन हो गया। माधव कौशिक ने ९६ गेंद में ४५ रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन शुभम तारी ने उन्हें आउट कर दिया। इससे उत्तर प्रदेश का स्कोर चार विकेट पर ९० रन हो गया। इसके बाद रिंकू ने एक छोर संभाले रखा जबकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। निचले क्रम के बल्लेबाजों से उन्हें ज्यादा सहयोग नहीं मिला लेकिन उन्होंने टीम को २०० रन के पार पहुंचाया। रिंकू ११ चौके और दो छक्के की मदद से ११८ रन की पारी खेल कर नाबाद लौटे। लेग स्पिनर यश कसवणकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने २५ ओवर में ८६ रन देकर पांच विकेट लिए। रुत्विक नाइक ने दो विकेट हासिल किए जबकि तारी और ललित यादव को एक-एक विकेट मिला। वहीं एक अन्य मैच में बिहार के १६६ रन पर सिमटने के बाद बड़ौदा ने दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर ७७ रन बना लिए थे। ग्रुप ए के एक अन्य मुकाबले में पुडुचेरी की टीम ६५.२ ओवर में १७७ रन पर सिमट गयी इसके जवाब में मध्य प्रदेश ने २० ओवर में दो विकेट पर २३ रन बना लिए।। मध्य प्रदेश की टीम अभी १५४ रन पीछे है और उसे दूसरे दिन अंतर कम करने के लिए बड़ी साझेदारी की जरूरत होगी। गत चैम्पियन जम्मू-कश्मीर की टीम ग्रुप ए के एक अन्य मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए ८२.५ ओवर में २६० रन पर सिमट गयी। विदर्भ की टीम दूसरे दिन अपनी पहली पारी शुरू करेगी और उसके पास पहली पारी में बढ़त हासिल करने का मौका होगा।वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की घरेलू क्रिकेट में वापसी केवल पांच गेंदों तक ही सीमित रही लेकिन पंजाब ने कप्तान उदय सहारन के नाबाद १०६ रन की मदद से शानदार वापसी करके ग्रुप बी के मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाफ चार विकेट पर २६९ रन बना लिए। पंजाब ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। विहान मल्होत्रा और हरनूर सिंह ने पहले विकेट के लिए ५५ रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। लेकिन यह दोनों १० रन के अंदर आउट हो गए जिससे पंजाब का स्कोर दो विकेट पर ६५ रन हो गया लेकिन उसे सबसे बड़ा झटका तब लगा जब न्यूजीलैण्ड दौरे से पहले लंबी अवधि के प्रारूप में खेल रहे गिल (एक) आते ही पवेलियन लौट गये। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर अजय मंडल ने अंदर आती गेंद पर बोल्ड किया। इससे पंजाब का स्कोर तीन विकेट पर ६८ रन हो गया। लेकिन सहारन ने उसके लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई। उन्हें प्रभसिमरन सिंह (६२) के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए १३० रन की साझेदारी की। प्रभसिमरन स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा के हाथों आउट हो गये लेकिन सहारन और सलिल अरोड़ा (नाबाद ३८) ने इसके बाद कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इस ग्रुप के एक अन्य मैच में कर्नाटक ने सौराष्ट्र के खिलाफ पहले दिन आठ विकेट पर २८१ रन बनाये। अलूर में खेले जा रहे इस मैच में उसकी तरफ से दूसरा प्रथम श्रेणी मैच में खेल रहे मनवंत कुमार ने नाबाद ८६ रन बनाए। कर्नाटकके लिए केवी अनीश ने भी ५९ रनका योगदान दिया। बिलासपुरमें तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे के चार विकेटकी मददसे मुम्बईने ग्रुप डी मुकाबलेमें हिमाचल प्रदेशकी पहली पारी को १४० रन पर समेटकर बढ़त हासिल करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाये। दिनका खेल समाप्त होने तक मुम्बईने ३६ ओवर में दो विकेट पर १०७ रन बना लिए हैं। देशपांडे ने ४६ रन देकर चार विकेट चटकाए।

हार्दिक की जगह लेना आसान नहीं

-सुनील गावसकर



नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज कमेंटेटर सुनील गावसकर का मानना है कि हार्दिक पंड्या की जगह लेना आसान नहीं है। ऐसे में भारत को उनके विकल्प तलाशने की कोशिश करने की जगह टीम को ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहिए जो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकें। उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। पूर्व सलामी बल्लेबाज गावसकर ने कहा कि भारत को चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैच में उतरना चाहिये जबकि ऐसे हरफनमौला खिलाड़ियों को पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका निभानी चाहिये जो बल्लेबाजी में भी योगदान दे सकें। बल्लेबाजी क्रम को लंबा करने के लिए गेंदबाजी की मजबूती से समझौता नहीं करना चाहिए। वेस्टइण्डीज के खिलाफ शनिवार रात बेंगलुरु में पांचवां और अंतिम टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण रद होने के बाद गावसकर ने कहा हम कभी-कभी हार्दिक पंड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनकी क्षमता का खिलाड़ी नहीं मिलता है तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़िए, जो टीम के लिए थोड़ी अलग भूमिका निभा सके। पांच मैचों की यह शृंखला २-२ से बराबर रही। गावसकर ने नमन धीर का उदाहरण देते हुए कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देकर अलग भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह कर रहे हैं और पांचवें मैच में उनकी बल्लेबाजी भी देखिए। गावसकर ने बारिश से प्रभावित निर्णायक मुकाबले में धीर की छह गेंदों पर नाबाद २४ रन की पारी का जिक्र किया। इस मैच में केवल ७.४ ओवर का खेल हो सका था। उन्होंने कहा इस शृंखला से यह सीख मिलती है कि गेंदबाजी में भारतको कमसे कम चार नियमित गेंदबाजोंके साथ उतरना चाहिए। पांचवां और छठा विकल्प आलराउंडर हो सकते हैं जो बल्लेबाजी भी कर सकें। नमन बल्लेबाज है लेकिन वह दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकता है। अक्षर ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं। उन्होंने कहा जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी लेकर उतरते हैं, तो अपनी गेंदबाजीको कमजोर कर देते हैं और इसी वजह से आपको हारका सामना करना पड़ता है। बारिशके कारण निर्णायक मुकाबला रद होने पर गावसकर ने निराशा जताई। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय गेंदबाजोंको छोटे मैचमें परखने का मौका नहीं मिल सका।

सौ पदक जीतना भारत का लक्ष्य-सत्यनारायण

नागोया (एजेन्सियां)। पैरा अथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने खिलाड़ियों की तैयारियों और उनके जज्बे पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य यहां एशियाई पैरा खेलों में १०० पदक जीतना है। खेलों का आधिकारिक आगाज रविवार को हुआ लेकिन बैडमिण्टन, टेबल टेनिस और बोकिया सहित कुछ स्पर्धाएं कुछ दिन पहले ही शुरू हो गयी। भारत ने २०२३ में हांगझोउ में हुए पिछले एशियाई पैरा खेलों में रेकार्ड १११ पदक जीते थे। जापान में १८ से २४ अक्टूबर तक होने वाले इन खेलों के पांचवें आयोजन में भारत ने १६८ खिलाड़ियों का दल उतारा है। पिछली बार भारत के दल में ३०० से अधिक खिलाड़ी शामिल थे। सत्यनारायण ने कहा कि खिलाड़ी उत्साहित हैं और अपनी तैयारियों को पदकों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा हम भारत के लिए लगभग १०० पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं और हमें विश्वास है कि हमारे खिलाड़ियों में इसे हासिल करने की क्षमता और दृढ़ संकल्प है।



एकता ने जीते तीन स्वर्ण

नयी दिल्लीर (एजेन्सियां)। भारत की एकता बिश्नोई ने अमेरिका में आयोजित विश्व मास्टर्स क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। जानकारी के मुताबिक यह पहला मौका है जब इस चैम्पियनशिप के 'मास्टर्स-दो' वर्ग में किसी भारतीय महिला पावरलिफ्टर ने स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) की अधिकारी एकता के लिए सरकारी जिम्मेदारियों के साथ खेल में सक्रिय रहना आसान नहीं रहा। इसके बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह उपलब्धि हासिल की। एकता के कोच सुनील कुमार ने बताया कि उन्होंने एकता को वैज्ञानिक और परिणाम-केंद्रित प्रशिक्षण दिया था। प्रतियोगिता के लिए सुनील कुमार को अमेरिका का वीजा नहीं मिल सका। इसके बावजूद एकता ने वीडियो काल और टीम अधिकारी बिनु इब्राहिम के माध्यम से उनके मार्गदर्शन में अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया और ऐतिहासिक सफलता हासिल की। एकता ने कुल ३६२.५ किलोग्राम वजन उठाकर जापान और कनाडा की खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा और स्वर्ण अपने नाम किया।

कैरेबियाई क्रिकेट का कोई बने आर्थिक सहारा

-डेरेन सैमी



बेंगलुरु (एजेन्सियां)। वेस्टइण्डीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ कांटे की टक्कर वाली शृंखला से प्रायोजकों के साथ बेहतर बातचीत का रास्ता खुलेगा और आर्थिक संकट से जूझ रहे वेस्टइण्डीज क्रिकेट में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि किसी को आर्थिक रूप से कैरेबियाई क्रिकेट का सहारा बनना होगा। वेस्टइण्डीज ने भारत दौरे पर सीमित ओवरों की शृंखलाओं में भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी। टीम एकदिवसीय शृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद १-२ से पिछड़ गयी जबकि पांच मैचों की टी-२० शृंखला २-२ से बराबर रही। सैमी इस प्रदर्शन को अपने देश के क्रिकेट की आर्थिक स्थिति सुधारने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। वेस्टइण्डीज क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के १९९७ में अपनाये गये मौजूदा राजस्व बंटवारा माडल के तहत आर्थिक रूप से टिके रहने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सैमी ने पांचवां और अंतिम टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण रद होने के बाद कहा मेरी मां हमेशा कहती थीं कि आपके भीतर दूसरों की परवाह करने का भाव होना चाहिए। जिंदगी में आप कुछ भी करें इस भावना को कभी नहीं खोना चाहिए। मुझे लगता है कि अब वेस्टइण्डीज क्रिकेट को किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो आर्थिक रूप से उसका सहारा बने। उन्होंने कहा भारत में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ इस तरह की शृंखला खेलने से हमें उन लोगों के साथ बेहतर स्तर पर बातचीत करने का अवसर मिलता है जो हमारी मदद कर सकते हैं। सैमी ने भारत और वेस्टइण्डीज क्रिकेट की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि मजबूत आर्थिक व्यवस्था और योजनाबद्ध विकास से टीम के प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है। उन्होंने कहा भारत जब भी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने जाता है तो उससे विश्वकप जीतने की उम्मीद की जाती है। भारतीय टीम भी जीतने की अपेक्षा के साथ उतरती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्होंने इसके लिए जरूरी व्यवस्थाएं तैयार की हैं। उन्होंने कहा वेस्टइण्डीज जब किसी टूर्नामेंट में खेलने जाता है तो उसे तमाम चुनौतियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करना पड़ता है। इन दोनों स्थितियोंमें बड़ा अंतर है। एक तरफ जरूरी व्यवस्थाएं मौजूद हैं जबकि दूसरी तरफ चुनौतियोंसे जूझते हुए प्रदर्शन करना पड़ता है। इसके बावजूद हम आगे बढ़ रहे हैं। सैमीको उम्मीद है कि भारतके खिलाफ इस प्रदर्शनके बाद क्रिकेट वेस्टइण्डीज प्रायोजकों और अन्य हितधारकोंके साथ अधिक भरोसेके साथ बातचीत कर सकेगा।

गोल्फ : चाकारा चैम्पियन

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। स्पेन के गोल्फर यूजीनियो चाकारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां दो शॉट के अंतर से डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप का खिताब जीता जबकि भारतीय खिलाड़ियों में अनिर्बान लाहिड़ी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह संयुक्त २३वें स्थान पर रहे। चाकारा के लिए दिल्ली गोल्फ क्लब में रविवार का दिन काफी व्यस्त रहा। खराब मौसम से प्रभावित इस टूर्नामेंट के अंतिम दिन उन्होंने २५ होल खेले। इसके बावजूद उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और इस सत्र का अपना तीसरा डीपी वर्ल्ड टूर खिताब जीतकर रेस टू दुबई रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए। उन्होंने अंतिम राउंड में दो अंडर ७० का स्कोर बनाकर २१ अंडर २६७ के साथ खिताब अपने नाम किया। न्यूजीलैण्ड के डेनियल हिलियर ने अंतिम समय में जोरदार चुनौती पेश करते हुए चाकारा की छह शॉट की बढ़त को घटाकर दो शाट कर दिया। उन्होंने १९-अंडर के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चाकारा ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और कुल मिलाकर अपना चौथा डीपी वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना चुनौतीपूर्ण

-तिलक वर्मा



नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय टी-२० टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने वेस्टइण्डीज के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी-२० मुकाबले के बाद अपनी बल्लेबाजी की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि बल्लेबाजी क्रम में ऊपर से नीचे आना चुनौतीपूर्ण है लेकिन वह इस नयी जिम्मेदारी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। तिलक ने कहा नंबर तीन से नंबर पांच और छह पर अपनी बल्लेबाजी की भूमिका बदलना इतना आसान नहीं है। लेकिन मैं इस पर काम कर रहा हूं। मैं यह सीखने की कोशिश कर रहा हूं कि मैच को कैसे खत्म करना है। मैंने हमेशा कहा है कि मुझे देश के लिए मैच फिनिश करना पसंद है। उन्होंने कहा अगर व्यक्तिगत तौर पर देखें तो मेरे लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना आसान होगा लेकिन दुर्भाग्य से अब मुझे नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है क्योंकि शीषक्रम में फिलहाल हमारा संयोजन ऐसा है। ईशान किशन की टीम में वापसी, नंबर चार पर कप्तान श्रेयस अय्यर की मौजूदगी और अभिषेक शर्मा के साथ संजू सैमसन की ओपनिंग जोड़ी को बरकरार रखने के फैसले के कारण तिलक को बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरना पड़ा है। तिलक वर्मा ने छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नौ मैचों में ६५.६६ की औसत और १९५ के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं पांचवें और छठे नंबर पर मिलाकर २६ पारियों में उनका औसत ४६ और स्ट्राइक रेट १५८ रहा है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी तिलक ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। अब उनकी कोशिश इस भूमिका में निरंतरता बनाए रखने और टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालने की होगी। तिलक वर्मा ने बताया कि निचले मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के लिए बल्लेबाज को कम समय में तेजी से रन बनाने की क्षमता विकसित करनी होती है। इसके लिए वह नेट्स में अपने शाट्स और तकनीक पर लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा हमें ऐसा करना ही होगा, नहीं तो यह भूमिका थोड़ी मुश्किल हो जायेगी। जब आप फिनिशर के तौर पर बल्लेबाजी करने उतरते हैं और गेंदबाज धीमी गेंद आपके शाट खेलने के दायरे में डालता है तो आपको उसे छक्के के लिए भेजने की क्षमता रखनी चाहिए। तिलक ने कहा टी-२० क्रिकेट में पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते समय अक्सर आपको पांच से छह ओवर ही खेलने के लिए मिलते हैं। इसलिए मैंने व्यक्तिगत तौर पर अपने खेल में बदलाव किया है। बचपन में भी मैं इस तरह की भूमिका निभा चुका हूं। मेरे पास मैदान के चारों ओर शॉट खेलनेकी क्षमता है। तिलक ने कहा कि भारतीय टीम ने वेस्टइण्डीज के खिलाफ शृंखला के दौरान अपनी गेंदबाजी की भी समीक्षा की है।

छत्तीसगढ़ समाचार.....

नारी शक्ति के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री



रायपुर (आ.स.से.)। नवरात्रि का पावन पर्व शक्ति की आराधना के साथ नारी शक्ति के सम्मान, सामाजिक एकता और हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। हमारी सरकार इसी भावना के अनुरूप माताओ. "-बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महिलाओं की प्रगति केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश की प्रगति का आधार है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा एवं नवरात्रि महोत्सवों में शामिल होकर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कालीबाड़ी स्थित मां काली मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही वे मंडी परिसर में श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज द्वारा आयोजित श्री पाटीदार नवरात्रि महोत्सव, भानपुरी में श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के गरबा समारोह, गोवर्धन नगर में श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव तथा अमलीडीह क्षेत्र में आयोजित ढोलिडा रास गरबा-2026 सहित विभिन्न आयोजनों में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत वातावरण निर्मित होता है। नौ दिनों तक शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, सकारात्मकता और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और समरसता की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गरबा केवल नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि मां दुर्गा के प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति की सुंदर अभिव्यक्ति है। गुजरात से प्रारंभ हुई गरबा की समृद्ध परंपरा आज पूरे देश में उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व और त्योहार समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। अलग-अलग समाज और समुदाय जब एक साथ उत्सव मनाते हैं, तो आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना और मजबूत होती है। यही हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। छत्तीसगढ़ में भी सभी समाजों ने अपनी परंपराओं और संस्कृति को सहेजते हुए प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने गरबा महोत्सवों में माताओं, बहनों और बेटियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मातृशक्ति की भागीदारी से ऐसे आयोजन और अधिक सुंदर तथा गरिमामय बनते हैं। नवरात्रि का पर्व हमें नारी शक्ति के सम्मान के साथ उनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता राशि सीधे अंतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है, बल्कि माताओं-बहनों के आत्मविश्वास और निर्णय लेने की उनकी स्वतंत्रता को मजबूत करने का माध्यम भी बनी है। हमारी माताएं-बहनें इस राशि का उपयोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, बचत और परिवार की जरूरतों के लिए कर रही हैं। जब महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माताओं-बहनों के चेहरे पर आत्मविश्वास और संतोष देखकर सरकार को भी अपने प्रयासों की सार्थकता का अनुभव होता है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ की प्रत्येक महिला को आगे बढ़ने के अवसर मिलें और वह प्रदेश के विकास में अपनी पूरी क्षमता के साथ भागीदारी कर सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश की 14 लाख बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की महिलाओं की मेहनत, लगन, उद्यमशीलता और सामर्थ्य का प्रमाण है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि गांव और समाज की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य आने से परिवारों में खुशहाली आती है, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की गति तेज होती है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारी मातृशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार महिलाओं को स्वावलंबी बनाने, कौशल विकास, आजीविका और उद्यमिता के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की पावन धरती है। यह मां दंतेश्वरी, मां बम्लेश्वरी, मां महामाया और मां चंद्रहासिनी जैसी आराध्य देवियों की भूमि है। प्रदेश में सदियों से शक्ति की उपासना और देवी आराधना की गौरवशाली परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी से लेकर डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी, रतनपुर में मां महामाया और चंद्रपुर में मां चंद्रहासिनी के दरबार तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। गांव-गांव और शहर-शहर में ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होते हैं और पूरा छत्तीसगढ़ माता की भक्ति में सराबोर हो जाता है। यह हमारी गहरी धार्मिक आस्था के साथ प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की विशिष्ट पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में प्रकृति, आस्था, लोकजीवन और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। हमारे तीज-त्योहार और धार्मिक परंपराएं पीढ़ियों को आपस में जोड़ती हैं। इन्हें सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

योगीने किसानों के बच्चों के लिए दोगुनी की कृषि छात्रवृत्ति की सीटें

लखनऊ (आससे)। किसानों की अगली पीढ़ी को कृषि शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में योगी सरकार ने मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाया है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की इस योजना के तहत छात्रवृत्ति की निर्धारित सीटों को दोगुना कर दिया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इस विस्तार से प्रदेश के अधिक मेधावी किसान परिवारों को उच्च कृषि शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी।संशोधित व्यवस्था के तहत प्रत्येक कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि संस्थान में छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों की निर्धारित संख्या 45 से बढ़ाकर 90 और प्रत्येक कृषि महाविद्यालय में 15 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है। इस प्रकार योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति की कुल निर्धारित संख्या 1,410 से बढ़कर 2,820 हो गई है। पात्र विद्यार्थियों को अब सालाना 60 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।योगी सरकार की इस पहल से आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण उच्च शिक्षा में चुनौतियों का सामना करने वाले किसान और खेतिहर मजदूर परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को सहारा मिलेगा। साथ ही कृषि, उद्यान, वानिकी और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित कर प्रदेश में कृषि आधारित ज्ञान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का अवसर मिलेगा।मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति की मासिक राशि तीन हजार रुपये से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी गई है। इसके परिणामस्वरूप चयनित विद्यार्थियों को अब सालाना 36 हजार रुपये के स्थान पर 60 हजार रुपये मिलेंगे। यानी, प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिवर्ष 24 हजार रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी और परिवार पर आर्थिक दबाव भी कम हो सकेगा।

यूपी के पांच जिलों में लगेगा आकाशीय विद्युत चेतावनी सेंसर

लखनऊ (आससे)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि को कम करने के लिए तकनीक आधारित व्यवस्था मजबूत की जा रही है। इसी क्रम में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे के सहयोग से प्रदेश के 5 जिलों में आकाशीय बिजली का पता लगाने वाले सेंसर स्थापित किए जा रहे हैं। एटा, मेरठ, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी और सोनभद्र में लग रहे ये सेंसर बिजली गिरने की गतिविधियों का तेजी से पता लगाने और समय रहते चेतावनी जारी करने में मदद करेंगे। इससे लोगों को सतर्क करने और संभावित हादसों से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने का समय मिल सकेगा।राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक इस पहल का प्रमुख उद्देश्य आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि को कम करना और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को अधिक प्रभावी बनाना है। बारिश के मौसम में खेतों में काम करने वाले किसानों, खुले स्थानों पर काम करने वाले मजदूरों, ग्रामीणों और पशुपालकों को आकाशीय बिजली का सबसे अधिक खतरा रहता है। ऐसे में समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंच सकते हैं। साथ ही स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़ी एजेंसियों को भी आवश्यक सावधानियां बरतने में मदद मिलेगी।आकाशीय बिजली से बचाव के लिए सोनभद्र जिले में भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। दुद्धी ब्लॉक के 32 गांवों में 1.33 करोड़ रुपये से आकाशीय बिजली की पूर्व चेतावनी के लिए 'लाईटनिंग डिटेक्शन एवं अर्ली वार्निंग सिस्टम' स्थापित किया जा रहा है।



बलूचिस्तान में आठ आतंकी ढेर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाये गये तीन अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार, आतंकवादियों के इलाके में छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को प्रांत के क्वेटा, नुश्की और खुजदार जिलों में ये अभियान चलाये गये। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि क्वेटा जिले के पंजपई इलाके में एक अभियान के दौरान पांच आतंकवादी मारे गये। बयान के अनुसार, नुश्की जिले में एक अन्य अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर धावा बोला। इस दौरान भीषण गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गये।

अब आकाश आनंद के जिम्मे होंगी जनसभाएं, सम्मेलन-मायावती

लखनऊ (आससे)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संगठन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक विस्तृत बयान जारी किया है। उन्होंने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की परिपक्वता और मेहनत की सराहना करते हुए उनके लेने के बाद, बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद काफी सूझबूझ और परिपक्वता (मैच्योरिटी) का परिचय दे रहे हैं। वे परिवार और रिश्ते-नातों से ऊपर उठकर बसपा पार्टी व मूवमेंट के



कार्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी मेहनत से निभा रहे हैं। यूपी, पंजाब और उत्तराखंड में जनसभा 28 अक्टूबर बुलंदशहर,2 नवंबर सहारनपुर 20 नवंबर अयोध्या,22 नवंबर आगरा , 29 नवंबर कानपुर नगर 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर पंजाब में आयोजित विचार संगोष्ठी समारोह 06 दिसंबर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर हरिद्वार (उत्तराखंड) में जनसभा मायावती ने स्पष्ट किया कि पिछले दिनों हुए अप्रिय घटनाक्रमों के लिए आकाश आनंद कम और उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ ज्यादा जिम्मेदार थे। इसी वजह से अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर कर राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी गई थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए कहा कि इन अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें कि अशोक सिद्धार्थ को दोबारा पार्टी में लिया जाएगा। उन्हें अब किसी भी स्थिति या कीमत पर बसपा में वापस नहीं लिया जाएगा।

ईशान को दी गयी दिल्ली की जिम्मेवारी

आगामी जनसभा कार्यक्रमों की सूची जारी की है, जबकि उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी की सभी संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे भतीजे ईशान आनंद की भी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सक्रिय भूमिका की घोषणा की है। मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास

कोलकाता पूजा पंडाल हादसे के घायलों से मिले अमित शाह

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता के कालीघाट में दुर्गा मंदिर में दर्शन के बाद चोरबागान दुर्गा पंडाल हादसे के पीड़ितों से मिलने अपोलो अस्पताल पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलकर उनका हाल जाना। चोरबागान दुर्गा पंडाल में मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले अमित शाह ने कालीघाट स्थित दुर्गा मंदिर में दर्शन किए। वहीं, भगदड़ के मामले में पुलिस ने पूजा समिति के सचिव और उपाध्यक्ष समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में पूजा समिति के सचिव और उपाध्यक्ष के अलावा बांस का ढांचा बनाने, भीड़ नियंत्रित करने, वीआईपी पास की जांच करने और निजी सुरक्षा व्यवस्था संभालने से जुड़े लोग शामिल हैं। पुलिस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राज कुमार सेवड़ा उर्फ राजा (48), शांतनु दुबे (55), बिप्लब मुखर्जी उर्फ जॉय (48), कौशिक साहा (53), पिंटू डे (51), सुमन चक्रवर्ती (30) और राजेश पाल (29) के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अचानक बारिश शुरू होने के बाद लोग बचने के लिए पंडाल के अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान एग्जिट गेट के पास भीड़ का दबाव बढ़ गया और मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती इनपुट में प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी की ओर से सीटी बजाने और माइक पर वीआईपी पास से संबंधित घोषणा किए जाने का भी जिक्र किया गया है। पंडाल के एंट्री और एग्जिट मार्गों की चौड़ाई, भीड़ प्रबंधन तथा सुरक्षा इंतजामों की जांच की जा रही है। इससे पहले अमित शाह ने रविवार सुबह कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर अपोलो अस्पताल पहुंचे। बता दें कि नॉर्थ कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम बारिश के बीच अचानक भीड़ बढ़ने से भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।

टाटा ट्रस्ट देशभर में खोलेगा 40 से 50 नये अस्पताल

मुंबई (आससे)। टाटा ट्रस्ट देशभर में 40 से 50 गैर-लाभकारी सामान्य अस्पतालों का नेटवर्क बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इस मॉडल में इलाज का खर्च उठाने में सक्षम मरीजों से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल उन लोगों के इलाज में मदद के लिए किया जाएगा, जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने वित्त वर्ष 2025-26 की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य सिर्फ पैसा खर्च करना नहीं, बल्कि ऐसे संस्थान बनाना है जो लंबे समय तक समाज के काम आएं। नोएल टाटा ने अपने संदेश में कहा कि अब यह पूछना काफी नहीं है कि ट्रस्ट ने कितना पैसा खर्च किया या कितना योगदान दिया। उन्होंने कहा, टाटा ट्रस्ट ने 2026 से 2031 के लिए पांच साल की स्वास्थ्य योजना तैयार की है। इसके तहत करीब 75 ब्लॉक में 25 लाख लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और 100 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। नोएल टाटा ने कहा कि संस्था उन परिवारों की मदद जारी रखेगी, जो गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट का सामना करते हैं। इसके साथ ही कैंसर के इलाज की सुविधाओं को लोगों के घरों के करीब पहुंचाने के लिए विकेंद्रीकृत कैंसर देखभाल व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा। टाटा ट्रस्ट की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में उसके कैंसर देखभाल कार्यक्रमों के तहत 1,06,626 मरीजों ने ओपीडी में परामर्श लिया। इस दौरान मरीजों के इलाज के लिए कीमोथेरेपी के 24,874 चक्र पूरे किए गए और 2,879 सर्जरी की गईं। संस्था का उद्देश्य कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज को मरीजों के लिए अधिक सुलभ बनाना है, ताकि उन्हें इलाज के लिए अपने घर से बहुत दूर न जाना पड़े और जरूरतमंद परिवारों को सहायता मिल सके। नोएल टाटा ने कहा कि भारत के कई प्रतिभाशाली युवा ऐसे अवसरों की तलाश में विदेश चले जाते हैं, जो उन्हें अपने देश में नहीं मिल पाते। उनके मुताबिक, भारत को ऐसे और संस्थानों की जरूरत है, जो युवाओं की प्रतिभा को निखारें और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि टाटा ट्रस्ट राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों को विकसित करने में पहले भी भूमिका निभाता रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। जरूरत पड़ने पर दूसरे परोपकारी संगठनों और समान सोच रखने वाली संस्थाओं के साथ साझेदारी भी की जा सकती है। नोएल टाटा ने संस्थान बनाने की परंपरा का जिक्र करते हुए भारतीय विज्ञान संस्थान , टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च और टाटा मेमोरियल अस्पताल का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों का निर्माण इस सोच को दिखाता है कि समाज के लिए ऐसे संस्थान खड़े किए जाएं, जो लंबे समय तक लोगों की जरूरतों को पूरा कर सकें। टाटा ट्रस्ट भविष्य में भी इसी तरह के संस्थानों को बढ़ावा देने और देश में प्रतिभाशाली लोगों के लिए बेहतर अवसर तैयार करने पर ध्यान देगा।

अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले पर चला बीएमसी का बुलडोजर

जुहू स्थित अभिनेता अजय देवगन के बंगले पर बीएमसी ने कार्रवाई करते हुए उसके अंदरूनी हिस्से में किए गए अनधिकृत निर्माण को बुलडोजर से तोड़ दिया है। यह कार्रवाई कपोल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (जेवीएनपी स्कीम, एन एस रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में बने 7,802 वर्ग फुट के बंगले में बिना अनुमति किए जा रहे बदलावों और निर्माण कार्यों को लेकर की गई। बीएमसी के अनुसार, बंगले के भीतर बिना जरूरी मंजूरी के सिपोरेक्स ब्लॉक का इस्तेमाल कर दीवारों, खिड़कियों और अन्य ढांचागत हिस्सों में बदलाव किया जा रहा था। इस सिलसिले में बीएमसी के बिल्डिंग प्रपोजल विभाग ने मुंबई महानगरपालिका अधिनियम (1888) की धारा 354ए के तहत 10 सितंबर 2026 को काम रोकने का नोटिस दिया था। देवगन परिवार की ओर से जवाब के लिए चार हफ्ते का समय मांगा गया था, लेकिन तय सीमा बीत जाने के बाद भी कोई दस्तावेज या जवाब पेश नहीं किया गया और काम चुपचाप जारी रहा। आखिरकार, बिना अनुमति हो रहे इस निर्माण पर बीएमसी की टीम ने मौके पर पहुंचकर तोड़फोड़ की कार्रवाई की।



कश्मीर में सर्दियों से पहले बिजली की कमी

जम्मू (आससे)। शीत ऋतु के आगमन के साथ ही कश्मीर में लगभग 300 मेगावाट बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आगामी शीत ऋतु के चरम महीनों के लिए क्षेत्र की तैयारियों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि घाटी में वर्तमान में पीक आवर्स के दौरान बिजली की मांग लगभग 1,300 से 1,350 मेगावाट के बीच बनी रहती है, जबकि उपलब्धता 1,000 से 1,150 मेगावाट के बीच घटती-बढ़ती रहती है। अधिकारी ने बताया कि बिजली की उपलब्धता आपूर्ति की स्थिति के आधार पर बदलती रहती है, जिसके परिणामस्वरूप मांग और उपलब्धता में अंतर आ जाता है। अधिकारी ने आगे कहा कि ऐसे समय में, अधिकारी उपलब्ध बिजली को प्रबंधित करने के लिए ग्रिड में कटौती लागू करते हैं। यह उभरती हुई बिजली की कमी जम्मू कश्मीर की अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बिजली आयात पर अत्यधिक निर्भरता के बीच सामने आई है। केंद्र शासित प्रदेश अपनी बिजली आवश्यकताओं का लगभग 84 प्रतिशत आयात करता है, जबकि स्थानीय उत्पादन सीमित है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जम्मू कश्मीर अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 2,000 मेगावाट बिजली आयात कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू कश्मीर के स्वामित्व वाले बिजली संयंत्रों की 1,197 मेगावाट की स्थापित उत्पादन क्षमता के मुकाबले, वास्तविक उत्पादन 360 से 400 मेगावाट के बीच उतार-चढ़ाव कर रहा है। इस बीच पीडीडी कश्मीर ने कश्मीर मंडल के उपभोक्ताओं के लिए संशोधित भार कटौती योजना (एलसीपी) की घोषणा की, जिसमें बिजली कटौती की अवधि कुल तकनीकी और वाणिज्यिक (एटी एंड सी) हानियों से जुड़ी होगी। एक अधिकारी ने बताया कि कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कार्पोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) ने संशोधित योजना की घोषणा कर दी है। नए कार्यक्रम के तहत, जिन क्षेत्रों में एटी एंड सी के कारण 65 प्रतिशत से अधिक बिजली कटौती होती है, वहां प्रतिदिन आठ घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा, जबकि जिन क्षेत्रों में 40.5 से 65 प्रतिशत के बीच बिजली कटौती होती है, वहां छह घंटे की कटौती होगी। अधिकारी ने बताया कि जिन क्षेत्रों में एटी एंड सी का नुकसान 15 से 40.5 प्रतिशत के बीच है, वहां प्रतिदिन तीन घंटे की कटौती का सामना करना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया कि केपीडीसीएल के अधिकार क्षेत्र में 1,335 फीडर हैं। पिछली एलसीपी के तहत, 129 फीडरों को चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति मिलती थी। संशोधित योजना के तहत 85 और फीडरों को चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति की श्रेणी में जोड़ा गया है, क्योंकि इनमें एटी एंड सी लास 20 प्रतिशत से कम है।

केन्द्र 137 कैंसर रोधी दवाओं की कीमत करेगा कम

नयी दिल्ली (आससे)। केंद्र सरकार ने कैंसर के मरीजों को राहत देते हुये 137 दवाओं की कीमतें कम करने का फैसला किया है। इस कदम से चिन्हित गैर-अनुसूचित एंटी-कैंसर दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी में उनकी मौजूदा मूल्य संरचना के आधार पर 70 प्रतिशत तक की कमी आने की उम्मीद है। संशोधित कीमतें आगामी 9 नवंबर से प्रभावी होंगी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग ने बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने अत्यधिक ट्रेड मार्जिन को नियंत्रित करने, कैंसर के इलाज को अधिक किफायती बनाने और एंटी-कैंसर दवाओं तक पहुंच में सुधार करने के लिए जनहित में 137 चिन्हित गैर-अनुसूचित एंटी-कैंसर दवाओं का ट्रेड मार्जिन युक्तसंगतीकरण (टीएमआर) किया है। यह पहल एनपीपीए के 2019 के पायलट टीएमआर अभ्यास की सफलता पर आधारित है, जिसके तहत 42 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन को 30 फीसदी तक सीमित किया गया था। वर्तमान अभ्यास इस दृष्टिकोण को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुशंसित सूची के



आधार पर कैंसर रोधी दवाओं के एक बड़े समूह तक इस दृष्टिकोण का विस्तार करता है। विशेषज्ञ समिति में देश भर के अस्पतालों के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ, चिकित्सा विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। मंत्रालय ने बताया कि राजपत्र अधिसूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर सभी निर्माताओं को एनपीपीए को अपने संशोधित मूल्यों की सूचना देना अनिवार्य होगा। संशोधित मूल्य 9 नवंबर, 2026 से प्रभावी होंगे। निर्माताओं को अपनी वेबसाइट पर मूल्य सूची प्रदर्शित करना और सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को व्यापक रूप से वितरित करना अनिवार्य होगा। सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को 9 नवंबर से कम कीमतों पर दवाएं बेचनी होंगी और अपनी फार्मेसियों में संशोधित मूल्य प्रदर्शित करने होंगे।

मध्य प्रदेश समाचार

प्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास की नयी परियोजना शुरू होगी- मुख्यमंत्री

भोपाल (आससे)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास की नयी परियोजना शुरू की जायेगी। बड़नगर में कवि प्रदीप सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़नगर में फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाया जाएगा, जिससे स्थानीय किसानों एवं युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। भाट पचलाना और इंगोरिया में नये सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। उज्जैन और आगर में आलू प्रसंस्करण की नई यूनिट प्रारंभ हो रही है, जो प्रदेश के 35 जिलों के किसानों से आलू खरीदेगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारी के लिये 25 हजार करोड़ के विभिन्न विकास कार्य प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा योजना पुन: प्रारंभ की गई है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है। दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने एशिया से विलुप्त हो चुके चीतों को पुन: प्रदेश में स्थापित करने का कार्य किया है। सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरो को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है तथा आवश्यकता पर एयर एम्बुलेंस एवं हेली सेवा के माध्यम से नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त हो गया है, मध्यप्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला प्रदेश बन गया है। बड़नगर में गीता भवन का निर्माण भी होगा।



आदर्श विद्यालयों से ही नयी पीढ़ी संस्कारित होगी-डॉ. यादव

भोपाल (आससे)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आदर्श विद्यालयों से ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी। शिक्षा के नए प्रकल्पों की शुरुआत इस दिशा में एक शुभ संकेत है। विद्यालय व्यक्तिगत मान अपमान के लिए नहीं होते है। यहां पर सब लोग एक समान रुप में शिक्षा ग्रहण करते है। गुरु सांदीपनि की परंपरा का निर्वहन करते हुए उज्जैन से कृष्ण और सुदामा की नई पीढ़ी निकलेगी। डॉ. यादव रविवार को उज्जैन के जियापुरा में विद्या भारती की मानव बाल कल्याण समिति (विद्याभारती) के द्वारा निर्मित होने वाले बहुउद्देशीय महाकालपुरम प्रकल्प के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि



महानवमीका धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

महानवमी विशेष

सनातन धर्म में 'नवरात्रि' का पर्व शक्ति, भक्ति और आत्म-शुद्धि का सबसे बड़ा उत्सव है। नौ दिनों तक चलने वाले इस महा-अनुष्ठान का समापन जिस पावन दिन पर होता है, उसे 'महानवमी' कहा जाता है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत के उत्सव (दशहरा) से ठीक एक दिन पहले का समय होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, नवरात्रि (विशेषकर शारदीय नवरात्रि) के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को महानवमी कहा जाता है। यह दिन मां दुर्गा के नौवें और अंतिम स्वरूप, सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करने वाली 'मां सिद्धिदात्री' को समर्पित है। महानवमी का दिन उपवास की पूर्णता, हवन और कन्या पूजन के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। 'महानवमी' नवरात्रि के नौवें दिन को कहा जाता है। नौ दिनों तक भक्त माता के विभिन्न आठ स्वरूपों की पूजा करके अपने शरीर और मन को शुद्ध करते हैं, और नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा कर अपने व्रत का पूर्ण फल प्राप्त करते हैं। यह वह दिन है जब महिषासुर के साथ माता का युद्ध अपने अंतिम और सबसे भयंकर चरण में था। इसी दिन माता ने महिषासुर का पूर्ण रूप से संहार कर संसार को उसके आतंक से मुक्त किया था। महानवमी पूजा की पूर्णता का प्रतीक है, जिसके बाद दशमी के दिन माता की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। महानवमी का दिन लौकिक (सांसारिक) और अलौकिक (आध्यात्मिक) दोनों तरह की सिद्धियां प्राप्त करने का दिन है,- मार्कंडेय पुराण के अनुसार, आठ प्रकार की प्रमुख सिद्धियां होती हैं (अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व)। महानवमी के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा करने से साधक को इन सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो सकती है। भय और शोक का नाश- जो भक्त महानवमी के दिन माता की सच्चे मन से वंदना करता है, उसके जीवन से हर प्रकार का भय, रोग और शोक हमेशा के लिए मिट जाता है। पूर्णता का आशीर्वाद- यदि कोई भक्त पूरे नौ दिन व्रत नहीं रख पाता है, तो केवल अष्टमी और महानवमी का व्रत रखकर और हवन करके वह पूरे नौ दिनों के उपवास के बराबर पुण्य प्राप्त कर सकता है। महानवमी के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है, जिनकी कथा भगवान शिव और महिषासुर वध से जुड़ी है- पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब ब्रह्मांड की रचना की शुरुआत हुई, तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण और असीम शक्तियों की प्राप्ति के लिए आदिशक्ति मां दुर्गा की कठोर तपस्या की। भगवान शिव की तपस्या से प्रसन्न होकर मां आदिशक्ति अपने नौवें स्वरूप 'मां सिद्धिदात्री' के रूप में प्रकट हुईं। मां सिद्धिदात्री ने भगवान शिव को संसार की सभी आठ प्रमुख सिद्धियां और अनंत शक्तियां प्रदान कर दीं। माता की कृपा और उन्हीं शक्तियों के कारण भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हो गया। इसी कारण भगवान शिव संसार में 'अर्धनारीश्वर' (आधा नर, आधा नारी) के नाम से प्रसिद्ध हुए। मां सिद्धिदात्री कमल के पुष्प पर विराजमान हैं, उनकी चार भुजाएं हैं जिनमें वे शंख, चक्र, गदा और कमल का फूल धारण करती हैं। देव, यक्ष, किन्नर, गंधर्व और स्वयं ऋषि-मुनि भी सिद्धियां प्राप्त करने के लिए महानवमी के दिन इन्हीं की उपासना करते हैं। नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा और राक्षस महिषासुर के बीच चले भयंकर युद्ध का प्रतीक हैं। नवमी के दिन महिषासुर ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी थी और वह बार-बार अपना रूप बदल रहा था। अंततः महानवमी के ही दिन माता ने अपने विराट स्वरूप को धारण किया और महिषासुर का वध कर देवताओं को पुनः स्वर्ग का अधिकार दिलाया। महानवमी के दिन कई महत्वपूर्ण अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनके बिना नवरात्रि अधूरी मानी जाती है- नवमी का हवन (चंडी होम)- महानवमी के दिन घर-घर और दुर्गा पंडालों में हवन (यज्ञ) किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के मंत्रों से आहुति दी जाती है। माना जाता है कि हवन के धुएं से घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा और बीमारियां नष्ट हो जाती हैं। जो लोग अष्टमी के दिन कन्या पूजन नहीं करते, वे महानवमी के दिन कन्याओं को जिमाते हैं। नौ कुंवारी कन्याओं और एक बालक (बटुक भैरव) को हलवा, पूरी, और चने का भोग लगाया जाता है। आयुध पूजा (हथियारों और उपकरणों की पूजा)- महानवमी के दिन दक्षिण भारत और देश के कई अन्य हिस्सों में 'आयुध पूजा' की जाती है। इस दिन औजारों, हथियारों, किताबों, मशीनों और वाहनों की पूजा की जाती है, क्योंकि माता ने राक्षसों का वध करने के लिए अस्त्र-शस्त्र धारण किए थे। कई तांत्रिक और शक्ति पीठों में महानवमी के दिन देवी को प्रसन्न करने के लिए बलि दी जाती है। सात्विक पूजा करने वाले लोग इस दिन लौकी, कद्दू या केले की प्रतीकात्मक बलि देते हैं। नवमी के दिन 'अपराजिता' (एक विशेष फूल/पौधा) की पूजा का भी विधान है, जो जीवन में कभी न हारने (अपराजित रहने) का आशीर्वाद देती है। नवमी की शाम को देवी के विसर्जन की तैयारी शुरू हो जाती है। भक्त भावुक मन से माँ से अगले वर्ष जल्दी आने की प्रार्थना करते हैं। महानवमी की सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और हल्के बैंगनी या लाल रंग के वस्त्र धारण करें, क्योंकि मां सिद्धिदात्री को यह रंग बहुत प्रिय है। एक चौकी पर मां सिद्धिदात्री (या मां दुर्गा) की तस्वीर रखें। उन्हें लाल पुष्प, कुमकुम, अक्षत, इत्र और श्रृंगार का सामान अर्पित करें। माता को काले तिल, हलवा, पूरी, खीर और नारियल का भोग अवश्य लगाएं। माता का ध्यान करते हुए '? देवी सिद्धिदात्र्यै नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। पूजा के बाद हवन सामग्री और घी से हवन करें। हवन के बाद आरती उतारें और कन्याओं को भोजन कराने के बाद ही अपना व्रत खोलें (पारण करें)। दर्शन सिखाता है कि कठोर तपस्या, संयम और भक्ति का फल अंततः 'सिद्धि' (सफलता) के रूप में ही मिलता है। नौ दिनों की यह आध्यात्मिक यात्रा हमारे भीतर के विकारों (बुराइयों) को समाप्त कर हमें एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता प्रदान करती है। मां सिद्धिदात्री की कृपा से मनुष्य के जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं रहता और उसे इस लोक में सुख और परलोक में मोक्ष की प्राप्ति होती है।



कर्म और कर्मफल की अवधारणा

हिन्दू धर्म में भजन-कीर्तन और सत्संग को न केवल भक्ति का बल्कि विचारों की शुद्धिकरण का भी माध्यम माना गया है। हालांकि, कई लोग भजन-कीर्तन में खुद के दुःख को कम करने के लिए भी शामिल होते हैं। वे भक्ति को अपना दुःख कम करने का माध्यम बनाने का प्रयास करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उनका मन ईश्वर की भक्ति में लीन हो जायेगा, तो उन्हें संसार के दुःख-सुख से फर्क पड़ना बंद हो जाए। लेकिन उन्हें मन-मुताबिक़ परिणाम नहीं मिलता। भजन-कीर्तन और सत्संग करने के बाद भी दुःख कम नहीं होते और कष्ट ज्यों का त्यों बना रहता है। ऐसे में लोगों के मन में और संशय पैदा हो जाता है। उन्हें लगने लगता है कि या तो उनकी भक्ति ईश्वर तक नहीं पहुँच रही या फिर भजन-कीर्तन और सत्संग करने से कुछ नहीं होता। क्या भक्ति करने से जीवन में कभी दुःख नहीं आता? लोगों के लिए यह समझना जरूरी है कि सनातन परंपरा में भक्ति को केवल दुःख दूर करने का साधन नहीं माना गया है। भक्ति का एक बड़ा उद्देश्य मन को बदलना, कर्म को शुद्ध करना और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना भी माना जाता है। सनातन दर्शन में कर्म और कर्मफल की अवधारणा बहुत महत्वपूर्ण है। सामान्य रूप से माना जाता है कि व्यक्ति के कर्म उसके जीवन पर प्रभाव डालते हैं। व्यक्ति के वर्तमान अनुभवों को उसके कर्मों और परिस्थितियों से जोड़कर देखना चाहिए। शास्त्र कहते हैं कि हर जीव अपने कर्मों का फल भोगता है। भजन-कीर्तन से मन शुद्ध होता है, लेकिन पूर्व जन्मों और वर्तमान जीवन के कर्मों का फल तो भोगना ही पड़ता है। कष्ट केवल दंड नहीं, बल्कि आत्मा को परिष्कृत करने का साधन भी है। यह हमें धैर्य, करुणा और वैराग्य सिखाता है। भजन-कीर्तन से बाहरी परिस्थितियाँ तुरंत नहीं बदलतीं, लेकिन भीतर की शक्ति और सहनशीलता बढ़ती है। भजन-कीर्तन से मिलने वाला यही परिणाम असली आशीर्वाद है। भक्ति करने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति के जीवन में आगे कभी कोई परेशानी नहीं आएगी। जीवन में सुख-दुःख, सफलता-असफलता और उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लेकिन भारतीय दर्शन में कर्म का सिद्धांत भी महत्वपूर्ण है। उदाहरण के तौर पर आप पांडव का जीवन समझ सकते हैं। पांडव निरंतर भगवान कृष्ण के साथ थे लेकिन फिर भी कर्मों के परिणाम स्वरूप उन्हें वनवास, युद्ध और कठिनाइयाँ झेलनी पड़ी। मीरा और तुलसीदास भगवान् की भक्ति में डूबे हुए थे लेकिन फिर भी उन्होंने सामाजिक विरोध और व्यक्तिगत पीड़ा का सामना किया।



मनोकामना पूर्तिके लिए चमत्कारिक है कुमारी पूजन

धर्मशास्त्रों में दो वर्ष की कन्या को कुमारी, तीन वर्ष की कन्या-त्रिमूर्ति, चार वर्ष की कन्या-कल्याणी, पांच वर्ष की कन्या-रोहिणी, छः वर्ष की कन्या-काली, सात वर्ष की कन्या-चण्डिका, आठ वर्ष की कन्या-शाम्भवी एवं नौ वर्ष की कन्या-दुर्गा तथा दस वर्ष की कन्या-सुभद्रा देवी के स्वरूप में मानी जाती हैं।



नवरात्र में जगत्जननी माँ जगदम्बा दुर्गाजी की पूजा-अर्चना की अनन्त महिमा है। ज्योतिर्विद् विमल जैन ने बताया कि नवरात्र के धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात् कुमारी कन्याओं की पूजा-अर्चना करना अत्यन्त आवश्यक है। धर्मशास्त्रों में कुमारी कन्याओं को त्रिशक्ति यानि महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती देवी का स्वरूप माना गया है। नवरात्र में व्रतकर्ता को या देवीभक्त को कुमारी कन्या एवं बटुक की विधि-विधानपूर्वक पूजन करके उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। श्रीदुर्गाजी की अर्चना करके हवन आदि करने का विधान है। सोमवार को महाअष्टमी व 20 अक्टूबर, मंगलवार को महानवमी का व्रत रखा जाएगा। महानिशा पूजा 19 अक्टूबर, सोमवार को मध्यरात्रि में होगी। अष्टमी तिथि उदया तिथि के रूप में 19 अक्टूबर, सोमवार को है, फलस्वरूप महाअष्टमी का व्रत इसी दिन रखा जाएगा। महानवमी का व्रत 20 अक्टूबर, मंगलवार को रखा जाएगा। महानवमी का व्रत रखकर जगदम्बाजी की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की जाएगी। महाअष्टमी तिथि व महानवमी तिथि के दिन बटुक व कुमारी पूजन का विधान है। नवरात्र व्रत का पारण 21 अक्टूबर, बुधवार (दशमी) को किया जाएगा। इसी दिन दशमी तिथि दिन में 2 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार विजया दशमी (दशहरा) का पर्व इसी दिन मनाया जाएगा। धर्मशास्त्रों में दो वर्ष की कन्या को कुमारी, तीन वर्ष की कन्या-त्रिमूर्ति, चार वर्ष की कन्या-कल्याणी, पाँच वर्ष की कन्या-रोहिणी, छः वर्ष की कन्या-काली, सात वर्ष की कन्या-चण्डिका, आठ वर्ष की कन्या-शाम्भवी एवं नौ वर्ष की कन्या-दुर्गा तथा दस वर्ष की कन्या-सुभद्रा देवी के स्वरूप में मानी जाती हैं। इनकी पूजा-अर्चना करने से मनोवांछित फल मिलता है। कन्याओं का पूजन करने के पश्चात् उन्हें सात्त्विक व पौष्टिक भोजन करवाना चाहिए, तत्पश्चात् नववस्त्र, ऋतुफल, मिष्ठान्न तथा नकद द्रव्य आदि विविध उपहार देकर उनके चरणस्पर्श करके आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। भगवती की आराधना में अस्वस्थ, विकलांग एवं नेत्रहीन कन्याओं का पूजन वर्जित है। फिर भी इनकी उपेक्षा न करते हुए यथाशक्ति यथासामर्थ्य इनकी सेवा व सहायता करते रहने पर जगत् जननी माँ दुर्गा की प्रसन्नता सदैव बनी रहती है, जिससे जीवन में सुख-सौभाग्य का सुयोग बना रहता है। अपने मनोकामना की पूर्ति के लिए सभी वर्ण या अलग-अलग वर्ण की कन्याओं का पूजन करना चाहिए। देवीभागवत ग्रन्थ के अनुसार ब्राह्मण वर्ण की कन्या-शिक्षा ज्ञानार्जन व प्रतियोगिता, क्षत्रिय वर्ण की कन्या-सुयश व राजकीय पक्ष से लाभ, वैश्य वर्ण की कन्या-आर्थिक समृद्धि व धन की वृद्धि के लिए, शूद्र वर्ण की कन्या-शत्रुओं पर विजय एवं कार्यसिद्धि हेतु पूजा-अर्चना करनी चाहिए। दो वर्ष से दस वर्ष तक की कन्या को देवी स्वरूप माना गया है, जिनकी नवरात्र पर भक्तिभाव के साथ पूजा करने से भगवती प्रसन्न होती हैं।

हौसला टूटने लगे तो याद रखें गीता का छठा श्लोक

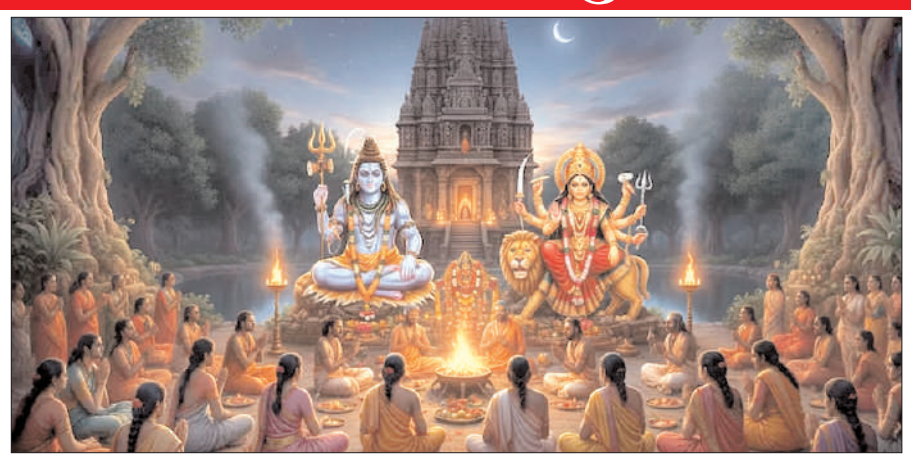
जिंदगी में कई बार ऐसा होता है कि हम खुद को कमजोर महसूस करने लगते हैं। मुश्किलें बढ़ती हैं तो लगता है कि सारी जिम्मेदारी अकेले ही उठानी पड़ेगी। ऐसे वक्त में हमारा हौसला बनाए रखने में सही लोगों का साथ बड़ी भूमिका निभाता है। भगवद्गीता का छठा श्लोक इसी बात की याद दिलाता है कि किसी भी बड़ी चुनौती का सामना करने में अकेले की ताकत ही नहीं, बल्कि साथ खड़े लोगों का योगदान भी मायने रखता है। महाभारत के युद्ध से पहले कौरवों और पांडवों की सेनाओं का वर्णन करते हुए दुर्योधन पांडव पक्ष के कई पराक्रमी योद्धाओं के नाम गिनाता है। इस श्लोक से हम अपने जीवन में सहयोग, आत्मविश्वास और दूसरों की काबिलियत को पहचानने की सीख ले सकते हैं। गीता का छठा श्लोक और उसका अर्थ-श्लोक-



युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान्?.
सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥ (6)

भगवद्गीता के पहले अध्याय में यह श्लोक कुरुक्षेत्र के युद्ध की पृष्ठभूमि में आता है। दुर्योधन पांडवों की सेना में मौजूद प्रमुख योद्धाओं का जिक्र करता है। वह उनके साहस और युद्ध करने की क्षमता को पहचानता है। इस प्रसंग से यह समझ आता है कि किसी चुनौती का सामना करने से पहले सामने मौजूद लोगों की ताकत और अपनी स्थिति को समझना भी जरूरी है। कई लोग घर, ऑफिस या रिश्तों की जिम्मेदारियां निभाते हुए हर काम खुद करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि किसी से मदद मांगना कमजोरी है। लेकिन ऐसा करने से तनाव बढ़ सकता है और काम भी मुश्किल लगने लगता है। श्लोक की एक व्यावहारिक सीख यह है कि अपने आसपास मौजूद लोगों की काबिलियत पहचानें और जरूरत पड़ने पर उनका साथ लें। परिवार हो या काम की जगह, मिलकर जिम्मेदारी उठाने से मुश्किलें संभालना आसान हो सकता है। इस श्लोक में अलग-अलग योद्धाओं का नाम लेकर उनकी वीरता का जिक्र किया गया है। जीवन में भी हर व्यक्ति की अपनी खासियत होती है। कोई मुश्किल समय में सही सलाह देता है, कोई काम को बेहतर तरीके से संभालता है और कोई भावनात्मक सहारा बनता है। दूसरों की खूबियों को पहचानने से रिश्ते मजबूत होते हैं और साथ मिलकर बेहतर फैसले लेने में मदद मिल सकती है। किसी चुनौती के सामने सिर्फ जोश दिखाना काफी नहीं होता। यह समझना भी जरूरी है कि हमारे पास कौन-से साधन हैं, कहां मदद मिल सकती है और किस काम के लिए कितनी तैयारी चाहिए। दुर्योधन का पांडव पक्ष के योद्धाओं पर ध्यान देना इसी प्रसंग का हिस्सा है। इसे जीवन से जोड़कर देखें तो किसी परीक्षा, नौकरी के इंटरव्यू या बड़े प्रोजेक्ट से पहले अपनी तैयारी और चुनौतियों को समझना समझदारी है। किसी टीम की सफलता में सिर्फ सामने दिखने वाले व्यक्ति का योगदान नहीं होता। उसके पीछे कई लोगों की मेहनत रहती है। घर में भी ऐसा ही है, जहां हर सदस्य किसी न किसी रूप में जिम्मेदारी निभाता है। जब हम दूसरों के योगदान को महत्व देते हैं, तो आपसी भरोसा बढ़ता है। गीता के इस श्लोक को इस नजरिए से समझें तो यह हमें अपने साथ खड़े लोगों की अहमियत पहचानने की प्रेरणा देता है।

शिव की शिवरात्रि तो मां दुर्गा की नवरात्रि



हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि से लेकर नवरात्रि तक कई ऐसे पर्व हैं, जिनमें रात्रि पूजा, जागरण और साधना का विशेष महत्व माना जाता है। भगवान शिव को समर्पित महाशिवरात्रि हो या मां दुर्गा की आराधना के लिए मनाई जाने वाली नवरात्रि, इन पर्वों में रात का विशेष स्थान है। केवल शिवरात्रि या नवरात्रि ही नहीं बल्कि दीपावली, करवा चौथ, कृष्ण जन्माष्टमी, शरद पूर्णिमा आदि पर्व भी रात के समय ही मनाए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हिंदू धर्म में रात के समय पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों को इतनी अहमियत क्यों दी जाती है? क्या इसके पीछे कोई आध्यात्मिक रहस्य छिपा है या फिर इसका संबंध प्राचीन धार्मिक परंपराओं से है? दिन के समय हमारा ध्यान काम, जिम्मेदारियों और निरंतर शोर के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंच जाता है, वहीं रात का शांत वातावरण ध्यान, साधना और आत्मचिंतन के लिए अनुकूल माना जाता है। महाशिवरात्रि और नवरात्रि जैसे पर्वों में रात्रि जागरण, मंत्र जाप और पूजा का विशेष महत्व इसी आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी समझा जाता है। रात्रि पूजा केवल अंधेरे के बारे में नहीं है, यह भीतर की ओर मुड़ने के अवसर का भी प्रतिनिधित्व कर सकती है। भक्तों के लिए यह शांत समय प्रार्थना, अनुशासन और ईश्वर के साथ एक गहरे संबंध पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करता है। संस्कृत में रात्रि का अर्थ रात होता है। आध्यात्मिक संदर्भ में रात को बाहरी गतिविधियों से हटकर भीतर की चेतना पर ध्यान देने के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। अंधकार हमेशा नकारात्मकता का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह शांति और आत्मचिंतन की अनुभूति भी करा सकता है। अलग-अलग धार्मिक परंपराओं में रात्रि के अर्थ और महत्व की व्याख्या अलग हो सकती है। नवरात्रि, महाशिवरात्रि, दीपावली, करवा चौथ, कृष्ण जन्माष्टमी, शरद पूर्णिमा आदि पर्व रात के समय मनाए जाते हैं। इन पर्वों का रात के समय मनाए जाने का अपना आध्यात्मिक महत्व है। नवरात्रि शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, नव यानी नौ और रात्रि यानी रात। शारदीय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि के दौरान इस पर्व में भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। यह पर्व शक्ति, साहस, ज्ञान, करुणा और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। नवरात्रि का पर्व केवल माता की पूजा का ही नहीं बल्कि पूरे ब्रह्मांड की शक्ति को समझने का अवसर है। इन नौ रात में मां भवानी की शक्तियों से जुड़ने का अवसर मिलता है इसलिए यह त्योहार एक धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ व्यक्तिगत आत्म-चिंतन की अवधि दोनों का है। शाक्त परंपरा में मां दुर्गा को आदिशक्ति के रूप में पूजा जाता है। शक्ति सृजन, संरक्षण और परिवर्तन का प्रतीक है, जबकि शांति मन को स्थिर करने में सहायता करती है। इसका मतलब यह नहीं है कि आध्यात्मिक जागरण केवल रात में ही हो सकता है। बल्कि, मौन और गतिविधि के बीच का अंतर आंतरिक परिवर्तन के बारे में सोचने का एक उपयोगी तरीका प्रदान करता है। पारंपरिक हिंदू संस्कृति में मौसमी बदलाव का भी धार्मिक उत्सव की तरह मनाया जाता है। कुछ आधुनिक आध्यात्मिक व्याख्याएं इन बदलावों को आंतरिक संतुलन को बहाल करने के विचार से जोड़ती हैं। हालांकि, नवरात्रि की धार्मिक परंपराएं हिंदू पंचांग और स्थापित मान्यताओं पर आधारित हैं। महाशिवरात्रि और नवरात्रि - महाशिवरात्रि और नवरात्रि दोनों ही पर्व भक्ति, साधना और आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करते हैं। जहां महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व है, वहीं नवरात्रि मां दुर्गा की शक्ति और उनके विभिन्न स्वरूपों को समर्पित है। इन पर्वों का संदेश है कि जीवन की व्यस्तता के बीच कुछ समय अपने मन, विचारों और आचरण को बेहतर बनाने के लिए भी निकालना चाहिए।